@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली–हरियाणा–पंजाब–चण्डीगढ़–उत्तर प्रदेश से प्रसारित
रविवार, 27 सितंम्बर 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक – गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 324 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

भारत की महिला कबड्डी टीम ने जीता गोल्ड

•फाइनल में ईरान को 37-34 से हराया

एजेंसी
नई दिल्ली। एशियन गेम्स में भारत के पदकों की संख्या में एक और स्वर्ण जुड़ गया है। भारतीय महिला कबड्डी टीम ने फाइनल मुकाबले में ईरान को 37-34 से हराकर गोल्ड मेडल पर कब्जा किया। रोमांचक मुकाबले में भारतीय खिलाड़ियों ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और पूरे मैच में बढ़त बनाए रखने की कोशिश की। फाइनल में भारत ने शुरुआती मिनटों से ही ईरान पर दबाव बनाया। भारतीय टीम की रेडिंग और डिफेंस दोनों प्रभावी नजर आए। हाफ टाइम तक भारत ने 22 अंक हासिल कर लिए थे, जबकि ईरान की टीम 16 अंकों पर थी। दूसरे हाफ में ईरान ने वापसी करते हुए मुकाबले को रोमांचक बना दिया, लेकिन भारतीय खिलाड़ियों ने दबाव के बीच संयम बनाए रखा।

आखिरी चरण में दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। हालांकि भारतीय टीम ने महत्वपूर्ण मौकों पर अंक हासिल किए और अंततः 37-34 के अंतर से जीत दर्ज कर ली।

• फाइनल में ईरान को दी कड़ी चुनौती

ईरान की टीम ने दूसरे हाफ में भारतीय बढ़त को कम करने की पूरी कोशिश की। कुछ मौकों पर उसने लगातार अंक हासिल कर मुकाबले में वापसी की स्थिति बनाई। इसके बावजूद भारतीय खिलाड़ियों ने डिफेंस में बेहतर तालमेल दिखाया और ईरान को निर्णायक बढ़त बनाने का मौका नहीं दिया।

मेरठ में अवैध निर्माण पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

•16,726 संपत्तियां सील करने का आदेश

एजेंसी
नई दिल्ली: मेरठ में अवैध निर्माण और आवासीय संपत्तियों के कथित व्यावसायिक इस्तेमाल को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने उत्तर प्रदेश सरकार और संबंधित अधिकारियों को मेरठ के जोन ए में चिन्हित 16,726 अवैध या अनधिकृत निर्माणों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। अदालत ने पहले चरण में इन परिसरों को खाली कराने और सील करने का आदेश दिया है। इसके बाद अनधिकृत निर्माणों को हटाने की प्रक्रिया आगे बढ़ाने को

कहा गया है। सुप्रीम कोर्ट के सामने पेश की गई स्थिति रिपोर्ट के मुताबिक मेरठ शहर और उसके आसपास के इलाकों को सर्वे के लिए चार जोन में बांटा गया है। इनमें जोन ए, बी, सी और डी शामिल हैं। अदालत ने कहा कि जोन ए में निरीक्षण और सर्वे के लिए गठित 16 टीमों ने कुल 16,726 निर्माणों की पहचान पूरी तरह अवैध या अनधिकृत के रूप में की है। इनमें 12,907 आवासीय, 874 आवासीय एवं गैर-आवासीय दोनों श्रेणी के और 2,945 गैर-आवासीय निर्माण बताए गए हैं। संपत्तियां खाली कराने और सील करने का निर्देश

पुराने आदेशों के अनुपालन को लेकर दायर

अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए पीठ ने अधिकारियों को जोन ए में चिन्हित सभी 16,726 संपत्तियों के खिलाफ जल्द कार्रवाई करने को कहा। अदालत के निर्देश के मुताबिक कार्रवाई का पहला चरण संबंधित परिसरों को खाली कराना और उसके बाद उन्हें सील करना होगा। पीठ ने यह भी चिंता जताई कि इनमें से कुछ निर्माण जर्जर स्थिति में हो सकते हैं। अदालत ने कहा कि यदि ऐसे भवनों के गिरने से लोगों की जान जाती है तो ऐसी स्थिति को किसी भी कीमत पर टाला जाना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

गुजरात में दर्दनाक सड़क हादसा : राजस्थान के 4 व्यापारियों की मौत

•शंखेश्वर तीर्थ दर्शन के लिए जाते समय खड़े डंपर में घुसी कार

एजेंसी
सांचौर/सूरत। गुजरात के सूरत जिले में भारतमाला एक्सप्रेस-वे पर सुबह हुए एक भीषण सड़क हादसे में राजस्थान के जालोर और सांचौर क्षेत्र के चार प्रवासी व्यापारियों की दर्दनाक मौत हो गई। चारों व्यापारी मुंबई में अपना व्यवसाय करते थे और कार से

पाटण जिले के प्रसिद्ध शंखेश्वर पार्श्वनाथ जैन तीर्थ के दर्शन के लिए जा रहे थे। हादसा कामरेज थाना क्षेत्र के डिगस गांव की सीमा में ताप्ती नदी पुल के समीप हुआ, जहां तकनीकी खराबी के चलते हाईवे की इमरजेंसी लेन में खड़े एक डंपर में तेज रफ्तार टाटा हैरियर कार पीछे से जा घुसी। टक्कर इतनी जबर्दस्त थी कि कार का अगला हिस्सा डंपर के नीचे बुरी तरह फंसकर चकनाचूर हो गया।

ट्रेन से गिरकर मौत, टिकट नहीं मिला तो भी मिलेगा मुआवजा

•सुप्रीम कोर्ट का अहम फैसला

एजेंसी
नई दिल्ली। ट्रेन हादसे में किसी यात्री की मौत के बाद यदि उसके पास से टिकट बरामद नहीं होता है, तो सिर्फ इसी आधार पर परिवार को मुआवजे से वंचित नहीं किया जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम फैसले में यह स्पष्ट किया है। अदालत ने गुजरात में वर्ष 2017 में चलती ट्रेन से गिरकर घायल हुए और बाद में मौत के शिकार हुए महेशभाई के माता-पिता को रेलवे दावा न्यायाधिकरण की ओर से दिए गए 8 लाख रुपये के मुआवजे को बहाल कर दिया। न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां और न्यायमूर्ति एएस चंदुरकर की पीठ ने गुजरात हाईकोर्ट के उस फैसले को रद्द कर दिया, जिसमें टिकट पेश नहीं किए जाने के आधार पर मुआवजे के दावे को खारिज कर दिया गया था। मामला 27 सितंबर 2017 का है। महेशभाई अहमदाबाद के रास्ते सूरत जा रहे थे। इसी दौरान ट्रेन के सामान्य डिब्बे में अचानक झटका लगने से वह नीचे गिर गए। हादसे में उन्हें गंभीर चोटें आईं और उन्हें एक महीने से अधिक समय तक अस्पताल में भर्ती रहना पड़ा। 31 अक्टूबर 2017 को इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

चक्रवात अर्नब का तांडव

उत्तर प्रदेश में 48 घंटे से भारी बारिश और आंधी, 13 की मौत

•राजस्थान-एमपी समेत 14 राज्यों में भी अलर्ट, चारधाम यात्रा रोकी गई

एजेंसी
नई दिल्ली। अर्नब चक्रवात के असर से उत्तर प्रदेश, बिहार समेत 8 राज्यों में तेज बारिश हो रही है। बंगाल की खाड़ी में बना मौसमी सिस्टम अब दक्षिण छत्तीसगढ़ से उत्तर-पूर्व की ओर बढ़ रहा है। इसके चलते राजस्थान-मध्य प्रदेश समेत 14 राज्यों में अलर्ट जारी किया गया है। उत्तर प्रदेश में करीब 48 घंटे से लगातार बारिश हो रही है। 40-50 किमी/घंटे की हवाएं चल रही हैं। अगल-अलग हादसों में 13 लोगों की मौत हो चुकी है। 32 जिलों में बाढ़ का खतरा है।

लखनऊ के कई इलाकों में सड़कों पर तीन फीट तक पानी भर गया है। घरों के अंदर पानी घुस गया है। आंधी में पेड़ गिर गए हैं। कन्नौज में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर आंधी-बारिश से कार पलट गई। कार में पांच लोग फंस गए।

बिहार में सुपौल के 50 गांव बाढ़ से प्रभावित हैं। 19 जिलों में यलो अलर्ट है। बारिश से जुड़ी घटनाओं में 3 लोगों की मौत हुई है। उत्तराखंड में चमोली के हेमकुंड साहिब, बद्रीनाथ में बर्फबारी हुई है। पिथौरागढ़-घाट सड़क पर लैंडस्लाइड के कारण 300 से ज्यादा गाड़ियां फंस गई हैं। चारधाम यात्रा दो दिनों के लिए रोक दी गई है।

भूस्खलन, फ्लैश फ्लड और सड़कें बंद होने का खतरा

मौसम विभाग ने चेताया है कि संवेदनशील इलाकों में हल्के से मध्यम भूस्खलन, चट्टान गिरने से सड़कें–राजमार्ग अवरुद्ध हो सकते हैं। बिजली–पानी जैसी सामुदायिक सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं। इसके अलावा नदियों के जल स्तर में वृद्धि, नालों में अचानक बाढ़, निचले इलाकों में जलभराव, कच्चे मकानों, पुलों व निर्माणाधीन भवनों को नुकसान की आशंका है। चारधाम यात्रा, पर्वतारोहण अभियान व हेली सेवाएं भी प्रभावित हो सकती हैं। ऐसे में चारधाम व अन्य यात्रा करने वाले तीर्थयात्री–पर्यटक सतर्क रहें, आवश्यक होने पर ही यात्रा करें। नदी, नालों, उफनती धाराओं में तैरने या नौका विहार न करें। भारी बारिश के दौरान घर के अंदर रहें, सक्रिय भूस्खलन क्षेत्र पार न करें।

तेलंगाना: गणपति विसर्जन के दौरान अलग-अलग हादसों में 13 की मौत

• पुलिसकर्मी ने भी तोड़ा दम, 26 श्रद्धालु घायल

एजेंसी
हैदराबाद। तेलंगाना में गणेश विसर्जन समारोह के दौरान एक पुलिस सब-इंस्पेक्टर समेत 13 लोगों की मौत हो गई। शहर में गणेश विसर्जन के दिन डीजीपी सीवी आनंद ने यह जानकारी दी। आनंद ने बताया कि विसर्जन से जुड़ी घटनाओं में 26 अन्य लोग घायल हुए। विसर्जन का काम शनिवार दोपहर तक चलता रहा।

पुलिसकर्मी भी हादसे का हुआ शिकार

बता दें कि डीजीपी सीवी आनंद ने दुख जताया कि तेलंगाना में गणेश विसर्जन के जश्न के दौरान कई जगहों पर दुखद घटनाएं हुईं। वहीं, मरने वालों में न्यू कोठागुडेम के सब-इंस्पेक्टर (एसआई) वेंकन्ना भी शामिल थे, जो विसर्जन ड्यूटी के लिए हैदराबाद आए थे। साइबराबाद इलाके के पटनचेरू में छह लोगों की मौत हुई।

जबकि तड़के खैरताबाद में शिवा नाम के एक व्यक्ति की मौत हो गई। निर्मल में दिल का दौरा पड़ने से एक और व्यक्ति की मौत की खबर मिली। आनंद ने कहा कि डीजे सिस्टम से होने वाले तेज शोर की वजह से भी कुछ मौतें हुईं। घायलों में से 17 लोग मलकजगिरी कमिश्नरेट इलाके से थे।

डीजीपी ऑफिस ने क्या बताया?

डीजीपी ऑफिस में मीडिया से बात करते हुए आनंद ने बताया कि इस साल राज्य के गणेश पोर्टल पर 1.24 लाख गणेश मूर्तियों का रजिस्ट्रेशन हुआ था, जबकि पिछले साल यह संख्या 1.15 लाख थी। उन्होंने कहा कि घरों, अपार्टमेंट और दूसरी निजी

जगहों पर रखी गई मूर्तियों को मिलाकर, पूरे राज्य में इनकी कुल संख्या 3.5 लाख से 4 लाख के बीच हो सकती है।

गणेश पंडाल में करंट फैलने से चार युवकों की मौत, 3 घायल

भोपाल । मध्य प्रदेश के मंडला जिले में नैनपुर थाना क्षेत्र के हीरापुर गांव में एक गणेश पंडाल में बिजली का करंट फैलने से चार युवकों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। मृतकों की पहचान जैनू भंवरे (19), रवि झारिया (24), कृष्ण कुमार भंवरे (18) और वीरेंद्र भंवरे (24) के तौर पर हुई है। पुलिस ने बताया कि घायलों में से एक की पहचान प्रियांशु के तौर पर हुई है, जिसकी हालत गंभीर थी और उसे आगे के इलाज के लिए ज़िला अस्पताल भेजा गया। नैनपुर के उप-विभागीय पुलिस अधिकारी मनीष राज के मुताबिक, गणेश उत्सव समिति के सदस्य मूर्ति विसर्जन के बाद शनिवार की सुबह करीब 4 बजे गांव लौटे। इसके बाद 7 युवक झांकी में इस्तेमाल होने वाले सामान और चीजों की रखवाली के लिए पंडाल के अंदर ही रुक गए।

नगालैंड में संदिग्ध मिलावटी शराब पीने से 19 लोगों की मौत, एसआईटी गठित

राज्य में तीन दशक से अधिक समय से शराबबंदी लागू है।

•इस शराब त्रासदी के सिलसिले में अब तक 19 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

एजेंसी
कोहिमा। नागालैंड के मोकोकचुंग और तुएनसांग जिलों में पिछले दो दिनों में कथित तौर पर जहरीली शराब पीने से कम से कम 19 लोगों की मौत हो गई है। इसके बाद पुलिस ने अवैध शराब के स्रोत और सप्लाई चेन की जांच शुरू कर दी है। इस शराब त्रासदी के सिलसिले में अब तक 19 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। कोहिमा में पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि मोकोकचुंग जिले में आठ और तुएनसांग जिले में 11 लोगों की मौत की खबर है। उन्होंने बताया कि इन मौतों की जांच करने और संदिग्ध मिलावटी शराब के स्रोत का पता लगाने के लिए एडिशनल सुपरिंटेंडेंट

ऑफ पुलिस (एएसपी) बुंगलांग चांग की अध्यक्षता में एक स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) बनाई गई है। अधिकारी ने कहा, 'कुछ सुराग मिले हैं, लेकिन अभी जानकारी का खुलासा करना जल्दबाजी होगी।'

उन्होंने बताया कि मौतों का कारण पता लगाने के लिए शराब के सैंपल फोरेंसिक जांच के लिए गुवाहाटी की एक लैब में भेजे गए हैं। इन मौतों के बाद पुलिस ने कई जगहों पर छापेमारी की और 19 लोगों को गिरफ्तार किया, साथ ही शराब की लगभग 3,000 बोतलें जब्त की। नागालैंड में 1990 से शराबबंदी कानून लागू है, हालांकि राज्य में शराब का सेवन और अवैध बिक्री अभी भी चुनौतियां बनी हुई हैं। पुलिस ने कई बार लोगों को बिना पहचान, बिना लेबल या संदिग्ध अवैध शराब न पीने की सलाह दी है और शराब पीने के बाद चक्कर आना, धुंधला दिखना, सांस लेने में तकलीफ या बेहोशी जैसे लक्षण महसूस होने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करने को कहा है। मामले की जांच चल रही है। इस बीच, इसी महीने की शुरुआत में नागालैंड के तुएनसांग सिविल अस्पताल में संदिग्ध मिलावटी शराब पीने से कम से कम नौ लोगों (जिनमें एक ही परिवार के तीन सदस्य शामिल थे) की मौत हो गई थी। इसके बाद राज्य पुलिस ने रेड अलर्ट जारी किया और लोगों से अनजान या अनधिकृत स्रोतों से शराब न पीने की अपील की।

राम दान की लूट: अविनाश ने की 85 बार चोरी

•चैट में कैश के बंडलों का जिक्र

700 खातों में चंपत के नाम एक भी नहीं

एजेंसी
अयोध्या: अयोध्या में राम मंदिर में चढ़ावे की रकम की कथित चोरी के मामले में पुलिस की ओर से अदालत में दाखिल चार्जशीट में सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल डाटा और कॉल डिटेल

रिकॉर्ड (सीडीआर) के आधार पर अभियुक्तों की भूमिका का विस्तृत ब्योरा दिया गया है। चार्जशीट के मुताबिक, अविनाश शुक्ला उर्फ शनि सीसीटीवी फुटेज में कुल 85 बार चढ़ावे की रकम चोरी करते और चार बार अन्य अभियुक्तों को चोरी में सहयोग करते दिखाई दिया। चार्जशीट में करुणेश पांडेय दो बार चोरी करते और 68 बार सह-अभियुक्तों की मदद करते दिखाई दिया। मनीष कुमार यादव 16 बार चढ़ावे की रकम अपने पास रखते और 19 बार अन्य अभियुक्तों का सहयोग करते दिखाई दिया। रमाशंकर मिश्र एक बार चढ़ावे की रकम हटाकर अपने पास रखते, जबकि लवकुश मिश्रा एक बार चोरी करते और 52 बार अन्य सह-अभियुक्तों की मदद करते दिखाई दिया। वहीं, अनुकल्प मिश्र 56 बार अन्य सह-अभियुक्तों को चढ़ावे की रकम हटाने में सहयोग करते सीसीटीवी में दिखाई दिया।

• सीडीआर में लगातार संपर्क, षड्यंत्र का आरोप

सीडीआर के विश्लेषण में संबंधित अवधि के दौरान अभियुक्तों के बीच लगातार संपर्क पाए जाने का दावा किया गया है। चार्जशीट में सीसीटीवी, डिजिटल, मौखिक और परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर आपसी समन्वय और आपराधिक षड्यंत्र के साक्ष्य मिलने की बात कही गई है। पुलिस ने आरोप लगाया है कि अभियुक्तों ने सुविचारित और सुनियोजित तरीके से गणना कक्ष से चढ़ावे की रकम की चोरी और आपराधिक न्यासभंग किया। हालांकि, ये अभियोजन के आरोप हैं और अंतिम निर्धारण अदालत में साक्ष्यों के परीक्षण के बाद होगा।

यूपी चुनाव से पहले बढ़ी हलचल: पीएम मोदी से सीएम योगी ने की मुलाकात

बैठक के सियासी मायनों पर टिकी नजरें

एजेंसी
नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले सूबे के सियासत में अभी से गर्मी बढ़ती नजर आ रही है। इस बीच यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पीएम आवास पर मुलाकात की।

विधानसभा चुनाव के मद्देनजर योगी आदित्यनाथ का दिल्ली दौरा और शीर्ष नेतृत्व से उनकी मुलाकात को राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। दिल्ली दौरे पर सीएम योगी आज भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से भी मुलाकात करेंगे। सियासी गलियारों में पीएम मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मुलाकात को आगामी चुनाव की तैयारियों और पार्टी की रणनीति के संदर्भ में देखा जा रहा है। योगी आदित्यनाथ की दिल्ली यात्रा ने उत्तर प्रदेश की राजनीति में चर्चाओं को भी तेज कर दिया है। शीर्ष नेतृत्व के साथ उनकी बैठक को लेकर कई तरह के राजनीतिक कयास लगाए जा रहे हैं। हालांकि, मुलाकात के एजेंडे को लेकर विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है।

पालमपुर :महिला को 7 दिन रखा डिजिटल अरेस्ट 15 लाख ठगे

पालमपुर (एजेंसी)। उपमंडल की एक महिला साइबर ठगी का शिकार हो गई है, जहां शातिरों ने उसे सात दिनों तक डिजिटल अरेस्ट में रखकर 15 लाख रुपये ऐंठ लिए। ठगों ने महिला को उसके बैंक खातों के दुरुपयोग और मनी लॉन्ड्रिंग में संलिप्तता का डर दिखाकर यह बड़ी रकम हड़पी। पीड़िता की शिकायत पर साइबर पुलिस थाना धर्मशाला में जीरो एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। जानकारी के अनुसार, पीड़िता को 18 सितंबर को दो अलग-अलग नंबरों से फोन आए। कॉल करने वालों ने खुद को दिल्ली के दरियागंज पुलिस स्टेशन का अधिकारी बताया। उन्होंने महिला पर यह कहकर दबाव बनाया कि उसके बैंक खातों का इस्तेमाल गैरकानूनी गतिविधियों और मनी लॉन्ड्रिंग के लिए किया गया है। जांच के नाम पर, शातिरों ने महिला को लगातार अपनी निगरानी में रखा और उसे किसी भी परिजन या परिचित से संपर्क न करने की कड़ी हिदायत दी। गिरफ्तारी और कानूनी कार्रवाई के गंभीर डर से, महिला ने शातिरों द्वारा उपलब्ध कराए गए एक बैंक खाता संख्या और आईएफएससी कोड पर नेफ्ट के माध्यम से 15 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए। रकम ट्रांसफर होने के बाद जब महिला को अपनी ठगी का अहसास हुआ, तो उसने तुरंत साइबर थाना धर्मशाला पहुंचकर अपनी आपबीती सुनाई। पुलिस अब मामले की गहनता से जांच कर रही है।

बिहार में चलती तीर्थयात्री बस में भीषण आग, बाल-बाल बचे 60 यात्री

खगड़िया (एजेंसी)। बिहार के खगड़िया जिले में अहले सुबह एक बड़ा हादसा टल गया जब मानसी थाना क्षेत्र में एनएच-31 पर नेपाल से गया जा रही तीर्थयात्रियों से भरी एक बस में अचानक आग लग गई। बस में सवार करीब 60 यात्रियों को समय रहते सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। देखते ही देखते पूरी बस जलकर खाक हो गई। मिली जानकारी के अनुसार यह घटना अनिल होटल के सामने एनएच-31 पर हुई। बस में सवार सभी यात्री गया में पिंडदान करने जा रहे थे। यात्रियों ने बताया कि पहले बस के एक टायर से धुआं निकलता दिखाई दिया, जो तेजी से बस के अंदर फैलने लगा। खतरे को भांपते हुए यात्रियों ने तुरंत बस से नीचे उतरना शुरू कर दिया। सभी के उतरने के कुछ ही देर बाद बस में भीषण आग लग गई, जिसने कुछ ही समय में पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया। आग इतनी तेजी से फैली कि बस पूरी तरह जलकर राख हो गई। यात्रियों की त्वरित प्रतिक्रिया और सूझबूझ के कारण सभी लोग सुरक्षित बच गए। इस घटना से मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आग लगने का प्रारंभिक कारण टायर से निकला धुआं बताया जा रहा है। स्थानीय पुलिस को सूचना दे दी गई है।

130 की गति से दौड़ रही दुरंतों एक्सप्रेस पर पथराव, 3 कोच के शीशे टूटे

वाराणसी (एजेंसी)। नागपुर(ईएमएस)। देश की प्रमुख ट्रेनों में शुमार दुरंतो सुपरफास्ट एक्सप्रेस पर पथराव की एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। नागपुर से मुंबई जा रही यह ट्रेन शुक्रवार की रात को 130 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ रही थी, तभी अचानक उस पर पत्थरों से हमला किया गया। इस घटना से ट्रेन में सवार यात्री दहशत में आ गए और तीन कोच के शीशे टूट गए। इससे पहले भी देश के विभिन्न हिस्सों में प्रीमियम ट्रेनों, जिनमें वंदे भारत सेमी हाई-स्पीड ट्रेन भी शामिल है, पर ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं, बावजूद इसके कि रेलवे इन्हें रोकने के लिए लगातार प्रयास करता रहता है। घटना शुक्रवार रात लगभग 8ः27 बजे नागपुर-मुंबई दुरंतो एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 12290) के बोरखेड़ी और सिंदी के बीच सफर के दौरान हुई। अज्ञात व्यक्तियों ने चलती ट्रेन को निशाना बनाकर पत्थर फेंके, जिसके परिणामस्वरूप ट्रेन के ए-1, बी-2 और बी-5 कोच की खिड़कियों के कांच चटक गए। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, इस घटना में एक यात्री को मामूली चोट भी आई है। पथराव की सूचना मिलते ही ट्रेन को वर्धा स्टेशन पर करीब आधे घंटे के लिए रोका गया, जहां रेलवे और संबंधित अधिकारियों ने गहन जांच पड़ताल की।

डीएमके पर विजय का हमला : आलोचनाएं बेअसर, सवाल जारी रखूंगा

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) प्रमुख सी.जोसेफ विजय ने कहा है कि विपक्ष, खासकर द्रमुक की आलोचनाएं उन पर बेअसर हैं और वे द्रमुक के पुराने रिकॉर्ड पर लगातार सवाल उठता रहूंगा। यह

बात उन्होंने मदुरांतकम विधानसभा उपचुनाव के लिए अपनी पार्टी के उम्मीदवार मरगतम कुमारवेल के प्रचार के दौरान कही। विजय ने द्रमुक की रणनीति पर निशाना साधा, जिसमें उनकी आलोचनाओं को पुराना बताकर खारिज किया जाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि द्रमुक मानती है कि युवा पीढ़ी 50 साल पुराने भ्रष्टाचार के मामलों से अनजान है, जिससे वह अपनी बेदाग छवि बनाए रखने में सफल रही है। विजय ने कहा, जब वे पुराने मामले उठाते हैं,तब द्रमुक घटिया और मानहानिकारक हमले करती है। अपनी 'मोटी चमड़ी' का जिक्र कर विजय ने कहा कि राजनीति में आने से पहले उन्होंने 30-35 साल तक बहुत कुछ देखा है, इसलिए ये हमले उनके लिए नए नहीं हैं। उन्होंने कहा कि वे इससे भी ज़्यादा की उम्मीद करते हैं।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी: चार्जशीट में सीसीटीवी से लेकर बैंक खातों तक का ब्योरा; 700 खाते खंगाले

85 बार रकम ले जाते दिखा अविनाश, चैट में कैश के बंडलों का जिक्र

अयोध्या, एजेंसी।
राम मंदिर में श्रद्धालुओं की ओर से चढ़ाई गई रकम की कथित चोरी की जांच में पुलिस की चार्जशीट ने मामले की परतें और खोल दी हैं। जांच के मुताबिक, गणना कक्ष में चढ़ावे की रकम से छेड़छाड़ का सिलसिला एक-दो बार नहीं, बल्कि कई मौकों पर हुआ। सीसीटीवी फुटेज के विश्लेषण में अविनाश शुक्ला उर्फ शनि 85 बार रकम चोरी करते दिखाई दिया। इतना ही नहीं, चार बार वह दूसरे आरोपियों को चोरी में सहयोग करते भी नजर आया।

चार्जशीट में पुलिस ने केवल कैमरों के फुटेज को आधार नहीं बनाया है। मोबाइल डाटा, टेक्स्ट चैट, कॉल डिटेल रिकॉर्ड यानी सीडीआर और बैंक खातों के लेनदेन को भी जांच का हिस्सा बनाया गया है। पुलिस के अनुसार, करीब 700 बैंक खातों को खंगाला गया। इनमें ट्रस्टियों, कर्मचारियों, गणना कर्मियों, आरोपियों और संदिग्धों के खातों के साथ ट्रस्ट के बैंक खाते भी शामिल रहे। इसी जांच में पुलिस ने दर्ज किया कि चंपत राय के नाम कोई निजी बैंक खाता नहीं मिला।

फुटेज में दर्ज गतिविधियां

चार्जशीट का सबसे बड़ा हिस्सा सीसीटीवी फुटेज से जुड़ा है। पुलिस ने अलग-अलग तारीखों और घटनाओं के फुटेज का विश्लेषण कर आरोपियों की गतिविधियों का ब्योरा तैयार किया है। पुलिस के मुताबिक, अविनाश शुक्ला उर्फ शनि 85 बार चढ़ावे की रकम हटाते या चोरी करते दिखाई दिया। चार बार वह दूसरे आरोपियों को चोरी में सहयोग करता भी नजर आया। करुणेश पांडेय के बारे में चार्जशीट में कहा गया है कि वह दो बार रकम चोरी करते और 68 बार सह-अभियुक्तों की मदद करते दिखाई दिया। मनीष कुमार यादव पर 16 बार चढ़ावे की रकम अपने पास रखने और 19 बार दूसरे आरोपियों का सहयोग करने का आरोप है। लवकुश मिश्रा एक बार रकम चोरी करते और 52 बार अन्य आरोपियों की मदद करते दिखाई दिए। रमाशंकर मिश्र के बारे में एक बार रकम हटाकर अपने पास रखने का उल्लेख है। सबसे अधिक सहयोग करने वालों में अनुकल्प मिश्रा का नाम भी सामने आता है। पुलिस के अनुसार, वह 56 बार अन्य आरोपियों को चढ़ावे की रकम हटाने में सहयोग करते सीसीटीवी में दिखाई दिया।

जुलाई के आखिरी सप्ताह का फुटेज भी अहम चार्जशीट में 25 से 30 जुलाई 2026 के सीसीटीवी फुटेज का भी उल्लेख है। पुलिस के अनुसार, इस दौरान सुभाष श्रीवास्तव की मौजूदगी में गणना कक्ष में चढ़ावे की रकम की गिनती चल रही थी। इसी दौरान अविनाश शुक्ला उर्फ शनि रकम हटाकर अपने पास रखते दिखाई दिया। जांच एजेंसी ने इस फुटेज को इसलिए महत्वपूर्ण माना है क्योंकि यह रकम की गिनती की प्रक्रिया के दौरान कथित तौर पर हुई गतिविधियों से जुड़ा है। यानी पुलिस ने चोरी के आरोप को केवल रकम के हिसाब-किताब में अंतर से नहीं, बल्कि कैमरे में रिकॉर्ड हुई गतिविधियों से जोडने् की कोशिश की है।

मोबाइल चैट में 'कैश के बंडल' की बातचीत जांच का दूसरा अहम सिरा मोबाइल फोन से मिला डिजिटल डाटा है। चार्जशीट के मुताबिक, अनुकल्प मिश्रा के मोबाइल से अविनाश शुक्ला और लवकुश मिश्रा के साथ चढ़ावे की रकम को लेकर टेक्स्ट संदेश मिले। पुलिस के अनुसार, इन चैट में कैश के बंडलों को रखने, छिपाने, अदला-बदली करने और इधर-उधर ले जाने से संबंधित बातचीत का उल्लेख है। जांच में इन संदेशों को सीसीटीवी फुटेज और दूसरे साक्ष्यों के साथ जोडक़र देखा गया। इसके अलावा आरोपियों के बीच लगातार संपर्क को लेकर सीडीआर का विश्लेषण भी किया गया। पुलिस ने चार्जशीट में दावा किया है कि संबंधित अवधि में आरोपियों के बीच लगातार संपर्क था। सीसीटीवी, डिजिटल, मौखिक और परिस्थितिजन्य साक्ष्यों को मिलाकर पुलिस ने आपसी समन्वय और आपराधिक षड्यंत्र के साक्ष्य मिलने की बात कही है।

700 खातों में रकम का रास्ता तलाशा

जांच का दायरा केवल गणना कक्ष तक नहीं रहा। पुलिस ने करीब 700 बैंक खातों के लेनदेन की पड़ताल की। मकसद यह पता लगाना था कि संदिग्ध रकम कहीं बैंकिंग चैनल के जरिए आरोपियों या उनसे जुड़े लोगों तक पहुंची या नहीं। ट्रस्टियों, कर्मचारियों, गणना कर्मियों और संदिग्धों के खातों की जांच के साथ ट्रस्ट के बैंक खातों को भी देखा गया। डॉ. अनिल मिश्रा और गोपाल राव के खातों के लेनदेन को भी अन्य आरोपियों और संदिग्धों के खातों से मिलाकर जांचे जाने का उल्लेख है। इसी प्रक्रिया में चार्जशीट में यह तथ्य दर्ज किया गया कि चंपत राय के नाम कोई निजी बैंक खाता नहीं मिला। हालांकि, किसी व्यक्ति के नाम निजी बैंक खाता नहीं मिलना अपने आप में किसी आपराधिक आरोप की पुष्टि या खंडन नहीं करता। इस तथ्य का महत्व मामले के अन्य साक्ष्यों और न्यायिक परीक्षण के संदर्भ में ही तय होगा।

अगर गठबंधन नहीं करना है तो न करें, हम क्या किसी से भीख मांग रहे हैं?

-इकरा हसन के बयान पर कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने किया पलटवार

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूपी विधानसभा चुनाव से पहले गठबंधन पर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच घमासान शुरु हो गया है। इसी कड़ी में कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने सपा सांसद इकरा हसन के बयान पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि अगर गठबंधन नहीं करना है तो न करें। हम अपने काम पर लगे हैं। सांसद मसूद ने कहा कि

न करें गठबंधन, कौन कह रहा है? हम क्या किसी से भीख मांग रहे हैं? जिसको जो करना है, वह करे। जब बारात चढ़ती है, तो बहुत सारे ढोल बजाने वाले भी होते हैं, नाचने-गाने वाले भी होते हैं। इन नाचने-गाने वालों को नाचने-गाने दीजिए। हम अपने काम पर लगे हुए हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सपा विधायक शिवपाल यादव के बयान पर मसूद ने कहा कि यह उनकी सोच हो सकती है, कांग्रेस अपने काम पर लगी है। शिवपाल जो बात कह रहे हैं, वह पार्टी के अंदर ही अप्रासंगिक हो गए हैं। वह अपने नेता से यह बात अगर वह कहेंगे, तब तो उसके ऊपर कोई मायने होंगे, इसके अलावा कोई मायने नहीं हैं। मसूद ने कहा कि बहुत सारे लोग बहुत सारी बातें बोलते रहते हैं, इससे फर्क नहीं पड़ता है। बता दें इससे पहले शिवपाल सिंह यादव ने एक बयान में कहा था कि कांग्रेस को वोट नहीं मिलना है। रिपोर्ट के मुताबिक समाजवादी पार्टी के सांसद रमाशंकर राजभर ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस के कुछ नेताओं के बयानों से इंडिया गठबंधन आहत होता है। उन्होंने कहा कि बीजेपी को लाभ देने वाले बयान कांग्रेस की ओर से आते रहे हैं। सपा और कांग्रेस का गठबंधन राहुल गांधी और अखिलेश यादव तय करेंगे, लेकिन जो कांग्रेस पार्टी के नेताओं के बेतुके बयान आ रहे हैं, यह केवल दबाव बनाने के लिए हैं। कांग्रेस यूपी-बिहार में कितना पानी में है, यह जगजाहिर है।

मणिपुर और नागालैंड के बड़े हिस्सों को अशांत क्षेत्र घोषित किया

नई दिल्ली , एजेंसी।
केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पूर्वोत्तर के दो राज्यों, मणिपुर और नागालैंड के कई क्षेत्रों को आर्म्ड फोर्सेज (स्पेशल पावर्स) एक्ट, 1958 (एएफएसपीए) के तहत अगले छह महीनों के लिए अशांत क्षेत्र घोषित किया है। मंत्रालय ने शुक्रवार को इस संबंध में एक आधिकारिक अधिसूचना जारी की। यह घोषणा 1 अक्टूबर, 2026 से प्रभावी होगी और अगले छह महीनों के लिए लागू रहेगी, जब तक कि इसे तय समय से पहले वापस नहीं लिया जाता।

अधिसूचना के अनुसार, मणिपुर के पूरे क्षेत्र को अशांत घोषित किया गया है, सिवाय पांच जिलों के तेरह पुलिस थाना क्षेत्रों के। इन अपवादों में राजधानी इंफाल के साथ-साथ लांफेल, सिटी, सिंगजामेई, पटसोई, वांगोई, पोरोमपत, हेइंगांग, इरिलबुंग, थौबल, बिष्णुपुर, नांबोल और काकचिंग पुलिस थाना क्षेत्र शामिल हैं। इन क्षेत्रों को अफस्पा के दायरे से बाहर रखा गया है। नागालैंड के संदर्भ में, गृह मंत्रालय ने नौ पूर्ण जिलों को अशांत क्षेत्र घोषित किया है। इनमें दीमापुर, निउलैंड, चुमौकेदिमा, मोन, किफिरे, नोकलक, फेक, पेरेन और मेलुरी जिले शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, पांच अन्य जिलों के इक्कीस पुलिस थाना क्षेत्रों को भी अफस्पा के दायरे में लाया गया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा जारी राजपत्र अधिसूचना में कहा गया है कि यह घोषणा अफस्पा की धारा तीन के तहत की गई है। नागालैंड में कानून-व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा के बाद यह कदम उठाया गया है। यह घोषणा मार्च 2026 में जारी पूर्व अधिसूचना का विस्तार है, जिसके तहत 1 अप्रैल, 2026 से छह महीनों के लिए इन क्षेत्रों को अशांत घोषित किया गया था। जिन पुलिस थाना क्षेत्रों को अशांत घोषित किया गया है, वे इस प्रकार हैं: कोहिमा जिले में खुजामा, कोहिमा नॉर्थ, कोहिमा साउथ, जुब्जा और केजोक्हा पुलिस थाना क्षेत्र।मोकोकचुंग जिले में मंगकोलेंबा, मोकोकचुंग-द्ध, लोंगथो, तुली, लोंगचेम और अनाकी 'सी' पुलिस थाना क्षेत्र।

एससी-एसटी सांसदों को मिले संसद में बोलने का ज्यादा समय

केंद्रीय मंत्री मांझी ने ओम बिरला को लिखा खत

नई दिल्ली, एजेंसी।
केंद्रीय मंत्री और हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) के सुप्रीमो जीतन राम मांझी ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को पत्र लिखकर संसद में अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के सांसदों को बोलने का पर्याप्त समय नहीं मिलने का मुद्दा उठाया है। केंद्रीय मंत्री मांझी ने स्पीकर से इस मामले में तत्काल आवश्यक कदम उठाने की अपील की है, ताकि इन समुदायों के सांसदों को अपनी बात रखने का पूरा मौका मिले।

16 सितंबर को अपने पत्र में केंद्रीय मंत्री मांझी ने अपने आवास पर हुई एनडीए सांसदों की बैठक का हवाला दिया। उनके अनुसार, इसी बैठक में मध्य प्रदेश की खरगोन लोकसभा सीट से भाजपा सांसद गजेंद्र सिंह पटेल ने पहली बार यह चिंता जाहिर की थी। सांसद पटेल ने बाद में इस बात की पुष्टि की कि यह बात केवल उन्होंने ही नहीं उठाई थी, बल्कि बैठक में मौजूद कई अन्य सांसदों ने भी इस तरह की चिंता साझा की थी। हालांकि, उन्होंने इस एक अनौपचारिक चर्चा बताया। पटेल ने जोर दिया कि सांसदों को सदन में अपनी बात रखने का मौका कभी मिलता है तब कभी नहीं, और सभी सदस्य अपनी बात रखने के लिए ज्यादा समय मिलने की इच्छा रखते हैं। केंद्रीय मंत्री मांझी ने पत्र में कहा कि एनडीए सांसदों की बैठकें हर तीन महीने में आयोजित की जाती हैं, ताकि सांसदों को अपनी समस्याएं और सुझाव रखने के लिए एक मंच मिल सके। 5 अगस्त की बैठक में, खासकर एससी और एसटी समुदायों से पहली बार चुने गए कई सांसदों ने यह मुद्दा उठाया था। मांझी ने संसद में सभी सांसदों के लिए अपनी बात रखने के समान अधिकार पर जोर देकर स्पीकर से इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर उचित कदम उठाने का आग्रह किया है।

केंद्रीय मंत्री मांझी हाल के दिनों में एससी और एसटी आरक्षण के भीतर उप-वर्गीकरण और क्रीमी लेयर के मुद्दे पर अपने मुखर रुख को लेकर भी चर्चा में रहे हैं। मांझी और उनके बेटे संतोष कुमार सुमन ने एससी समुदायों के भीतर उन वर्गों तक आरक्षण का लाभ पहुंचाने के लिए उप-वर्गीकरण की आवश्यकता पर जोर दिया है, जिन्हें अब तक इसका कम फायदा मिलने का दावा होता है। इस बहस में मुसहर और भुइयां जैसे समुदायों का विशेष रूप से जिक्र हुआ है। हालांकि, एनडीए के सहयोगी और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने एससी/एसटी आरक्षण में उप-वर्गीकरण और क्रीमी लेयर के मुद्दे पर अलग राय रखी है।

प्रशांत किशोर को झटका, प्रत्याशी बनने के बाद भूषण झा ने पार्टी से दिया इस्तीफा

झा ने निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनावी मैदान में उतरने की घोषणा की

पटना, एजेंसी।
बिहार विधान परिषद चुनाव की घोषणा के ठीक बाद चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी को एक बड़ा झटका लगा है। तिरहुत शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से प्रत्याशी घोषित किए जाने के महज 24 घंटे के अंदर प्रमुख शिक्षक नेता भूषण झा ने पार्टी से अपना नाता तोड़ लिया है। जन सुराज पार्टी छोड़ने का ऐलान करते हुए झा ने अब निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनावी मैदान में उतरने की घोषणा कर दी है।

यह घटनाक्रम मुजफ्फरपुर में हुई एक समीक्षा बैठक के बाद सामने आया, जिसमें झा ने अपने और अपने समर्थक शिक्षकों के साथ किए गए व्यवहार को लेकर आरोप लगाए। झा के हटने के बाद, जन सुराज पार्टी अब शनिवार को तिरहुत शिक्षक सीट के लिए नए उम्मीदवार की घोषणा करने वाली है। जन सुराज पार्टी छोड़ने के अपने फैसले की घोषणा करते हुए, झा ने आरोप लगाया कि जब वे अपनी बात रख रहे थे, तो उनका समर्थन करने वाले शिक्षकों को समीक्षा बैठक की रिकॉर्डिंग करने से रोका गया।

उन्होंने दावा किया कि उन पर पार्टी द्वारा तय की गई बातों के मुताबिक बोलने का दबाव डाला जा रहा था। झा ने कहा कि उन्हें यह बात आपत्तिजनक लगी और साथी शिक्षकों के सुझावों के बाद, उन्होंने जन सुराज पार्टी छोड़ने और निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ने का फैसला किया। यह बैठक 25 सितंबर को मुजफ्फरपुर के माड़ीपुर स्थित एक होटल में हुई, जिसमें प्रशांत किशोर भी मौजूद थे। बैठक के बाद ही झा ने पार्टी छोड़ने और निर्दलीय चुनाव लड़ने की घोषणा की। उन्होंने बैठक में अपने और अपने समर्थक शिक्षकों के साथ किए गए व्यवहार को लेकर कई आरोप भी लगाए।

बता दें जन सुराज पार्टी ने गुरुवार को बिहार विधान परिषद की आठ सीटों में से तीन के लिए उम्मीदवारों की घोषणा की थी। इन सीटों के लिए चुनाव 23 अक्टूबर को होने हैं, जबकि वोटों की गिनती 27 अक्टूबर को होगी। पार्टी ने बाकी पांच सीटों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा पहले ही 20 सितंबर को कर दी थी।

मतदाता पंजीकरण में आयोग का बड़ा बदलाव, दीपके ने उठाया देरी पर सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारत निर्वाचन आयोग ने मतदाता पंजीकरण प्रक्रिया को और अधिक समावेशी बनाने के लिए महत्वपूर्ण पहल की है। इस नए अभियान के तहत, कोई भी व्यक्ति जिसका नाम मतदाता सूची में नहीं है, या जो वर्ष की पहली जनवरी, अप्रैल, जुलाई या अक्टूबर को 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुका है, वह मतदाता सूची के नियमित संशोधन का इंतजार किए बिना अपना पंजीकरण करा सकता है। यह कदम उन लाखों युवाओं और छूट गए मतदाताओं के लिए एक बड़ा मौका माना जा रहा है जो पहले लंबी प्रक्रिया के कारण इंतजार करते थे।

हालांकि, चुनाव आयोग के फैसले पर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके ने सवाल उठाया है। दीपके ने पोस्ट साझा कर चुनाव आयोग से पूछा,......अब तक क्यों नहीं किया था? उन्होंने आयोग पर दबाव में आकर निर्णय लेने का आरोप लगाया है। दीपके ने इसके पहले भी मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की थी और इस्तीफा न होने पर मुंबई में प्रदर्शन की धमकी भी दी थी। उनकी इस एक्स पोस्ट पर कई समर्थकों ने ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को दोहराया है।

रिपोर्ट के अनुसार, चुनाव आयोग के अधिकारियों ने इस पहल को मतदाता सूचियों को नियमित रूप से अपडेट करने की तय प्रक्रिया का हिस्सा बताया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत निर्वाचन आयोग के साथ मतदाता के रूप में पंजीकरण के लिए व्यक्ति का भारतीय नागरिक होना, निर्धारित तिथि पर 18 वर्ष की आयु पूरी कर लेना, संबंधित निर्वाचन क्षेत्र या मतदान क्षेत्र का सामान्य निवासी होना और मतदाता बनने के लिए अयोग्य घोषित न होना आवश्यक है। आयोग का कहना है कि इस कदम से अधिक से अधिक योग्य नागरिक बिना किसी बाधा के लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा बन सकेंगे।

महाराष्ट्र के 265 तालुक सूखा घोषित, 75 फीसदी में अब सूखे जैसे हालात

सीएम देवेंद्र फडणवीस सूखे से निपटने के कई उपायों की घोषणा की

मुंबई, एजेंसी।
महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने सूखे से प्रभावित किसानों और नागरिकों के लिए बड़ा फैसला लिया है। राज्य के 358 तालुकों में से 265 में सूखा घोषित किया है, जिन 265 तालुकों में ट्रिगर-1 के मानक पूरे हुए हैं, उन्हें सूखा-प्रभावित घोषित किया है। इससे पता चलता है कि राज्य के करीब 75 फीसदी तालुकों में अब सूखे जैसे हालात हैं। इसके अलावा सीएम ने सूखे से निपटने के कई उपायों की घोषणा की है। इसके तहत लैंड रेवेन्यू में छूट, फसल लोन का रीस्ट्रक्चर, खेती से जुड़े लोन की रिकवरी पर रोक, खेती के पंपों के मौजूदा बिजली बिल में छूट, स्कूल-कॉलेज के छात्रों की परीक्षा शुल्क में छूट, एम्प्लॉयमेंट गारंटी स्कीम के तहत नियमों में ढील देकर काम शुरू किए जाएंगे। इसके अलावा जहां भी जरूरी होगा वहां पीने के टैंकर पहुंचाए जाएंगे। किसानों के खेती के पंपों का बिजली कनेक्शन नहीं काटा जाएगा, खेती पर निर्भर किसानों-खेती मजदूरों को अनाज मिलेगा, जानवरों के लिए चारा, बड़े पैमाने पर पानी बचाने का काम भी किया जाएगा। पिछले आदेश के मुताबिक पेयजल और जानवरों के लिए पानी की प्लानिंग जारी रहेगी। सभी डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर को पंचनामा प्रक्रिया तुरंत पूरा करने के आदेश दिए हैं। इसके साथ ही फसलों की हालत दिखाने वाली तस्वीरें और जीपीएस से डेटा इकट्ठा करने के आदेश जारी किए हैं।

इसके पहले 24 सितंबर वाशिम दौरे पर पहुंचे देवेंद्र फडणवीस ने घोषणा की थी कि राज्य सरकार जल्द ही प्रभावित इलाकों में गंभीर सूखा घोषित करने के लिए एक सरकारी आदेश जारी करेगी। साथ ही खेती-किसानी के बढ़ते संकट से जूझ रहे राज्य में उन सभी पात्र किसानों को फसल कर्ज माफी का लाभ दिया जाएगा, जो पिछली योजनाओं में छूट गए थे। सीएम ने गांव में किसानों को संबोधित करते हुए लोगों को भरोसा दिलाया था कि सरकारी तंत्र ग्रामीण राहत कार्यों को प्राथमिकता देगा। सीएम ने कहा था कि आर्थिक मदद के अलावा, राज्य प्रशासन पीने के पानी की बिना रुकावट सप्लाई सुनिश्चित करने, मवेशियों के लिए चारा बांटने और फसल के नुकसान का आकलन तेजी से करने के लिए आपातकालीन उपाय कर रहा है।

आग की लपटों में घिरी अबला का जीवन खो देना त्रासदी

मुजफ्फरनगर। मुजफ्फरनगर में अपर जिला एवं सत्र न्यायालय/फास्ट ट्रैक कोर्ट संख्या-3 के पीठासीन अधिकारी रवि कुमार दिवाकर ने लिखा कि कुछ अपराध ऐसे होते हैं, जिनकी गंभीरता को केवल कानूनी धाराओं और साक्ष्य की भाषा में पूरी तरह व्यक्त करना कठिन होता है। जीवित अबला महिला का आग की लपटों में घिरना, सहायता के लिए संघर्ष करना और अंतत जीवन खो देना ऐसी मानवीय त्रासदी है जो अपराध के परिणाम से कहीं अधिक व्यापक पीड़ा को दर्शाती है। अदालत ने 77 पेज के फैसले में लिखा कि जनता से पूछना चाहते हैं कि यह आग कब बुझेगी। कब तक अबला महिलाओं को जलाकर मारा जाता रहेगा और पूरा सिस्टम सिर्फ वादकारी का हित सर्वोपरि में सिर्फ अभियुक्त का ही हित और अधिकार देखेगा। स्वयं को बचाने की असहायता इस अपराध को साधारण हत्या से कहीं अधिक जघन्य बनाती है। यह कृत्य न केवल पीड़िता के जीवन और गरिमा पर आघात है, बल्कि वैवाहिक विश्वास एवं उस सामाजिक संस्था के प्रति भी गंभीर आघात है, जिसमें पति-पत्नी एक-दूसरे की सुरक्षा और सहारे के लिए अपेक्षित होते हैं। पीड़िता की असहाय स्थिति और समाज पर उसके प्रभाव को समग्रता में देखते हुए यह न्यायालय इस निष्कर्ष पर पहुंचता है कि यह मामला अति-दुर्लभतम में दुर्लभ श्रेणी में आता है। हत्या का यह तरीका अत्यंत निर्मम एवं पाश्विक है। यदि दंड देते समय ऐसे सिद्धदोष के प्रति सहानुभूति दर्शित की जाएगी तो यह भविष्य में इस बात की मिसाल बन जाएगा कि कोई भी विवाहित पति अपनी पत्नी को जिन्दा जलाकर मार दे और न्यायालय उसके साथ सहानुभूति प्रदर्शित करे। इसलिए प्रश्नगत प्रकरण में सिद्धदोष नदीम को मृत्युदंड दिया जाना ही एकमात्र विकल्प है। अदालत ने फैसले में खुदा की ओर से बाबा आदम को बनाने और अजाजील की कहानी भी लिखी। उदास बाबा आदम की बाईं पसली से नारी के जन्म को बयान किया, जिसका नाम हव्वा रखा गया। गेहूं का दाना खाने के कारण आदम-हव्वा को खुदा ने पृथ्वी पर भेज दिया। दोनों पति-पत्नी एक-दूसरे से प्यार करते थे। मुसीबत सहते हुए धरती पर रहे। इस्लामी मान्यता के अनुसार जो व्यक्ति अपनी पत्नी की हत्या करेगा वह दोजख में भेजा जाएगा। पति-पत्नी का संबंध प्यार-मोहब्बत पर आधारित होता है। लैला-मंजनू और शीरी-फरहाद के प्यार-मोहब्बत के किस्सों का उल्लेख किया जाना आवश्यक है। प्रेम संबंधों के संबंध में यह बताते हैं कि प्रेम अर्थात् मोहब्बत में किसी की जान ली नहीं जाती है, ऐसा होता है प्रेम का संबंध अथवा पति-पत्नी का संबंध। मुस्लिम समाज में निकाह नामक संस्था का बड़ा महत्व है। हजरत मोहम्मद साहब का कथन है कि निकाह मेरी सुन्नत है। जो लोग जीवन के इस ढंग को नहीं अपनाते हैं वह मेरे अनुयायी नहीं हैं। निकाह को पुण्य कार्य माना गया है। मुस्लिम विधि की प्रसिद्ध पुस्तक रघुल मोहतार में यह कहा गया है कि बाबा आदम के समय से आज तक हम लोगों के लिए रखा गया और जन्नत में भी होने वाला कोई ऐसा इबादत का कार्य नहीं है, सिवाय निकाह और इमान के। निवाड़ा गांव की शहजादी की शाहपुर में हत्या के बाद से उसका बेटा शादान ननिहाल में ही रह रहा है। सोमवार को अदालत के फैसले के बाद वादी पिता दिलशाद ने कहा कि बेटी के साथ मारपीट की गई थी। हम अदालत के फैसले से संतुष्ट है। जैसा हमारी बेटी के साथ किया गया, वैसा सजा ही नदीम को मिलनी चाहिए। दोषी को फांसी लगनी चाहिए। वारदात के बाद उन्हें शहजादी के ससुरालियों ने जानकारी नहीं दी थी, किसी तरह पड़ोसियों से मामले की जानकारी मिली। नदीम को फांसी की सजा के बाद उसके भाई नईम ने कहा कि वह फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट जाएंगे। प्रकरण में नदीम पांच साल जेल में रहा और वर्तमान में जमानत पर चल रहा था। कपड़े की फेरी लगाकर वह गुजारा करता था। 26 अगस्त को उसे दोबारा हिरासत में लिया गया। हम अदालत के फैसले से संतुष्ट नहीं है। अपर जिला एवं सत्र न्यायालय/फास्ट ट्रैक कोर्ट संख्या-3 के पीठासीन अधिकारी रवि कुमार दिवाकर ने पत्नी को जिंदा जलाने वाले नदीम को फांसी की सजा सुनाई। एक लाख रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। वादी पिता समेत तथ्य के अन्य गवाहों के पक्षद्रोही हो जाने के बावजूद मजिस्ट्रेट को मृत्यु पूर्व दिया गया बयान सजा का आधार बना। न्यायालय ने फैसले में लिखा कि अबला नारी को जिंदा जलाने वाला सहानुभूति का हकदार नहीं है, उसे मृत्युदंड दिया जाना ही उचित है। अदालत ने सवाल उठाया कि यह आग कब बुझेगी। कस्बा शाहपुर में आठ साल पहले घरेलू विवाद में शहजादी (23) को मिट्टी का तेल डालकर जिंदा जला दिया गया था। बागपत के निवाड़ा निवासी दिलशाद ने अपनी पुत्री शहजादी का निकाह 10 जनवरी 2015 को शाहपुर की नई आबादी निवासी नदीम के साथ किया था। दंपती के घर में बेटे शादान का जन्म हुआ। 23 जुलाई 2018 को रात 8:30 बजे विवाहिता के साथ मारपीट कर उसके ऊपर मिट्टी का तेल छिड़ककर आग लगा दी गई थी। बेगराजपुर मेडिकल कॉलेज और आनंद हॉस्पिटल मेरठ में उपचार कराया गया। गंभीर हालत के कारण दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान 28 जुलाई 2018 को उसकी मृत्यु हो गई थी। शहजादी का शरीर करीब 98 प्रतिशत तक जल चुका था। मौत की वजह जलना और सेप्टिक शॉक पाया गया था। वादी दिलशाद ने प्राथमिकी में दहेज के लिए प्रताड़ित करने, बाइक और एक लाख रुपये की मांग का आरोप लगाते हुए शहजादी के पति नदीम, सास शमशीदा और ननद सोनी को नामजद किया था। पुलिस ने जांच के बाद दहेज हत्या के अलावा वैकल्पिक तौर पर हत्या की धारा में अदालत में तीनों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया था। आरोपी सास की ट्रायल के दौरान मौत हो गई थी। सह-अभियुक्त ननद सोनी को साक्ष्य के अभाव में पिछले महीने 26 अगस्त बरी कर दिया गया था। पति पर दोष सिद्ध हुआ था। अभियुक्त पर प्रकरण में दहेज हत्या का मामला खारिज हो गया लेकिन साशय हत्या (धारा 302) सिद्ध हुआ। अदालत ने सोमवार को सजा के प्रश्न पर सुनवाई करते हुए दोषी नदीम को मृत्युदंड की सजा सुनाई। अभियोजन पक्ष ने कुल 11 गवाह पेश किए। 24 जुलाई 2018 को शाम 05:35 बजे सफदरजंग अस्पताल के बर्न विभाग के आईसीयू में भर्ती शहजादी का बयान दर्ज करने तत्कालीन कार्यपालक मजिस्ट्रेट/तहसीलदार (हौज खास सब-डिवीजन, दिल्ली) अशोक कुमार पहुंचे। पीड़िता ने बताया कि उसकी शादी तीन साल पहले नदीम से हुई थी।

ग्रेच्युटी नहीं दी तो नियोक्ता की संपत्ति कुर्क कर होगी वसूली

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में ग्रेच्युटी को लेकर नियोक्ताओं की जवाबदेही तय की गई है। सक्षम या अपीलीय प्राधिकारी द्वारा राशि तय किए जाने और नियोक्ता को नोटिस मिलने के 30 दिन के भीतर ग्रेच्युटी की राशि का भुगतान करना होगा। ऐसा नहीं होने पर कर्मचारी सक्षम प्राधिकारी के समक्ष वसूली प्रमाणपत्र जारी करने के लिए आवेदन कर सकेगा। इसके बाद नियोक्ता की चल अचल संपत्ति कुर्क कर उसे बेचने के माध्यम से बकाया रकम वसूल की जा सकेगी। उत्तर प्रदेश सामाजिक सुरक्षा संहिता नियमावली-2026 में ग्रेच्युटी के भुगतान से लेकर उसकी वसूली तक की प्रक्रिया स्पष्ट की गई है। इसके तहत ग्रेच्युटी के नामांकन में भी नियोक्ता की जिम्मेदारी निर्धारित की गई है। कर्मचारी नामांकित व्यक्ति अथवा कानूनी वारिस और उसके हिस्से का उल्लेख कर सकेगा। ङ्कद्धड्डह्लह्य जलभराव के विरोध में पानी में उतरीं पूजा शुक्ला, घरों पर लगाए 'विधायक लापता है' के पोस्टर नियोक्ता नामांकन का सत्यापन कर उसे रिकॉर्ड में दर्ज करेगा और कर्मचारी को प्रमाणित प्रति देगा। परिवार की स्थिति बदलने पर संशोधित या नया नामांकन किया जा सकेगा। नियमावली में कर्मचारी बीमा न्यायालय या सक्षम प्राधिकारी से राहत मिलने के बावजूद भुगतान न होने की स्थिति में मूल बकाया के साथ ब्याज और वसूली लागत मांगने का भी प्रावधान है।

मां के हाथ से बेटे को झपट ले गया तेंदुआ, कंसीला की चीख सुनकर दौड़े गांववाले

बहराइच। यूपी के बहराइच में सोमवार रात मां के साथ हैंडपंप पर पानी भरने गए राजवीर (09) पर तेंदुए ने झपट्टा मारा। पलभर में आदमखोर मां के हाथ से बच्चे को झपटकर भाग निकला। शोर मचाने पर ग्रामीण दौड़े तो तेंदुआ बालक को छोड़कर भाग गया। लेकिन, तब तक उसके गले पर गहरे घाव से उसकी सांसें टूट चुकी थीं। बेटे की मौत से परिवार में मातम पसरा हुआ है। बताया गया कि करीब पांच साल पहले पेड़ से गिरकर पति की मौत हो गई थी। तब से पत्नी कंसीला मजदूरी करके पांच बच्चों को पाल रही थी। आंखों के सामने बेटे ने दम तोड़ा तो कंसीला टूट गई। राजवीर पांच भाई-बहनों में तीसरे नंबर का था। वह सरकारी स्कूल में कक्षा तीन का छात्र था। घटना के बाद बिलखती मां कंसीला ने बताया कि वह बेटे का हाथ पकड़कर हैंडपंप पर पानी भरने जा रही थी। इसी दौरान तेंदुआ आया और राजवीर को झपटकर ले गया। उसने शोर मचाया तो आसपास के लोग दौड़े। ग्रामीणों के पहुंचने पर तेंदुआ बालक को छोड़कर भाग गया। लेकिन, तब तक देर हो चुकी थी। राजवीर के जाने से परिवार में अब मां के साथ काजल (14), नंदनी (11), आर्यन (7) और पांच वर्षीय सबसे छोटी बहन रह गई है। पति को खोने के बाद बच्चों के सहारे जिंदगी काट रही कंसीला से अब उसका एक बेटा भी छिन गया। आर्थिक तंगी के बीच वह बच्चों के भविष्य को संवारने में जुटी थी। राजवीर भी पढ़-लिखकर कुछ बनने का सपना देख रहा था। लेकिन, तेंदुए के हमले ने परिवार की उम्मीदों को हमेशा के लिए खत्म कर दिया।

रोडवेज संविदा चालक का हाईवोल्टेज ड्रामा, मोबाइल टावर पर चढ़ा

अलीगढ़। रोडवेज में संविदा चालक के रूप में तैनात राजू सैनी मंगलवार को क्वार्सी चौराहा स्थित एक मोबाइल टावर पर चढ़ गया। उसने रोडवेज अधिकारियों पर खुद के उत्पीड़न का आरोप लगाया है। करीब 6 घंटे बाद प्रशासन ने राजू सैनी को मोबाइल टावर से नीचे उतारा और बातचीत के लिए पुलिस क्वार्सी थाने ले गई। रोडवेज के क्षेत्रीय प्रबंधक सत्येंद्र कुमार वर्मा और सीओ सिविल लाइन सर्वम सिंह के आश्वासन के बाद राजू सैनी टावर से नीचे उतारा गया। राजू सैनी रावण टीला क्षेत्र के निवासी बताए गए हैं। वह मंगलवार सुबह करीब 10 बजे मोबाइल टावर पर चढ़े। सूचना मिलते ही मौके पर इलाका पुलिस पहुंच गई। फायर ब्रिगेड की टीम भी मौके पर मौजूद है। आसपास स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम राजू सैनी को टावर से नीचे उतारने का प्रयास कर रही है। मोबाइल टावर पर चढ़े रोडवेज संविदा चालक ने ऊपर ही एक बैनर लगा रखा है, जिस पर कॉकरोच जनता पार्टी की तर्ज पर ड्राइवर जनता पार्टी यानी डीजेपी बनाने की बात कही है। चालक वीडियो में डीजेपी के साथ आने के लिए ड्राइवरों से कह रहा है। बैनर में लिखा है कि डीजेपी ड्राइवर जनता पार्टी ... ड्राइवरों पर हो रहे अत्याचार, अब नहीं सहेंगे अपनी सरकार... चाहे शहीद होना पड़े में तट पर तैयार हूं... बीजेपी पार्टी हमेशा रहे। बैनर पर पीएम नरेंद्र मोदी और यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ के फोटो लगे हैं।

रोहिणी कोर्ट में भगवान श्री गणेश की प्रतिमा को विसर्जन के स्थान पर सम्मानपूर्वक भक्त को भेंट

नई दिल्ली (न्यूज़ वार्ता)= गणेश विसर्जन के 11वें वार्षिकोत्सव का आयोजन श्रद्धा, भक्ति, सामाजिक सद्भाव और पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ किया गया। पिछले ग्यारह वर्षों से निरंतर चली आ रही इस अनूठी परंपरा के अंतर्गत भगवान श्री गणेश की प्रतिमाओं को पारंपरिक रूप से विसर्जित करने के स्थान पर श्रद्धालुओं को सम्मानपूर्वक भेंट किया जाता है। इसी पर्यावरण-अनुकूल एवं श्रद्धापूर्ण परंपरा के अंतर्गत इस वर्ष साकेत कोर्ट की अधिवक्ता सीरत भट को भगवान श्री गणेश की प्रतिमा भेंट की गई। अधिवक्ता सीरत भट ने इस अनूठी एवं पर्यावरण-अनुकूल परंपरा के बारे में जानकारी मिलने के बाद ज्यूडिशियल काउंसिल के चेयरमैन एवं लॉयर्स फेडरेशन के अध्यक्ष श्री राजीव अग्निहोत्री से अनुरोध किया था कि इस वर्ष भगवान श्री गणेश की प्रतिमा उन्हें भेंट की जाए। अपनी भावना व्यक्त करते हुए अधिवक्ता सीरत भट ने कहा कि जब उन्हें इस विशेष परंपरा के बारे में जानकारी मिली कि भगवान श्री गणेश की प्रतिमा का पारंपरिक विसर्जन करने के बजाय श्रद्धा और सम्मान के साथ उसे भक्त को भेंट किया जाता है, तो वह इस पहल से अत्यंत प्रभावित हुईं। उन्होंने इच्छा व्यक्त की कि इस वर्ष भगवान श्री गणेश की प्रतिमा प्राप्त करने का सौभाग्य उन्हें मिले। उनके अनुरोध पर अधिवक्ता सुरेंद्र त्यागी के साथ विचार-विमर्श किया गया। चर्चा के उपरांत अधिवक्ता सीरत भट का नाम इस वर्ष भगवान श्री गणेश की प्रतिमा भेंट किए जाने के लिए स्वीकृत किया गया। इस अवसर पर उपस्थित अधिवक्ताओं ने कहा कि यह पहल धार्मिक आस्था को पर्यावरण संरक्षण के साथ जोड़ने का सुंदर प्रयास है। भारतीय संस्कृति में भगवान श्री गणेश को बुद्धि, विवेक, शुभारंभ, समृद्धि और मंगल के प्रतीक के रूप में पूजा जाता है। ऐसे में गणेश चतुर्थी जैसे पवित्र पर्व को पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी के साथ मनाना समाज के लिए सकारात्मक और प्रेरणादायक संदेश प्रस्तुत करता है। ज्यूडिशियल काउंसिल के चेयरमैन एवं लॉयर्स फेडरेशन के अध्यक्ष श्री राजीव अग्निहोत्री ने कहा कि पिछले ग्यारह वर्षों से इस परंपरा को निरंतर आगे बढ़ाने का उद्देश्य धार्मिक आस्था के साथ-साथ पर्यावरण के प्रति सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करना है। भगवान श्री गणेश की प्रतिमा को विसर्जन के स्थान पर सम्मानपूर्वक भक्त को भेंट करने

की यह पहल श्रद्धा और प्रकृति संरक्षण के बीच संतुलन का संदेश देती है। उन्होंने कहा कि गणेश चतुर्थी केवल धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि आपसी भाईचारे, सद्भाव और सामाजिक एकता का भी पर्व है। इस अवसर पर समाज के प्रत्येक वर्ग को पर्यावरण की रक्षा के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझने और आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं सुरक्षित पर्यावरण सुनिश्चित करने का संदेश दिया गया। अधिवक्ता सुरेंद्र त्यागी ने आगामी वर्ष श्री गणेश की प्रतिमा जिसे श्रद्धापूर्वक भेंट की जाएगी, उसके नाम की घोषणा की। उन्होंने कहा कि भगवान श्री गणेश की प्रतिमा को विसर्जन के स्थान पर भक्त को भेंट करने की परंपरा केवल धार्मिक भावना का सम्मान नहीं करती, बल्कि पर्यावरण संरक्षण के प्रति समाज में जागरूकता पैदा करने का भी माध्यम है। इस परंपरा को आने वाले वर्षों में और अधिक व्यापक रूप देने का प्रयास किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान भगवान श्री गणेश से सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि, स्वास्थ्य, सफलता और सद्भाव की कामना की गई। उपस्थित अधिवक्ताओं ने ग्यारह वर्षों से चली आ रही इस परंपरा को बहुत सराहा तथा एडवोकेट कपिल कौशिक के मुताबिक वकीलों द्वारा यह कदम इतिहास में अपना नाम दर्ज करा चूका है । कार्यक्रम में बहुत ब?ी संख्या में लोग मौजूद रहे इनमे कुछ के नाम इस प्रकार है अधिवक्ता बबीता अहलावत, , कमलेश कुमार, सी.पी. गुसाईं , हामिद अली विवेक वर्मा , राधा रानी , एन के शर्मा कार्यक्रम का समापन भगवान श्री गणेश के आशीर्वाद, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक सद्भाव और अधिवक्ता समुदाय की एकजुटता के संदेश के साथ हुआ।

इवेंट मैनेजर का अपहरण कर पीटने का आरोप

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में हुसैनगंज क्षेत्र के उदयगंज निवासी इवेंट मैनेजर मोहम्मद जुनैद ने छह लोगों पर उनका अपहरण करके पीटने का आरोप लगाया है। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। मोहम्मद जुनैद के मुताबिक, 22 सितंबर को दोपहर 12 बजे फरहान खान ने उन्हें कॉल करके उनकी लोकेशन पूछी। उन्होंने जब चारबाग रेलवे स्टेशन के पास खुद के मौजूद होने की बात कही तो फरहान ने उन्हें वहीं रुकने को कहा। कुछ देर बाद एक एसयूवी उनके सामने आकर रुकी, जिसमें फरहान, उसके साथी डाबर, तन्ना व तीन अन्य सवार थे। आरोपियों ने उन्हें जबरन अपनी एसयूवी में बैठा लिया। पीड़ित का आरोप है कि कुछ दूर आगे बढ़ने पर डाबर ने उनका गला दबा दिया। वहीं अन्य आरोपी उन्हें पीटने लगे।

PUBLIC NOTICE
I Jyoti pal W/O Sunil Kumar R/O WZ-125, Village Begumpur, North West Delhi , -110086.declare that name of mine has been wrongly written as Jyoti in my minor Daughter Yashika aged 14 years in her school cords and birth certificate no MCDOLR09368299 .The actual my name is Jyoti Pal.

NAME CHANGE
I, Sushma D/O Shambu Prasad Dharmana W/O Vinod Kumar R/O B-6 Police Colony Mandir Marg New Delhi 110001 Have changed my name to Sushma Badola for all future purposes.

NAME CHANGE
I Swaran Kaur Sawhney W/o Prith Pal Singh R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Changed My Name to Swaran Kaur for all purpose.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Rahul Vishwakarma S/o H.P. Vishvakarma R/o J-4, Ground Floor Gandhi Market, Mir Dard Road, Minto Road, Indraprastha, Central Delhi, Delhi-110002 declare that name of mine has been wrongly written as Rahul Kumar Vishvakarma in my minor daughter namely Anika Vishvakarma aged 5 years in his School Records. The actual name of mine is Rahul Vishwakarma.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that 1 INDU CHAUHAN W/O NARENDER SINGH CHAUHAN R/O N-129/1, T-HUTS, KHILONA BAGH DIST NORTH WEST DELHI-110009 declare that name of mine has been wrongly written as INDU KANWAR in my minor son namely HARSH VARDHAN SINGH CHAUHAN aged 13 years in his school record and birth certificate No. MCDOLIR - 2211-005020356. The actual name of mine is INDU CHAUHAN which may be amended accordingly

PUBLIC NOTICE
It is for general information that CHANDER VEER S/O RAM JI LAL R/O Q-157 Vikas Vihar Uttam Nagar West Delhi Delhi-110059 declare that name of mine has been wrongly written as CHANDER PAL in my minor daughter namely KIRTI aged 15 years in her birth certificate No.MCDOLIR-0110-004425168. The actual name of mine is CHANDER VEER which may be amended accordingly

NAME CHANGE
I, DEEPAK KUMAR VERMA S/O PARTAP SINGH resident of H.No.16, Tara Nagar Main Kakrola Road, Kakrola, South West Delhi, Delhi-110078 have changed the name of my minor daughter SHREYA ALIAS SHREYA VERMA aged 13 years, and she shall hereafter be known as SHREYA VERMA.

NAME CHANGE
I hitherto known as SAMEERA SINGH D/O SUDHIR KUMAR SINGH residing at Flat No.E-1058, River Heights, Raj Nagar, Extension, Tower-15, Ghaziabad, U.P.-201001, have changed my name and shall hereafter be known as SAMEERA SINGH AMETHIA.

NAME CHANGE
I Jugal Kishor S/o Lila Dhar R/o H.No-196 S/F, Kh.No-619/21, Chattar Pur, South Delhi, Delhi-110074 have changed the name of my minor daughter namely Krishna Devi aged 16 years and she shall hereafter be known as Priya.

NAME CHANGE
I hitherto known as Farman S/o Akeel Ahmed R/o B 272/27, Gali No 4, Subhash Mohalla North Ghonda, Garhi Mendu, Bhajan Pura, North East, Delhi-110053 have changed my name and shall hereafter be known as Farman Ahmed.

NAME CHANGE
I hitherto known as Atif S/o Manzoor Khan R/o 1/99-C, 4F/F, Gali No-5, Guru Harkrishan School Wali Gali, Kabir Nagar, Gokal Pur, North East Delhi, Delhi-110094 have changed my name and shall hereafter be known as Atif Khan.

NAME CHANGE
I hitherto known as Aakash S/o Makan Singh Rawat R/o 2087/5, Gali No.20, Prem Nagar Patel Nagar, Patel Nagar S.O, Central Delhi, Delhi-110008 have changed my name and shall hereafter be known as Akash Rawat.

NAME CHANGE
I hitherto known as Sanam Kumari W/o Samarjeet Gupta R/o E-400-D, Block-E, Ashok Nagar, Vasundhra Enclave, East Delhi, Delhi, Delhi-110096 have changed my name and shall hereafter be known as Sonam Sav.

NAME CHANGE
I hitherto known as Laxman Yadav alias Bhavikshan Yadav S/O Bechan Yadav R/O Gram Debra, Post Bela, Thana Babubarhi, Ward No-02, Bela, PO Bela, Dist Madhubani, Bihar-847224 have changed my name and shall hereafter be known as Bhavikshna Yadav.

NAME CHANGE
I, ABDUL TAWWAB S/O Shri Abdul Rehman Resident of House No. C-16, Abhimanyu Gali, Near Babu Ram Chowk, Arjun Mohalla, Moujpur, Delhi-110053 have changed my name ABDUL TAUWAB to ABDUL TAWWAB for all future purposes.

NAME CHANGE
I, SIDDHARATH RANA S/O BHAGWAN RANA residing at H NO-1074, SIRASPUR, DELHI-110042 have changed my name to SIDDHARTH RANA for all future purpose.

NAME CHANGE
I Kapil Kumar Yadav S/o Dinesh Yadav R/o House No-523 P, Sector-14,Gurgaon,Haryana-122001, Have Changed My Name To Kapil Yadav For All Purpose

NAME CHANGE
I, Pradeep Kumar S/o Prem Chand R/o D-754/A, Gali No.1, Ashok Nagar, Shahdara, Delhi-110093 have changed the name of my minor son from Arjun to Arjun Vaidwan.

NAME CHANGE
I, Anupama D/o Pradeep Kumar R/o D-754/A, Gali No.1, Ashok Nagar, Shahdara, Delhi-110093 have changed my name to Anupama Chaudhary.

NAME CHANGE
I, VINOD KUMAR S/O UDAY SINGH residing at FLAT NO-G-3/8, NEAR DDA WATER TANK, SECTOR-4, ROHINI, DELHI-110085 have changed my name to VINOD KUMAR KUSHWAHA for all future purpose.

NAME CHANGE
I Manoj Ram S/o Ram Bilash Ram R/o Flat No-6, Tower-8,Hamelia Street,IRIS,Vatika City, Sector-49, Gurgaon, Haryana-122018, Have Changed My Name To Manoj Kumar For All Purpose

NAME CHANGE
I Taran Preet Singh Kochhar S/o Manpreet Singh Kochhar R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Change My Given Name Taranpreet Singh and Surname Kochhar for all purpose.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, BALJEET SINGH S/o GURCHARAN SINGH R/o 12/32, Geeta Colony, East Delhi-110031 declare that name of mine, my wife and my minor daughter has been wrongly written as BALJEET SINGH CHUGH, GURPREET KAUR CHUGH, JASLEEN KAUR CHUGH in my minor daughter JASLEEN KAUR aged 16 years in her 10th class Educational Documents. The actual name of mine, my wife and my minor daughter are BALJEET SINGH, GURPREET KAUR and JASLEEN KAUR respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

सार्वजनिक सूचना
यह सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री विकास हंस एवं श्रीमती पूनम हंस संयुक्त रूप से ऊपरी भूतल (pper Ground Floor), जिसे आगे उक्त तल कहा जाएगा, जो कि संपत्ति संख्या 2/12, खसरा संख्या 12/8, 9, क्षेत्रफल 58.52 वर्ग मीटर अर्थात 70 वर्ग गज, स्थित गली नं. 1, न्यू लायलपुर कॉलोनी की आबादी, ग्राम खुरेजी खास, इलाका शाहदरा, दिल्ली-110051, में निर्मित है, को श्री अश्वनी कुमार से खरीदने का इरादा रखते हैं, उक्त संपत्ति के संबंध में प्रारंभ में श्री वेद प्रकाश पुत्र पं. हंस राज स्वामी थे, जिनके पक्ष में उक्त संपत्ति से संबंधित दस्तावेज संख्या 5203, अतिरिक्त पुस्तक संख्या-I, वॉल्यूम संख्या-343, पृष्ठ संख्या 113 से 116 पर दिनांक 28.11.1957 को पंजीकृत हुआ था (SRO-Delhi), तत्पश्चात, दिनांक 02.12.1985 को सामान्य मुख्तारनामा, विक्रय अनुबंध एवं वसीयतनामा श्रीमती दया वंती के पक्ष में निष्पादित किए गए, इसके पश्चात, दिनांक 28.04.1997 को मुख्तारनामा, विक्रय अनुबंध एवं वसीयतनामा मिस चंचल कुमारी, श्री सुरेश कुमार सचदेवा एवं श्री रमेश कुमार सचदेवा के पक्ष में निष्पादित किए गए, तत्पश्चात, दिनांक 25.05.1999 को पंजीकृत मुख्तारनामा, विक्रय अनुबंध एवं वसीयतनामा श्री नरेश कुमार पुत्र श्री किशन लाल के पक्ष में निष्पादित किए गए, इसके पश्चात, दिनांक 22.07.1999 को पंजीकृत मुख्तारनामा, विक्रय अनुबंध एवं वसीयतनामा श्रीमती गीता भाटिया के पक्ष में निष्पादित किए गए, तत्पश्चात, दिनांक 29.01.2000 को पंजीकृत मुख्तारनामा, विक्रय अनुबंध एवं वसीयतनामा श्री सेवा राम पुत्र स्वर्गीय श्री किशन चंद के पक्ष में निष्पादित किए गए, दुर्भाग्यवश, उक्त श्री सेवा राम का दिनांक 25.11.2003 को बिना वसीयत के निधन हो गया तथा उनके पीछे निम्नलिखित कानूनी वारिस रह गए= श्रीमती कृष्णा पाहवा (पुत्री), श्रीमती सत्य सेठी (पुत्री), श्रीमती बलवंत रानी दुआ (पुत्री), श्रीमती चंदर नागपाल (पुत्री), श्रीमती मीनू, श्रीमती पुष्पांजलि (पुत्री), श्रीमती ममता (पुत्री) तथा श्रीमती भगवंती देवी (पत्नी), तत्पश्चात, उक्त सभी पुत्रियों अर्थात श्रीमती कृष्णा पाहवा, श्रीमती सत्य सेठी, श्रीमती बलवंत रानी दुआ, श्रीमती चंदर नागपाल, श्रीमती मीनू, श्रीमती पुष्पांजलि एवं श्रीमती ममता द्वारा दिनांक 11.03.2005 को श्रीमती भगवंती देवी के पक्ष में त्यागपत्र/हक-त्याग विलेख निष्पादित किया गया, जो दस्तावेज संख्या 2664, पुस्तक संख्या-I, वॉल्यूम संख्या-1621, पृष्ठ संख्या 48 से 50 पर दिनांक 11.03.2005 को विधिवत पंजीकृत हुआ (SRO-VIII), तत्पश्चात, दिनांक 15.04.2005 को श्रीमती सुधेश रानी पत्नी श्री केवल किशोर के पक्ष में विक्रय विलेख निष्पादित किया गया, जो दस्तावेज संख्या 4398, पुस्तक संख्या-I, वॉल्यूम संख्या-1681, पृष्ठ संख्या 177 से 181 पर दिनांक 15.04.2005 को पंजीकृत हुआ (SRO-VIII), दुर्भाग्यवश, उक्त श्रीमती सुधेश रानी का दिनांक 09.05.2006 को बिना वसीयत के निधन हो गया तथा उनके पति श्री केवल किशोर का उनसे पूर्व दिनांक 22.03.2006 को निधन हो चुका था। उनके पीछे निम्नलिखित कानूनी वारिस रह गए= श्री जितेंद्र कुमार (पुत्र), श्रीमती मीना पाठक (पुत्री), श्रीमती संध्या (पुत्री) एवं श्री अश्वनी कुमार (पुत्र), तत्पश्चात, श्री जितेंद्र कुमार, श्रीमती मीना पाठक एवं श्रीमती संध्या द्वारा श्री अश्वनी कुमार के पक्ष में दिनांक 17.02.2016 को त्यागपत्र/हक-त्याग विलेख निष्पादित किया गया, जो दस्तावेज संख्या 922, पुस्तक संख्या-I, वॉल्यूम संख्या-8363, पृष्ठ संख्या 152 से 156 पर दिनांक 23.02.2016 को विधिवत पंजीकृत हुआ (SRO-VIII), वर्तमान में श्री अश्वनी कुमार उक्त संपत्ति के शांतिपूर्ण एवं वास्तविक भौतिक कब्जे में हैं, मेरे द्वारा परीक्षण हेतु प्रस्तुत किए गए दस्तावेजों तथा मुझे उपलब्ध कराई गई जानकारी के आधार पर, उपर्युक्त संपत्ति प्रथम दृष्टया सभी प्रकार के भारों, दायित्वों, ग्रहणाधिकार, प्रभारों, बंधकों, कुर्कियों, अधिग्रहण, वाद-विवाद/मुकदमेबाजी तथा किसी भी तृतीय-पक्ष के दावों से मुक्त प्रतीत होती है, उक्त संपत्ति की प्रस्तावित खरीद हेतु वित्तीय सहायता RBL Bank Limited, Branch – Building No. 1, First Floor, Modi Mill Compound, Okhla Industrial Estate, New Delhi द्वारा प्रदान की जानी है। यदि किसी व्यक्ति/व्यक्तियों को उक्त संपत्ति के संबंध में किसी प्रकार की आपत्ति, दावा, अधिकार, हित या अन्य कोई शिकायत हो, तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत कर सकता/सकती है। उक्त आपत्ति अधोहस्ताक्षरी को नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से तथा ई-मेल द्वारा भेजी जा सकती है, sds निर्धारित अवधि के भीतर कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर, उक्त संपत्ति के संबंध में उपर्युक्त किसी भी दावे/आपत्ति को निरस्त एवं शून्य माना जाएगा तथा उसके पश्चात किसी भी व्यक्ति द्वारा किए गए दावे के संबंध में प्रस्तावित लेन-देन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल= kumarw®wvashwani@gmail.com

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा
धारा 82 Cr. P.C./84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता देखिए
मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **ललित गिरधर** पुत्र अर्जुन गिरधर निवासी मकान नं. जी–96, राम पार्क एक्सटेंशन, लोनी, गाजियाबाद (उ.प्र.) ने प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 206/2019 धारा 420/34 भा.द.स., थाना जनकपुरी, नई दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **ललित गिरधर** मिल नहीं रहा है, और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **ललित गिरधर** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इसके खिलाफ माननीय अदालत द्वारा धारा 82 Cr.P.C./84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की कार्यवाही जारी हो चुकी है। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 206/2019 धारा 420/34 भा.द.स., थाना जनकपुरी, नई दिल्ली के उक्त अभियुक्त **ललित गिरधर** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **04.11.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।
आदेशानुसारः श्री हरजोत सिंह ओजला,
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–11, (दक्षिण–पश्चिम),
कक्ष संख्या 05,
द्वारका न्यायालय, दिल्ली
DP/13692/WD/2026

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा
धारा 82 Cr.P.C. / 84 BNSS देखिए
मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **हरिंदर उर्फ हनी, पुत्रः श्री कृष्ण पाल सिंह, पताः म.नं. 32/33, कुशल विहार, डीएलएफ, अंकुर विहार, सीसीएस फार्म, लोनी, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश** ने **FIR No. 004877/25, U/s 305(b)/317(2)/3(5) भारतीय न्याय संहिता–2023, पुलिस थाना जहांगीर पुरी, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **हरिंदर उर्फ हनी** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **हरिंदर उर्फ हनी** फरार हो गया है (या उक्त वारंट कि तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।
इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 004877/25, U/s 305(b)/317(2)/3(5) भारतीय न्याय संहिता–2023, पुलिस थाना जहांगीर पुरी, दिल्ली** के अभियुक्त **हरिंदर उर्फ हनी** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **28.10.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।
आदेशानुसार – श्री साहिल गुप्ता
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–07
उत्तर जिला, रोहिणी कोर्ट, दिल्ली
DP/13655/NW/2026

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा
(धारा 82(2) (ii) Cr.P.C./84 BNSS देखिए)
मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त नाम **आमिर खान पुत्र गबरूद्दीन निवासी मकान नं. 171, ईदगाह के पास, महाराजपुर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश** ने एफआईआर सं. **350/2025, अंतर्गत धारा 21/25/29 एनडीपीएस एक्ट, दिनांक 03.12.2025, थाना क्राइम ब्रांच, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **आमिर खान** मिल नहीं रहा/रही है, और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **आमिर खान** फरार हो गए/गई है (या उक्त वारंट कि तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा/रही है) इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि एफआईआर सं. **350/2025, अंतर्गत धारा 21/25/29 एनडीपीएस एक्ट, दिनांक 03.12.2025, थाना क्राइम ब्रांच, दिल्ली** की उक्त अभियुक्त **आमिर खान** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **30.10.2026** को **प्रातः 10:00 बजे** को या उससे पहले हाजिर हों।
आदेश से
श्री विनीत कुमार
विशेष न्यायाधीश, एनडीपीएस
कमरा नं. 11, कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली
DP/13640/CRIME/2026
(Court Matter)

NAME CHANGE
I, S VANITHA W/o No. 14838283N Rank-HAV/MT Name-RAMESH P R/o VILL-SEDRAMPUTTU, PO-SEDRAMPUTTU, TEH-POLUR, DIST-THRUVANNAMALAI, TAMIL NADU-632315, have changed my name from S VANITHA to VANITHA R for all future purposes vide Affidavit dated 15/07/2025 before Notary Public, Kupwara.

NAME CHANGE
I, SH AUTAR SINGH Father of JC-413677X Rank-SUB MAJ Name-BHAGAT SINGH presently residing at VILL-BILTIYA SUKOLI TALLI, PO-DHAUNTIYAL, DIST-PAURI GARHWAL, UTTARAKHAND-246155 have changed my name from SH AUTAR SINGH to AVTAR SINGH for all future purposes vide affidavit dated 12/03/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, BALJEET SINGH S/o GURCHARAN SINGH R/o 12/32, Geeta Colony, East Delhi-110031 declare that name of mine, my wife and my minor daughter has been wrongly written as BALJEET SINGH CHUGH, GURPREET KAUR CHUGH, JASLEEN KAUR CHUGH in my minor daughter JASLEEN KAUR aged 16 years in her 10th class Educational Documents. The actual name of mine, my wife and my minor daughter are BALJEET SINGH, GURPREET KAUR and JASLEEN KAUR respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, Kulsum w/o Rozuddin R/o B-17, Gali No.3A, Near Mohalla Dilshad Masjid, Old Mustafabad, Delhi-110094, have changed my name to Kulsoom for all future purposes.

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

हर जरूरतमंद महिला और बच्चे तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता : मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

महिला एवं किशोरी सम्मान योजना के तहत पात्र लाभार्थियों को मिलें सैनिटरी पैड

एजेंसी
चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश में किराये के भवनों में संचालित आंगनवाड़ी केंद्रों को प्राथमिकता के आधार पर अपने भवन उपलब्ध करवाने की दिशा में तेजी से कार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि आंगनवाड़ी भवनों का निर्माण शीघ्र करवाया जाए। इसके लिए सरकारी भूमि, विद्यालयों में उपलब्ध भूमि तथा अन्य उपयुक्त स्थानों को चिन्हित कर आंगनवाड़ी केंद्रों के निर्माण की संभावनाएं तलाशें। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी चंडीगढ़ में महिला एवं बाल विकास विभाग से संबंधित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रुति चौधरी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरुण कुमार गुप्ता, महिला एवं बाल विकास की निदेशक डॉ. प्रियंका सोनी, मुख्यमंत्री के उप प्रधान सचिव अजय कुमार सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

किराये के भवनों में चल रहे आंगनवाड़ी केंद्रों को प्राथमिकता मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन आंगनवाड़ी केंद्रों का संचालन किराये के भवनों में हो रहा है, उनके लिए भवन निर्माण को प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने कहा कि सरकारी जमीन के साथ-साथ विद्यालय परिसरों में उपलब्ध भूमि तथा ऐसी धर्मशालाओं की भी पहचान की जाए, जहां आंगनवाड़ी केंद्र संचालित किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि संबंधित अधिकारी और जनप्रतिनिधि आंगनवाड़ी भवनों के निर्माण के लिए उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करें।मुख्यमंत्री ने महिला एवं किशोरी सम्मान योजना की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि पात्र बीपीएल महिलाओं एवं किशोरियों को गुणवत्तापूर्ण सैनिटरी पैड निःशुल्क उपलब्ध करवाए जाएं। उन्होंने लाभार्थियों का उचित पंजीकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, जिसमें उनका पूरा नाम, फोन नंबर तथा आवश्यक विवरण दर्ज किया जाए और वितरण का उचित रिकॉर्ड रखा जाए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में जन औषधि केंद्रों तथा संबंधित वितरण केंद्रों के माध्यम से स्कूलों में भी इन उत्पादों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। शहरी क्षेत्रों में भी जन औषधि केंद्रों और स्कूलों के माध्यम से सैनिटरी पैड उपलब्ध करवाने की व्यवस्था की जाए। उन्होंने आवश्यकतानुसार डिस्पेंसिंग मशीनें लगाने के निर्देश देते हुए कहा कि महिलाओं एवं किशोरियों को उपलब्ध करवाए जाने वाले सभी उत्पाद गुणवत्ता के मानकों पर खरे होने चाहिए।

शिकायतों का तत्परता से किया जा रहा है समाधान- डीसी अभिषेक मीणा

एजेंसी
रेवाड़ी। डीसी अभिषेक मीणा ने कहा है कि रेवाड़ी जिला में समाधान शिविर, सीएम विंडो, जनसंवाद आदि कार्यक्रमों में आने वाली शिकायतों का तत्परता से निपटारा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि समाधान होने के बाद शिकायतकर्ता से उसकी संतुष्टि भी जानी जाती है। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी प्रदेश के उपायुक्तों के साथ जन शिकायत पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों की समीक्षा की। वीसी में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने निर्देश दिए कि जो भी शिकायत इस जिला प्रशासन के पास लंबित है, उसकी जल्दी एक्शन टेकन रिपोर्ट भिजवाई जाए। डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि सरकार के निर्देश अनुसार जन शिकायतों का गंभीरता के साथ निराकरण किया जा रहा है। राजस्व विभाग से संबंधित एक शिकायत के बारे में डीसी अभिषेक मीणा ने कहा कि इस मामले में इंतकाल हो चुका है। वीडियो कांफ्रेंस के दौरान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सभी विभागों की लंबित शिकायतों को लेकर उनकी रिपोर्ट ली तथा अधिकारियों को दिशा-निर्देश जारी किए।

ग्राम सभाओं के आयोजन में रेवाड़ी जिला अव्वल, मुख्य सचिव ने की जिला प्रशासन की सराहना

रेवाड़ी। जिला रेवाड़ी के गांवों में हरियाणा सरकार के निर्देश अनुसार 250 से अधिक ग्राम सभाओं का आयोजन किया जा चुका है। जल्दी ही शेष गांवों में भी ग्राम सभाओं का आयोजन कर सामाजिक अंकेक्षण का कार्य पूरा किया जाएगा। हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी के साथ हुई वीडियो कांफ्रेंस में आज डीसी अभिषेक मीणा ने यह जानकारी दी। बीसी में एडीसी राहुल मोदी भी मौजूद रहे।मुख्य सचिव ने जिला प्रशासन की सराहना करते हुए कहा कि अभी तक जिला रेवाड़ी में सबसे अधिक ग्राम सभाओं का आयोजन किया गया है। डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि ग्रामवासियों को सभा आयोजित करने के लिए उन्हें प्रेरित किया गया। इन सभाओं में अंत्योदय परिवारों की वास्तविक स्थिति सहित अन्य मुद्दों को लेकर विचार-विमर्श किया गया। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने कहा कि सरकार का प्रयास है कि योग्य पात्रों को ही सरकार की योजनाओं का लाभ मिलना चाहिए। इसी के दृष्टिगत ग्राम सभाएं आयोजित की जा रही हैं। शीघ्र ही शहरी क्षेत्रों में भी इस प्रकार की सभाओं का आयोजन किया जाएगा।

जिला स्तरीय योगासन प्रतियोगिता 29 सितंबर को नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्टेडियम में

पलवल। जिला खेल अधिकारी खुशवंत सिंह ने बताया कि खेल विभाग, पलवल द्वारा गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी जिला स्तरीय योगासन प्रतियोगिता का आयोजन 29 सितंबर 2026 को नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्टेडियम, पलवल में किया जाएगा। प्रतियोगिता में लड़के एवं लड़कियां तीन आयु वर्गों में भाग ले सकेंगे। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में सब-जूनियर वर्ग में 9 से 14 वर्ष, जूनियर वर्ग में 15 से 18 वर्ष तथा सीनियर वर्ग में 19 से 28 वर्ष आयु के प्रतिभागी शामिल होंगे। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को नकद पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। जिला खेल अधिकारी ने बताया कि प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को अपने साथ जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड की प्रति, स्थाई निवासी प्रमाण पत्र तथा बैंक पासबुक की प्रति अनिवार्य रूप से लानी होगी। उन्होंने बताया कि सभी खिलाड़ी 29 सितंबर 2026 को प्रातः 9 बजे नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्टेडियम, पलवल में रिपोर्ट करें।

सभी स्टेक होल्डर्स 'नया सफर' (परिवर्तन) योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाएं : सचिव आरटीए

पलवल। जिला परिवहन अधिकारी एवं सचिव क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण जितेन्द्र कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के माध्यम से दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में वायु प्रदूषण कम करने और स्वच्छ परिवहन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ऐतिहासिक 'नया सफर' (परिवर्तन) योजना शुरू की गई है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य पुराने और प्रदूषण फैलाने वाले बीएस-4 ट्रकों और बसों को हटाकर बीएस-6, सीएनजी या इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) से बदलना है, जिससे ट्रक और बस मालिकों को लाभ होगा। उन्होंने 'नया सफर' (परिवर्तन) योजना के तहत स्टेक होल्डर्स से योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया। सचिव क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण जितेन्द्र कुमार ने योजना के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि इस योजना का वित्तपोषण आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र योजना बोर्ड (एनसीआरपीबी) द्वारा और कार्यान्वयन सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय और पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा किया जा रहा है। हरियाणा सरकार की ओर से 'नया सफर' (परिवर्तन) योजना के तहत टैक्स छूट, ब्याज सबवेंशन, फ्यूल वाउचर और रजिस्ट्रेशन शुल्क माफी जैसे बड़े प्रोत्साहन दिए जाएंगे।

पाकिस्तान कश्मीर भूलकर पीओके लौटाने पर विचार करे, तभी वहां आएगा सुख-चैनः अनिल विज

एजेंसी
चंडीगढ़ । हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रममंत्री अनिल विज ने कहा कि पाकिस्तान को अब कश्मरी भूलकर अपनी कब्जे वाले कश्मीर के हिस्से यानि पीओके को वापिस करने पर विचार करना चाहिए क्योंकि जब तक पाकिस्तान कश्मीर-कश्मीर बोलता रहेगा तब तक वहां पर सुख-चैन नहीं आएगा। इसके अलावा, विज ने पानी के मुद्दे पर कहा कि भारत का पानी भारत के खेतों के लिए है। वहीं, विज ने विपक्ष पर हमला करते हुए कहा कि लगातार हार से कांग्रेस बौखलाई हुई है। विज आज मीडिया कर्मियों के सवालों का जवाब दे रहे थे। पत्रकारों द्वारा आज यूएनओ में एक पार फिर पाकिस्तान ने कश्मीर पर अपना अधिकार जमाया है, के बारे में विज ने प्रश्न किया तो ऊर्जा मंत्री ने पाकिस्तान को नसीहत देते हुए कहा कि पाकिस्तान को अब कश्मीर को भूल जाना चाहिए। कश्मीर की जनता ने अपनी सरकार अब कश्मीर को भूल पर कश्मीर का टुकड़ा भी वापिस करने पर विचार करना चाहिए और जब तक पाकिस्तान कश्मीर कश्मीर बोलता रहेगा तब तक वहां सुख चौन नहीं आयेगा। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री

चुनी और तत्कालीन महाराजा हरि सिंह ने भी उसी विलय पत्र पर हस्ताक्षर किए थे जिस पर हिन्दुस्तान की 565 विरासतों ने किए थे, जो पूरे कश्मीर के लिए थे। विज ने कहा कि पाकिस्तान को शहबाज शरीफ का कहना है कि भारत ने अगर पाकिस्तान का पानी रोका तो वो ''एक्ट ऑफ वार'' होगा, के बारे में पूछे गए प्रश्न के उत्तर में विज ने कहा कि पानी भारत का है और जब भी संधियाँ हुई थी वो गलत हुई थी और भारत अपने खेतों को पानी देगा न कि पाकिस्तान को। विज ने कहा कि हमारे खेत प्यासे रहे और पानी पाकिस्तान में जाता रहे, ये हमे बर्दाश्त नहीं है।

कांग्रेस लगातार मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ प्रदर्शन कर उनके इस्तीफे की मांग कर रही है, के प्रश्न के उत्तर में विज ने कहा कि स्कूल से फेल होने वाला बच्चा घर आकर रोता ही है, ये प्रदेश-पे-प्रदेश हारते जा रहे है और 22 प्रदेशों में भाजपा की सरकार है। उन्होंने बताया कि सभी मतदाता ठीक हो, गलत मतदाताओं को निकाला जाए ताकि कोई भी गलत वोट न कर पाए, यही चुनाव आयोग का काम है। परंतु विपक्ष चुनाव आयोग के काम पर बाधा डाल रहा है।

सेवा संकल्प अभियान के तहत आईटीआई में अंगदान जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

एजेंसी
हिसार। सेवा संकल्प अभियान के तहत राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में अंगदान संकल्प अभियान आयोजित किया गया। अभियान का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं संस्थान के स्टाफ को अंगदान के महत्व के प्रति जागरूक करना और समाजहित में अंगदान के लिए प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम में विद्यार्थियों एवं स्टाफ सदस्यों ने अंगदान को लेकर संकल्प लिया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने विद्यार्थियों और स्टाफ को अंगदान की आवश्यकता, इसके महत्व तथा अंगदान के माध्यम से जरूरतमंद मरीजों को मिलने वाले जीवनदान के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने अंगदान से जुड़ी विभिन्न भ्रांतियों को दूर करते हुए लोगों को इस पुनीत कार्य के लिए आगे आने का आह्वान किया। इस दौरान जेवाईसीओ दीपक कटारिया ने विभाग द्वारा तैयार की गई अंगदान विषयक पीपीटी के माध्यम से विद्यार्थियों को विभिन्न अंगों के दान, अंगदान की प्रक्रिया तथा इससे जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी स्टाफ सदस्यों एवं छात्र-छात्राओं ने अंगदान करने की शपथ ली। इसके अलावा स्टाफ सदस्यों ने अंगदान के लिए अपना रजिस्ट्रेशन फॉर्म भी भरा। संस्थान के अधिकारियों ने कहा कि इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम युवाओं में मानवता, सामाजिक जिम्मेदारी और जरूरतमंद लोगों की सहायता की भावना को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। संस्थान के प्राचार्य सुनील सचदेवा ने सिविल अस्पताल हिसार से पहुंची टीम की सदस्य पूनम व मीना का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अंगदान एक महान सामाजिक एवं मानवीय कार्य है।

सेवा संकल्प अभियान के तहत आंगनबाड़ी केंद्रों में शुरू हुआ आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम

गांव नैचाना में एसडीएम संजीव कुमार ने किया कार्यक्रम का शुभारंभ

एजेंसी
रेवाड़ी।सेवा संकल्प अभियान के तहत जिला की आंगनबाड़ी केंद्रों में शुक्रवार से आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम की शुरुआत की गई। डीसी अभिषेक मीणा के मार्गदर्शन में 7 अक्टूबर तक अलग अलग चरणों में आयोजित किए जा रहे इन कार्यक्रमों का उद्देश्य आंगनबाड़ी केंद्रों से माताओं, बच्चों और समुदाय की सहभागिता को बढ़ावा देना तथा पोषण, स्वास्थ्य एवं प्रारंभिक बाल देखभाल एवं शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। गांव नैचाना स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में बावल के एसडीएम संजीव कुमार ने आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए बच्चों को प्रोत्साहित किया।

महिला एवं बाल कल्याण विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी शालू यादव ने बताया कि रेवाड़ी ग्रामीण क्षेत्र के 265 तथा बावल ब्लॉक के 214 आंगनबाड़ी केंद्रों में तीन दिन तक विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के पहले दिन सामुदायिक सहभागिता एवं पोषण विषय पर गतिविधियां आयोजित की गईं। इस दौरान माताओं और बच्चों की सहभागिता सुनिश्चित करने के साथ लाभार्थियों से संवाद, पोषण जागरूकता, स्वास्थ्य एवं खानपान संबंधी व्यवहार, बच्चों की वृद्धि एवं विकास से जुड़ी जानकारी दी गई। बच्चों के लिए कहानी, खेल, चित्रकारी, रंग भरने जैसी रुचिकर गतिविधियों के माध्यम से समुदाय के साथ प्रारंभिक संवाद किया गया।

उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के दूसरे दिन स्वास्थ्य, ईसीसीई एवं बाल सहभागिता पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इसमें मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, टीकाकरण, एनीमिया तथा बच्चों की वृद्धि एवं विकास की निगरानी से संबंधित जानकारी दी जाएगी। साथ ही प्रारंभिक बाल देखभाल एवं शिक्षा, खेल के माध्यम से सीखने, विद्यालय के लिए तैयारी, गीत, कविता, कहानी, खेल एवं रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन होगा। स्वास्थ्य एवं शिक्षा कार्यकर्ताओं के साथ संवाद भी करवाया जाएगा।

विशेष ग्राम सभा मॉड्यूल की तैयारियों को अक्टूबर तक पूरा करें अधिकारी : उपायुक्त महेंद्र पाल

गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए डाटा सत्यापन के दिए निर्देश

एजेंसी
हिसार विशेष ग्राम सभा मॉड्यूल से संबंधित सभी तैयारियां निर्धारित समय में पूरी की जाएं, ताकि पात्र एवं जरूरतमंद परिवारों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रभावी ढंग से मिल सके। यह निर्देश उपायुक्त महेंद्र पाल ने हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी की अध्यक्षता में विशेष ग्राम सभा मॉड्यूल की तैयारियों को लेकर आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग उपरांत अधिकारियों को दिए। बैठक में विशेष ग्राम सभा के आयोजन, परिवारों से संबंधित डाटा, ग्राम सभा के कोरम तथा डाटा पंचिंग पर विस्तार से चर्चा की गई। उपायुक्त महेंद्र पाल ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले में उपलब्ध डाटा का बारीकी से अवलोकन एवं सत्यापन किया जाए। विशेष रूप से ऐसे परिवारों की पहचान सुनिश्चित की जाए, जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं और जिनकी वार्षिक आय 1.80 लाख रुपये से कम है। इसके साथ ही बीपीएल कार्ड धारक परिवारों तथा परिवारों की संरचना से संबंधित जानकारी का भी सही तरीके से मिलान किया जाए।

उन्होंने कहा कि अक्टूबर 2026 तक विशेष ग्राम सभा मॉड्यूल से संबंधित सभी तैयारियां पूरी कर ली जाएं। डाटा की जांच में किसी प्रकार की त्रुटि न रहे, इसके लिए आवश्यकता अनुसार विभिन्न विभागों से अतिरिक्त कर्मचारियों की ड्यूटी लगाकर रिकॉर्ड का सत्यापन करवाया जाए। उन्होंने बताया कि 5 हजार तक की जनसंख्या वाली ग्राम पंचायत में ग्राम सभा के आयोजन के लिए 300 ग्रामवासियों की उपस्थिति के साथ कोरम पूरा करने का प्रावधान है। संबंधित अधिकारी ग्राम सभा के आयोजन के दौरान निर्धारित प्रावधानों की पालना करना सुनिश्चित करें तथा कोरम एवं डाटा पंचिंग की स्थिति का सही रिकॉर्ड तैयार रखें।

बैठक में जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुभाष चंद्र, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी नरेंद्र कुमार सहित सभी खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने जनसमस्याओं के अतिशीघ्र समाधान के दिए निर्देश

समाधान शिविर, जनसंवाद पोर्टल व सीएम विंडो पर प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश

एजेंसी
झज्जर। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के जनसेवा एवं सुशासन के निर्देशों की अनुपालना में जिला प्रशासन झज्जर द्वारा जनसमस्याओं के त्वरित समाधान और सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया जा रहा है। प्रशासन का प्रयास है कि पात्र नागरिकों को योजनाओं का लाभ समय पर मिले और किसी भी नागरिक को अपनी समस्या के समाधान के लिए अनावश्यक रूप से सरकारी कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। यह बात डीसी वर्षा खांगवाल ने मुख्यमंत्री के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के उपरांत अधिकारियों की समीक्षा बैठक के दौरान कही। डीसी ने लघु सचिवालय स्थित सभागार में प्रशासनिक एवं विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए समाधान शिविर, जनसंवाद पोर्टल तथा सीएम विंडो पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की विभागवार समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से लंबित मामलों की स्थिति की जानकारी लेते हुए निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री के स्पष्ट निर्देशों के अनुरूप

आमजन की समस्याओं का समाधान सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। डीसी वर्षा खांगवाल ने कहा कि समाधान शिविर में आने वाले प्रत्येक नागरिक की समस्या को गंभीरता से सुना जाए और शिकायत के समाधान के लिए संबंधित विभाग द्वारा प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिविरों में प्राप्त शिकायतों का निपटारा निर्धारित समयसीमा में किया जाए तथा जहां संभव हो, मौके पर ही समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक व्यवस्था का उद्देश्य नागरिकों को सरल, सुगम और पारदर्शी सेवाएं उपलब्ध करवाना है। किसी भी शिकायत का केवल औपचारिक निस्तारण न किया जाए, बल्कि शिकायतकर्ता की समस्या का वास्तविक एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित किया जाए। डीसी वर्षा खांगवाल ने जनसंवाद पोर्टल और सीएम विंडो पर प्राप्त शिकायतों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि संबंधित अधिकारी पोर्टल पर नियमित रूप से निगरानी रखें और शिकायतों पर समयबद्ध कार्रवाई करें। उन्होंने कहा कि अनावश्यक रूप से लंबित शिकायतों को गंभीरता से लिया जाएगा। शिकायतों के समाधान में लापरवाही या अनावश्यक देरी पाए जाने पर संबंधित अधिकारी की जिम्मेदारी तय की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि शिकायतों के निस्तारण की रिपोर्ट समय पर पोर्टल पर अपडेट की जाए और प्रत्येक मामले में कार्रवाई की गुणवत्ता का भी ध्यान रखा जाए।

प्रदूषण नियंत्रण उपायों की कड़ाई से पालना सुनिश्चित करें अधिकारी : डीसी

किसानों को फसल अवशेष प्रबंधन के लिए किया जाए जागरूक, पंचायतों व स्थानीय प्रतिनिधियों की भी ली जाए भागीदारी

एजेंसी
झज्जर।जिला में पराली जलाने की घटनाओं पर पूर्ण रोक लगाने और वायु गुणवत्ता को बेहतर बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। डीसी वर्षा खांगवाल ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदूषण नियंत्रण उपायों की कड़ाई से पालना सुनिश्चित करते हुए फील्ड में लगातार निगरानी रखी जाए।उन्होंने पराली जलाने की संभावित घटनाओं की तुरंत सूचना और कार्रवाई के लिए क्विक रेस्पॉन्स टीमें गठित करने के निर्देश भी दिए।

डीसी वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग के चेयरमैन के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के उपरांत अधिकारियों की बैठक को संबोधित कर रही थी। उन्होंने कहा कि फसल अवशेष जलाने से पर्यावरण प्रदूषित होने के साथ-साथ मिट्टी की उर्वरा शक्ति भी प्रभावित होती है। ऐसे में किसानों को पराली न जलाने के लिए निरंतर जागरूक करते हुए फसल अवशेष प्रबंधन के वैज्ञानिक एवं वैकल्पिक उपाय अपनाने के लिए

प्रेरित किया जाए।डीसी वर्षा खांगवाल ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे फील्ड में नियमित दौरे करें और जहां पराली जलाने की आशंका हो, वहां पहले से ही प्रभावी कदम उठाए जाएं। प्रदूषण फैलाने वाले संभावित स्रोतों पर विशेष निगरानी रखते हुए जरूरत के अनुसार ड्रोन की मदद ली जाए। उन्होंने संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने और भुवन एप तथा सीआरएम स्कीम का बेहतर क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। डीसी ने बताया कि कृषि विभाग द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन के तहत पराली को खेत में मिलाने पर किसानों को प्रति एकड़ 1200 रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जा रही है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस योजना की जानकारी अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाई जाए, ताकि किसान पराली जलाने के बजाय फसल अवशेषों का उचित प्रबंधन कर सकें। उन्होंने कहा कि पंचायतों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों को भी इस अभियान से जोड़ा जाए। किसानों के साथ निरंतर संवाद स्थापित करते हुए उन्हें पराली प्रबंधन के लाभों की जानकारी दी जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि पराली जलाने की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और नियमों के अनुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

डीसी वर्षा खांगवाल ने कहा कि स्वच्छ पर्यावरण और बेहतर वायु गुणवत्ता के लिए पराली जलाने की समस्या का प्रभावी समाधान बेहद जरूरी है। प्रशासन इस दिशा में पूरी गंभीरता से कार्य कर रहा है। उन्होंने किसानों से भी अपील की कि वे पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान देते हुए फसल अवशेष न जलाएं और उपलब्ध फसल अवशेष प्रबंधन तकनीकों एवं योजनाओं का लाभ उठाएं।

शिकायतों के निपटान में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, अधिकारी समय सीमा में करें समाधान : उपायुक्त महेंद्र पाल

एजेंसी
हिसार। आमजन की शिकायतों के समाधान में किसी भी स्तर पर ढिलाई या अनावश्यक देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उपायुक्त महेंद्र पाल ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जन-संवाद, सीएम विंडो, समाधान शिविर, सोशल मीडिया शिकायत ट्रैकर हरियाणा (एसएमजीटी) सहित विभिन्न माध्यमों से प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निपटारा करें। निर्धारित समय सीमा में शिकायत का समाधान नहीं होने पर संबंधित अधिकारी की जवाबदेही तय की जाएगी। उपायुक्त महेंद्र पाल लघु सचिवालय परिसर स्थित वीसी सभागार में विभिन्न माध्यमों से प्राप्त शिकायतों तथा जिले में चल रहे विकास कार्यों की विभागवार समीक्षा कर रहे थे। इससे पहले मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के उपायुक्तों एवं संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर शिकायतों के निपटान, विकास कार्यों और ग्राम सभाओं की प्रगति की समीक्षा की तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उपायुक्त ने बैठक में विभागवार लंबित शिकायतों की स्थिति की जानकारी लेते हुए अधिकारियों से कहा कि किसी भी शिकायत को बिना ठोस कारण के लंबित न रखा जाए। अधिकारी स्वयं शिकायतों की निगरानी करें और निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्रवाई पूरी करवाएं। उन्होंने कहा कि केवल शिकायत को निस्तारित दिखाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि शिकायतकर्ता को वास्तविक राहत मिलना जरूरी है। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक शिकायत पर की गई कार्रवाई की एक्शन टेकन रिपोर्ट भी समय पर भेजी जाए। एटीआर में कार्रवाई की स्पष्ट एवं तथ्यात्मक जानकारी दर्ज होनी चाहिए। अधूरी अथवा औपचारिक कार्रवाई वाली रिपोर्ट स्वीकार नहीं की जाएगी।

नाटको फार्मा जुटाएगी 1279 करोड़

कंपनी 750 रुपए प्रति शेयर के भाव पर जारी करेगी 1.70 करोड़ से अधिक इक्विटी शेयर

नई दिल्ली ।

दवा कंपनी नाटको फार्मा ने पूंजी जुटाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। कंपनी के निदेशक मंडल ने राइट इश्यू के माध्यम से अधिकतम 1,279.35 करोड़ रुपये जुटाने को अपनी मंजूरी दे दी है। शेयर बाजार को दी गई जानकारी के अनुसार कंपनी 750 रुपये प्रति शेयर के भाव पर 2 रुपये अंकित मूल्य वाले अधिकतम 1,70,58,082 इक्विटी शेयर जारी करेगी। इस राइट इश्यू का उद्देश्य कंपनी के वित्तीय विस्तार को मजबूती देना है। पात्र शेयरधारकों के लिए रिकॉर्ड तारीख 1 अक्टूबर तय की गई है। इसके तहत, निवेशकों को उनके पास मौजूद प्रत्येक 21 पूर्ण चुकता इक्विटी शेयरों पर दो नए शेयर दिए जाएंगे। यह राइट इश्यू 12 अक्टूबर को खुलेगा और 22 अक्टूबर को बंद होगा। शेयरधारक 12 से 16 अक्टूबर के बीच अपने राइट को बाजार में किसी अन्य को हस्तांतरित या बेच भी सकेंगे। बोर्ड ने आचार संहिता में संशोधन को भी मंजूरी दी।

वाहन परीक्षण बुनियादी ढांचा उन्नयन के लिए 780 करोड़ आवंटित- मंत्री

केंद्रीय मंत्री कुमारस्वामी ने आईसीएटी20 कार्यक्रम में की घोषणा

नई दिल्ली ।

केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी ने घोषणा की कि मंत्रालय ने देश भर की सभी वाहन परीक्षण एजेंसियों के बुनियादी ढांचे के उन्नयन के लिए 780 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। यह आवंटन भारत के तेजी से बदलते वाहन क्षेत्र की भविष्य की जरूरतों को पूरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मंत्री कुमारस्वामी मानेसर स्थित इंटरनेशनल सेंटर फॉर ऑटोमोटिव टेक्नोलॉजी (आईसीएटी) में आयोजित आईसीएटी20 - उत्कृष्टता के 20 वर्ष कार्यक्रम में बोल रहे थे। यह कार्यक्रम वाहन परीक्षण, प्रमाणन और औद्योगिक विकास में आईसीएटी के दो दशकों के योगदान का जश्न मनाने के लिए आयोजित किया गया था। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहन, वैकल्पिक ईंधन और स्मार्ट परिवहन जैसे नवाचार भारतीय वाहन उद्योग को नया आकार दे रहे हैं। इस बदलते परिदृश्य में, उन्होंने मजबूत और आधुनिक परीक्षण अवसंरचना की आवश्यकता पर बल दिया, जिसके लिए सरकार यह व्यापक निवेश कर रही है ताकि देश की परीक्षण क्षमताओं को वैश्विक मानकों के अनुरूप मजबूत किया जा सके।

आईपीओ बाजार में एडरॉयट सहित चार इश्यू हुए ओवरसब्सक्राइब

एडरॉयट इंडस्ट्रीज के आईपीओ को मिला 177 गुना बंपर अभिदान,

नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजार में निवेशकों का जबरदस्त उत्साह देखने को मिला, जब शुक्रवार को चार कंपनियों के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) बंपर अभिदान के साथ बंद हुए। इनमें एडरॉयट इंडस्ट्रीज का आईपीओ सबसे आगे रहा, जिसे अंतिम दिन करीब 177 गुना अभिदान प्राप्त हुआ। इसके अलावा स्वास्तिका इंफ्रा, एलिवेट कैम्पसेज और आरमी इंफोटेक के आईपीओ को भी निवेशकों का मजबूत समर्थन मिला। एनएसई के आंकड़ों के अनुसार, 151 करोड़ रुपये के एडरॉयट इंडस्ट्रीज के आईपीओ में 78,72,900 शेयरों की पेशकश के मुकाबले 1,39,22,95,200 शेयरों के लिए बोलियां मिलीं, जिससे यह 176.85 गुना ओवरसब्सक्राइब हुआ। इस आईपीओ को गैर-संस्थागत निवेशकों की ओर से 332.35 गुना, पात्र संस्थागत खरीदारों (क्यूआईबी) की ओर से 195.04 गुना और खुदरा निवेशकों की ओर से 99.81 गुना अभिदान मिला। इसका मूल्य दायरा 126-134 रुपये प्रति शेयर था। अन्य आईपीओ में, विद्यार्थियों के लिए आवास सुविधाएं और स्कूली शिक्षा से जुड़ी कंपनी एलिवेट कैम्पसेज के 2,100 करोड़ रुपये के आईपीओ को 1.79 गुना अभिदान मिला। वहीं स्वास्तिका इंफ्रा के 161 करोड़ रुपये के आईपीओ को 7.60 गुना और आरमी इंफोटेक के आईपीओ को 2.44 गुना अभिदान प्राप्त हुआ, जो भारतीय आईपीओ बाजार में बढ़ती निवेशक रुचि को दर्शाता है।

वैश्विक चिंताओं के चलते लगातार 7वें सप्ताह फिसला बाजार, सेंसेक्स-निफ्टी 0.88 प्रतिशत तक टूटा

मुंबई।

वैश्विक चिंताओं के चलते भारतीय शेयर बाजार लगातार सातवें सप्ताह गिरावट के साथ बंद हुआ। कच्चे तेल की ऊंची कीमतों, अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की लगातार बिकवाली के कारण प्रमुख बेंचमार्क सेंसेक्स और निफ्टी में 0.88 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की ग साप्ताहिक आधार पर निफ्टी 0.88 प्रतिशत कमजोर हुआ, हालांकि सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन इसमें 0.34 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई और यह 23,140 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं सेंसेक्स शुक्रवार को 315 अंक यानी 0.43 प्रतिशत चढ़कर 73,895 पर बंद हुआ, लेकिन पूरे सप्ताह में इसमें 0.54 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। सप्ताह के दौरान बाजार में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिला। गुरुवार को दोनों प्रमुख सूचकांक 1.6 प्रतिशत से ज्यादा टूट गए थे, जबकि शुक्रवार को चुनिंदा शेयरों में वैल्यू बाइंग के चलते सीमित रिकवरी देखने को मिली।

बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, सप्ताह भर ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमतें 105 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बनी रहीं, जबकि डब्ल्यूटीआई क्रूड भी 90 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर कारोबार करता रहा। पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक आपूर्ति को लेकर चिंताओं ने तेल बाजार को सहारा दिया। हालांकि सप्ताह के अंत में तेल कीमतों में कुछ नरमी देखने को मिली, जिससे आयात बिल, महंगाई, रुपए और कॉरपोरेट लागत पर दबाव की आशंकाएं थोड़ी कम हुईं। दूसरी ओर, अमेरिकी बॉन्ड बाजार ने भी निवेशकों की चिंता बढ़ाई। अमेरिकी 10-वर्षीय ट्रेजरी यील्ड सप्ताह के दौरान 5.10 प्रतिशत के ऊपर पहुंच गई।

विशेषज्ञों का कहना है कि ऊंची यील्ड वैश्विक वित्तीय परिस्थितियों को सख्त बनाती है और उभरते बाजारों की परिसंपत्तियों को अपेक्षाकृत कम आकर्षक बना सकती है।

विदेशी निवेशकों की बिकवाली भी बाजार के लिए बड़ी चुनौती बनी रही। एक्सचेंज आंकड़ों के मुताबिक, एफआईआई लगातार छठे सप्ताह शुद्ध विक्रेता रहे और उन्होंने सप्ताह के दौरान 11,490 करोड़ रुपए के शेयर बेचे। इसके विपरीत, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने अपनी खरीदारी का सिलसिला जारी रखते हुए 16,398 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश किया, जिससे बाजार में गिरावट कुछ हद तक सीमित रही। सितंबर महीने में अब तक एफआईआई कुल 18,531 करोड़ रुपए की बिकवाली कर चुके हैं, जबकि डीआईआई ने 52,617 करोड़ रुपए की शुद्ध खरीदारी की है।

इसके बावजूद निफ्टी अगस्त के अंत के स्तर से लगभग 3.9 प्रतिशत नीचे बना हुआ है। बाजार की नजरें अब पश्चिम एशिया के घटनाक्रम पर भी टिकी हैं।

फ्लेक्सी कैप फंड- लंबी अवधि का प्रदर्शन क्यों है अहम?

बाजार के उतार-चढ़ाव के बीच निवेश का लचीला विकल्प

नई दिल्ली ।

शेयर बाजार में जारी उतार-चढ़ाव के बीच फ्लेक्सी कैप फंड निवेशकों के बीच चर्चा में हैं। ये फंड मैनेजरों को बाजार की परिस्थितियों के अनुसार बड़ी, मझोली और छोटी कंपनियों में निवेश का अनुपात बदलने की सुविधा देते हैं। हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि सिर्फ एक साल के रिटर्न को देखकर इन फंडों में निवेश का फैसला लेना ठीक नहीं है, बल्कि लंबी अवधि के प्रदर्शन और जोखिम को समझना आवश्यक है। हालिया आंकड़ों के मुताबिक बैंक ऑफ इंडिया फ्लेक्सी कैप डायरेक्ट ने एक साल में 10.77 फीसदी का रिटर्न दिया, लेकिन तीन साल में 19.35 फीसदी और पांच साल में 16.39 फीसदी का प्रभावशाली रिटर्न दिखाया। वहीं, क्वांट फ्लेक्सी कैप डायरेक्ट का एक साल का रिटर्न 10.22 फीसदी था, जबकि लंबी अवधि में यह भी बेहतर रहा। ये आंकड़े बताते हैं कि अल्पकालिक और दीर्घकालिक प्रदर्शन में अंतर हो सकता है। बड़ौदा बीएनपी पारिबास म्यूचुअल फंड के फंड मैनेजर के अनुसार फ्लेक्सी कैप जैसे डायवर्सिफाइड इक्विटी फंड का आकलन तीन से पांच साल की अवधि में करना अधिक उपयोगी है। केवल पॉइंट-टू-पॉइंट के बजाय रोलिंग रिटर्न भी देखना चाहिए। फंड चुनते समय जोखिम-समायोजित रिटर्न (जैसे स्टैंडर्ड डिविएशन) पर भी ध्यान देना जरूरी है। इसके साथ ही, फंड की निवेश शैली, मार्केट कैप में हिस्सेदारी और किसी एक सेक्टर या शेयर में अत्यधिक एकाग्रता भी देखनी चाहिए।

डीएचएल एक्सप्रेस बढ़ाएगी माल ढुलाई शुल्क

नए साल से 8.9 फीसदी महंगा होगा शिपमेंट

मुंबई ।

प्रमुख लॉजिस्टिक सेवा प्रदाता डीएचएल एक्सप्रेस ने घोषणा की है कि वह अगले साल 1 जनवरी से भारत में अपनी माल ढुलाई शुल्क में 8.9 प्रतिशत की वृद्धि करेगी। कंपनी ने इस वार्षिक शुल्क वृद्धि के पीछे बढ़ती मुद्रास्फीति, मुद्रा में उतार-चढ़ाव और उद्योग-विशिष्ट लागतों में वृद्धि जैसे कारकों को जिम्मेदार ठहराया है। डीएचएल एक्सप्रेस ने स्पष्ट किया कि 220 से अधिक देशों और क्षेत्रों में परिचालन करने के कारण, वह न केवल स्थानीय आर्थिक स्थितियों बल्कि वैश्विक बाजारों के घटनाक्रमों से भी प्रभावित होती है। कंपनी के अनुसार, उसकी लागत संरचना ऊर्जा खर्च, अनुपालन आवश्यकताओं और राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय प्राधिकरणों द्वारा लागू किए जाने वाले बदलते सीमा शुल्क से भी लगातार प्रभावित हो रही है, जिसके चलते यह वृद्धि आवश्यक हो गई है। डीएचएल एक्सप्रेस के दक्षिण एशिया के वरिष्ठ उपाध्यक्ष आरएस सुब्रमण्यन ने इस समायोजन को सेवा की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि यह वार्षिक मूल्य समायोजन हमें सेवा और विश्वसनीयता के उस उच्च स्तर को बनाए रखने में सक्षम बनाता है, जिसकी हमारे ग्राहक अपेक्षा करते हैं। साथ ही यह हमारे वैश्विक परिचालन के लचीलेपन और अनुकूलन क्षमता को भी मजबूत करता है। सुब्रमण्यन ने यह भी दोहराया कि कंपनी अपने ग्राहकों को बदलते कारोबारी परिवेश में आगे बढ़ने में मदद करने के लिए वैश्विक नेटवर्क, डिजिटल क्षमताओं, सुरक्षा बुनियादी ढांचे और टिकाऊ लॉजिस्टिक समाधानों में निवेश करने के लिए प्रतिबद्ध है।

सेवानिवृत्ति की योजना- सिर्फ कॉर्पस नहीं,समग्र रणनीति पर दें जोर

महंगाई, मेडिकल खर्च और लंबी उम्र को ध्यान में रखकर बनाएं ठोस रणनीति

नई दिल्ली ।

सेवानिवृत्ति की योजना बनाते समय केवल एक बड़ा कॉर्पस बनाने का लक्ष्य रखना अपर्याप्त हो सकता है।

विशेषज्ञों का मानना है कि रिटायरमेंट के बाद 20 से 30 साल या उससे अधिक के जीवनकाल के लिए वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु एक समग्र और दूरदर्शी रणनीति अपनाना अनिवार्य है। महंगाई, स्वास्थ्य व्यय और निवेश पर मिलने वाले रिटर्न जैसे कई कारक आपकी भविष्य की जरूरतों को प्रभावित करते हैं, जिनकी अनदेखी भारी पड़ सकती है। रिटायरमेंट के बाद की वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए केवल एक निश्चित कॉर्पस राशि तय कर देना पर्याप्त नहीं है। सबसे पहले यह अनुमान लगाना महत्वपूर्ण है कि सेवानिवृत्ति के उपरांत आपकी जीवनशैली और परिवार की जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रति वर्ष कितनी धनराशि की आवश्यकता होगी। भले ही नौकरी के दौरान के कुछ खर्च, जैसे आने-जाने और काम से जुड़े व्यय कम हो जाएं, वहीं स्वास्थ्य देखभाल, यात्रा, शौक और परिवार की मदद जैसे खर्चों में वृद्धि हो सकती है। भविष्य में आज की जरूरतों के हिसाब से पर्याप्त लगने वाली रकम महंगाई के कारण कम न पड़े, इसके लिए महंगाई दर को भी योजना में शामिल करना अनिवार्य है। वित्तीय जानकारों के मुताबिक, रिटायरमेंट के लिए निवेश जितनी जल्दी शुरू किया जाए, कंपाउंडिंग (चक्रवृद्धि ब्याज) का उतना ही अधिक लाभ मिलता है, जिससे लक्ष्य हासिल करने के लिए मासिक योगदान अपेक्षाकृत कम रहता है। नेशनल पेंशन सिस्टम जैसे विकल्प लंबे समय तक नियमित योगदान का अवसर प्रदान करते हैं। इसके साथ ही, औसत आयु में वृद्धि को देखते हुए, रिटायरमेंट के बाद कम से कम 25 से 35 साल के खर्च की योजना बनाना विवेकपूर्ण है। जीवनसाथी और आश्रितों की जरूरतों को भी इसमें शामिल करना चाहिए। पेंशन, किराये, ब्याज या एन्युटी से होने वाली अन्य आय को भी गणना में जोड़कर निवेश से अपेक्षित अतिरिक्त आय का सटीक अनुमान लगाया जा सकता है। यह भी जरूरी है कि सेवानिवृत्ति योजना की समय-समय पर समीक्षा की जाए। आय, खर्च या निवेश की स्थिति में बदलाव आने पर योगदान राशि या रणनीति में आवश्यक संशोधन किए जा सकते हैं। केवल कॉर्पस बनाना ही नहीं, बल्कि रिटायरमेंट के बाद उस राशि को बुद्धिमानी से निकालने की योजना भी उतनी ही महत्वपूर्ण है।

शुरुआती वर्षों में आवश्यकता से अधिक निकासी से फंड पर अनावश्यक दबाव पड़ सकता है। इसके अलावा, निवेश और निकासी पर लागू होने वाले कर नियमों को समझना भी अनिवार्य है।

इन सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर बनाई गई एक सुनियोजित रणनीति सेवानिवृत्ति के बाद एक स्थिर और आरामदायक जीवन सुनिश्चित करने में सहायक सिद्ध होती है।

भारत में एफडीआई 6 फीसदी बढ़ा, जापान शीर्ष पर, अमेरिकी निवेश 76 फीसदी घटा

अप्रैल-जून तिमाही में कुल 19.81 अरब डॉलर का सीधा विदेशी निवेश

नई दिल्ली ।

चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में भारत का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) छह प्रतिशत बढ़कर 19.81 अरब डॉलर हो गया है। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के आंकड़ों के अनुसार, इस दौरान जापान 5.71 अरब डॉलर के साथ सबसे बड़ा निवेशक बनकर उभरा, जबकि अमेरिका से आने वाले एफडीआई में 76 प्रतिशत से अधिक की भारी गिरावट दर्ज की गई। डीपीआईआईटी के आंकड़ों से पता चलता है कि कुल एफडीआई (इक्विटी निवेश, पुनर्निवेशित आय और अन्य पूंजी सहित) इस तिमाही में 22 प्रतिशत बढ़कर 30.65 अरब डॉलर हो गया है। हालांकि, तिमाही के भीतर मई और जून में मासिक एफडीआई में गिरावट देखी गई, जिसे अप्रैल में हुए दोगुने निवेश (12.1 अरब डॉलर) ने संतुलित किया। जापान के बाद सिंगापुर (5.22 अरब डॉलर) और मॉरीशस (2.31

अरब डॉलर) प्रमुख निवेशकों में शामिल रहे। अमेरिका से एफडीआई घटकर 1.34 अरब डॉलर रह गया, वहीं संयुक्त अरब अमीरात से भी निवेश में कमी आई।

प्रमुख क्षेत्रों में सेवा क्षेत्र को सर्वाधिक 7.04 अरब डॉलर का एफडीआई मिला, इसके बाद कंप्यूटर सॉफ्टवेयर एवं हार्डवेयर (2.84 अरब डॉलर) और व्यापार क्षेत्र प्रमुख रहे। राज्यों में, तमिलनाडु 5.95 अरब डॉलर के साथ एफडीआई आकर्षित करने में शीर्ष पर रहा, जिसके बाद महाराष्ट्र (4.22 अरब डॉलर) और दिल्ली (2.67 अरब डॉलर) का स्थान रहा।

ऑडी इंडिया ने छत्रपति संभाजीनगर संयंत्र में क्यू3 मॉडल का उत्पादन शुरू किया

छत्रपति संभाजीनगर संयंत्र में असेंबली शुरू, 16 अक्टूबर को होगी लॉन्चिंग

छत्रपति संभाजीनगर ।

जर्मन लग्जरी वाहन निर्माता ऑडी ने भारत में अपनी लोकप्रिय एसयूवी क्यू3 का स्थानीय उत्पादन शुरू कर दिया है। यह कदम मेक इन इंडिया पहल को बढ़ावा देता है, जिससे भारतीय ग्राहकों को जल्द ही यह बहुप्रतीक्षित लग्जरी एसयूवी उपलब्ध होगी। ऑडी क्यू3 का उत्पादन महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर स्थित स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया के शेंद्रा संयंत्र में शुरू किया गया है। कंपनी ने घोषणा की है कि नई ऑडी क्यू3 को भारत में 16 अक्टूबर को आधिकारिक तौर पर लॉन्च किया जाएगा। यह मॉडल 2.0 लीटर पेट्रोल इंजन और ऑडी के प्रसिद्ध क्वात्रो ऑल-व्हील ड्राइव सिस्टम से लैस होगा, जिसमें अपनी श्रेणी के कुछ विशेष फीचर और अत्याधुनिक तकनीकें भी शामिल होंगी। स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ पीयूष अरोड़ा ने इस उत्पादन को कंपनी की विनिर्माण क्षमता का परिचायक बताया। ऑडी इंडिया के एक अे धिकारी ने कहा कि क्यू3 ऑडी ब्रांड के लिए एक महत्वपूर्ण मॉडल रहा है, और नई पीढ़ी के मॉडल में डिजाइन, प्रौद्योगिकी और प्रदर्शन में महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं।

बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की लागत 2.88 लाख करोड़ बढ़ी

मंत्रालय की अगस्त 2026 की रिपोर्ट में खुलासा

नई दिल्ली ।

देश में 150 करोड़ रुपए से अधिक की कुल 1,731 बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की लागत में 2,88,122 करोड़ रुपए की भारी वृद्धि दर्ज की गई है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) की अगस्त 2026 की मासिक रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई है। इन परियोजनाओं की मूल अनुमानित लागत 30.71 लाख करोड़ रुपए थी, जो अब संशोधित होकर 33.60 लाख करोड़ रुपए हो गई है। रिपोर्ट के अनुसार, 17 केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों की निगरानी में चल रही इन परियोजनाओं पर अब तक 16.33 लाख करोड़ रुपए खर्च किए जा चुके हैं, जो संशोधित कुल लागत का 48.59 प्रतिशत है। कुल 647 परियोजनाओं में 80 प्रतिशत से अधिक भौतिक प्रगति दर्ज की गई है, जबकि 312 में इतनी ही वित्तीय प्रगति हुई है। परिवहन एवं लॉजिस्टिक क्षेत्र में सर्वाधिक 1,191 परियोजनाएं हैं, जिनकी संशोधित लागत 16.05 लाख करोड़ रुपए है।

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के पास सबसे अधिक 982 परियोजनाएं (संशोधित लागत 9.52 लाख करोड़ रुपए) हैं।

इसके बाद रेल मंत्रालय (147 परियोजनाएं, 3.14 लाख करोड़ रुपए) और कोयला मंत्रालय (122 परियोजनाएं, 2.22 लाख करोड़ रुपए) का स्थान है। मंत्रालय ने बताया कि बड़ी संख्या में परियोजनाएं या तो शुरुआती चरण में हैं या पूरा होने के करीब हैं।

कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने हफ्ते भर बिगाड़ी बाजार की चाल

तेजी से गिरावट तक का सफरः भारतीय शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव भरा रहा सप्ताह

मुंबई ।

बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिला। जहां सप्ताह की शुरुआत मजबूत संकेतों और निवेशकों के उत्साह के साथ हुई, वहीं कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और वैश्विक चिंताओं ने बाजार की चाल बिगाड़ दी, जिसके परिणामस्वरूप प्रमुख सूचकांकों में सप्ताह के अंत तक तेज गिरावट दर्ज की गई। निवेशकों की पूंजी पर अनिश्चितता के बादल छाए रहे और सप्ताह का समापन लाल निशान में हुआ। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को उत्साहजनक रही। शुरुआती कारोबार में प्रमुख सूचकांकों ने जोरदार बढ़त दर्ज की, जहां बीएसई सेंसेक्स 400 अंक से अधिक चढ़कर 74,700 के करीब पहुंचा। दिनभर की तेजी के बाद सेंसेक्स 564.03 अंक बढ़कर 74,858.99 पर बंद हुआ, वहीं एनएसई निफ्टी भी 67.90 अंक की वृद्धि के साथ 23,414.30 के स्तर पर पहुंच गया। मंगलवार को भी बाजार ने मजबूत शुरुआत की, सेंसेक्स 101.79 अंक और निफ्टी 37.46 अंक की बढ़त के साथ खुले, लेकिन यह तेजी ज्यादा देर तक नहीं टिकी। आईटी और अन्य प्रमुख क्षेत्रों में बिकवाली के दबाव से बाजार शुरुआती बढ़त गंवाकर गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स 329.91 अंक टूटकर 74,529.08 पर और निफ्टी 85.30 अंक गिरकर 23,329 पर आ गया। सप्ताह के सबसे बड़े झटके के तौर पर गुरुवार का दिन रहा, जब भारतीय शेयर बाजार में भारी गिरावट दर्ज की गई। कच्चे तेल की कीमतों का 100 डॉलर प्रति बैरल के महत्वपूर्ण स्तर को पार करना इस बिकवाली का मुख्य कारण रहा। वैश्विक बाजारों के साथ-साथ भारतीय इक्विटी बाजार भी इससे प्रभावित हुआ। बिकवाली के भारी दबाव के चलते बीएसई सेंसेक्स 1,247.71 अंक की रिकॉर्ड गिरावट के साथ 73,580.54 पर बंद हुआ। वहीं एनएसई निफ्टी भी 383.70 अंक फिसलकर 23,063.10 के स्तर पर आ गया। शुक्रवार को वैश्विक बाजारों से मिले-जुले संकेतों के बीच बाजार में हल्की रिकवरी देखने को मिली।

बैंक हड़ताल से गहराया संकट, पांच दिनों तक बैंकिंग ठप रहने का खतरा

आठ लाख बैंक कर्मचारियों की तीन दिवसीय हड़ताल 28 सितंबर से, 5-डे बैंकिंग और पेंशन मुख्य मुद्दे

मुंबई ।

देश के करोड़ों बैंक ग्राहकों के लिए बड़ी खबर है। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) के बैनर तले करीब 8 लाख बैंक कर्मचारी 28, 29 और 30 सितंबर को तीन दिवसीय राष्ट्रव्यापी हड़ताल पर रहेंगे। यह हड़ताल 5-डे बैंकिंग और पेंशन जैसे प्रमुख मुद्दों को लेकर बुलाई गई है। चिंता इसलिए भी गहरी हो गई है क्योंकि 26 सितंबर को चौथा शनिवार और 27 सितंबर को रविवार होने के कारण यह सीधे तौर पर पांच दिनों के बैंकिंग अवकाश में तब्दील हो सकती है, जिससे अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान की आशंका है। हालांकि, स्थिति की गंभीरता को देखते हुए वित्त मंत्रालय ने सभी सरकारी बैंकों को 27 सितंबर, रविवार को भी खुले रखने का आदेश दिया है ताकि जनता के जरूरी काम निपटाए जा सकें। भारतीय अर्थव्यवस्था में बैंक रीढ़ की हड्डी की तरह कार्य करते हैं। रोजाना लाखों करोड़ रुपये का वित्तीय लेन-देन बैंकों के माध्यम से होता है। अकेले डिजिटल पेमेंट मोड जैसे यूपीआई से ही देश में हर दिन करीब 88,000 करोड़ से 1 लाख करोड़ तक का लेन-देन होता है। इसमें चेक क्लियरेंस, आरटीजीएस, एनईएफटी, सरकारी ट्रेजरी और बड़े बिजनेस लोन से जुड़ा कामकाज भी शामिल कर लिया जाए, तो यह आंकड़ा कई गुना बढ़ जाता है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि तीन दिनों की इस हड़ताल से भारतीय बाजार को कई मोर्चों पर भारी आर्थिक नुकसान हो सकता है। लगभग 15,000 करोड़ से 20,000 करोड़ रुपये मूल्य के चेक अटक सकते हैं, जिससे छोटे व्यापारियों का वर्किंग कैपिटल फंस जाएगा और बाजार में नकदी के प्रवाह में बाधा आएगी।

हड़ताल के दौरान कैश जमा-निकासी, चेक क्लियरिंग, सरकारी ट्रेजरी ऑपरेशन, फॉरेक्स ट्रांजैक्शन और मनी मार्केट ऑपरेशन जैसी सेवाएं सबसे ज्यादा प्रभावित होंगी, क्योंकि यह सभी काम मुख्य रूप से ब्रांच स्टाफ पर निर्भर करते हैं। हालांकि, निजी बैंक जैसे एचडीएफसी, आईसीआईसीआई और ऐक्सिस बैंक इस हड़ताल का हिस्सा नहीं होंगे, जिससे वहां कामकाज सामान्य बना रहेगा।

कैट ने नो यूपीआई डे के आह्वान की खबरों का खंडन किया

व्यापारिक संगठन ने 2 अक्टूबर को देशव्यापी बंद की खबरें तथ्यात्मक रूप से गलत बताया

नई दिल्ली ।

कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने उन मीडिया रिपोर्टों को सिरे से खारिज कर दिया है जिनमें यह दावा किया गया था कि संगठन ने 2 अक्टूबर को देशव्यापी नो यूपीआई डे का आह्वान किया है। कैट ने एक बयान जारी कर इन खबरों को तथ्यात्मक रूप से गलत और भ्रामक करार दिया, जिससे संगठन के रुख को लेकर पैदा हुए भ्रम को दूर किया जा सके।

संगठन ने स्पष्ट किया कि कुछ मीडिया रिपोर्ट्स और सोशल मीडिया पोस्ट में 15 अक्टूबर से 2,000 रुपए से अधिक के चुनिंदा यूपीआई लेनदेन पर प्रस्तावित मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) के विरोध में कैट द्वारा नो यूपीआई डे की घोषणा की बात कही जा रही थी। कैट ने कहा, ये खबरें पूरी तरह गलत और भ्रामक हैं तथा कैट के आधिकारिक रुख को प्रतिबिंबित नहीं करती हैं।

कैट ने यह भी बताया कि एमडीआर के मुद्दे पर कुछ अन्य व्यापारिक संगठन या क्षेत्रीय निकाय स्वतंत्र रूप से विरोध प्रदर्शन या कार्यक्रम की घोषणा कर सकते हैं, लेकिन उन्हें कैट से जोड़ना या उसके नाम से बताना अनुचित होगा। उल्लेखनीय है कि 15 अक्टूबर से व्यक्ति-से-व्यापारी (पी2एम) यूपीआई भुगतानों पर 0.4 प्रतिशत एमडीआर लागू होगा, जिसका भुगतान व्यापारी करेंगे, बशर्ते लेनदेन 2,000 रुपए से अधिक हो। 75,000 रुपए या उससे अधिक के लेनदेन पर यह शुल्क अधिकतम 300 रुपए होगा।

भारत में रोजगार का महत्वपूर्ण साधन है पर्यटन उद्योग

विश्व पर्यटन दिवस

रमेश सर्राफ धमोरा

विश्व पर्यटन दिवस मानाने का उद्देश्य वैश्विक उद्योग के रूप में पर्यटन के महत्व तथा इसके सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और आर्थिक प्रभाव के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना है। विश्व पर्यटन दिवस मनाने से हमें पर्यटन के हम पर और हमारे आसपास की दुनिया पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में जागरूकता बढ़ाने में मदद मिलती है। इसमें विश्व भर में आर्थिक प्रभाव के साथ-साथ नैतिक, सामाजिक विचार भी शामिल हैं।

देश के लिए बहुमूल्य विदेशी मुद्रा की कमाई करने में पर्यटन उद्योग का अच्छा खासा महत्व है। पर्यटन जिसे चिमनी विहीन उद्योग के नाम से भी जाना जाता हैं। आज भी लाखों लोगों को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार उपलब्ध करा रहा है। भारत दुनिया के उन चुनिंदा देशों में से है जहां कलात्मक, धार्मिक और प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर दर्शनीय स्थलों एवं कृतियों की कमी नहीं है। यही कारण है कि हजारों मील दूर रहने वाले विदेशी लोग भी पर्यटन के लिए यहां आने का लोभ छोड़ नहीं पाते हैं। यही नहीं देशी पर्यटक भी बड़ी तादाद में कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक फैले देश के विभिन्न पर्यटन केंद्रों पर देखे जा सकते हैं।

विश्व पर्यटन दिवस मानाने का उद्देश्य वैश्विक उद्योग के रूप में पर्यटन के महत्व तथा इसके सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और आर्थिक प्रभाव के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना है। विश्व पर्यटन दिवस मनाने से हमें पर्यटन के हम पर और हमारे आसपास की दुनिया पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में जागरूकता बढ़ाने में मदद मिलती है। इसमें विश्व भर में आर्थिक प्रभाव के साथ-साथ नैतिक, सामाजिक विचार भी शामिल हैं।

भारत में पर्यटन सबसे बड़ा सेवा उद्योग है। जहां इसका राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद में 6.23 प्रतिशत और भारत के कुल रोजगार में 8.78 प्रतिशत योगदान है। भारत में वार्षिक तौर पर 50 लाख विदेशी पर्यटकों का आगमन और 56 करोड़ घरेलू पर्यटकों द्वारा भ्रमण परिलक्षित होता है। विश्व पर्यटन दिवस एक वार्षिक आयोजन है। जिसका उद्देश्य वैश्विक उद्योग के रूप में पर्यटन के महत्व तथा इसके सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और आर्थिक प्रभाव के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना है।

संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन (यूएनडब्ल्यूटीओ) ने विश्व पर्यटन दिवस की स्थापना की। 1980 से हर साल 27 सितंबर को विश्व पर्यटन दिवस मनाया जाता है। इसी दिन यूनाइटेड नेशंस वर्ल्ड टूरिज्म ऑर्गनाइजेशन के कानूनों को अपनाया गया था। हर साल विश्व पर्यटन दिवस एक विशेष थीम के साथ मनाया जाता है। विश्व पर्यटन दिवस 2026 का आधिकारिक विषय (थीम) संयुक्त राष्ट्र पर्यटन के अनुसार पर्यटन क्षेत्र में डिजिटल परिवर्तन को अपनाना और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के एकीकरण को बढ़ावा देना है। यह विषय इस बात पर प्रकाश डालता है कि कैसे आधुनिक तकनीक और नवाचार मिलकर पर्यटन के भविष्य को अधिक आधुनिक, पारदर्शी और सुलभ बना रहे हैं।

विश्व यात्रा एवं पर्यटन परिषद (डब्ल्यूटीटीसी) की नवीनतम आर्थिक प्रभाव प्रवृत्ति रिपोर्ट के अनुसार भारत ने 2025 में विश्व की सबसे बड़ी पर्यटन अर्थव्यवस्थाओं में अपने पिछले दसवें स्थान से 8वें स्थान पर एक महत्वपूर्ण छलांग लगाई है। रिपोर्ट में वैश्विक यात्रा क्षेत्र में भारत के बढ़ते कद पर प्रकाश डाला गया है और अनुमान है कि अगले दशक में यह चौथे स्थान पर होगा। भारत का पर्यटन क्षेत्र 2025 में 231.6 अरब डॉलर का योगदान देगा जो बुनियादी ढाँचे, विपणन और सेवा वितरण में मजबूत वृद्धि और रणनीतिक विकास को दशार्ता है। यह बढ़ता रुझान एक वैश्विक पर्यटन केंद्र के रूप में भारत की क्षमता को रेखांकित करता है और आर्थिक विस्तार एवं रोजगार को बढ़ावा देने में इस क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर करता है।

यूरोपीय देश जर्मनी, यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस, इटली और स्पेन प्रमुख खिलाड़ी बने हुए हैं। वहीं हांगकांग एसएआर, मलेशिया और फिलीपींस जैसे एशियाई गंतव्य पर्यटन के प्रमुख केंद्र के रूप में तेजी से अपनी पहचान बना रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन खर्च में तीव्र वृद्धि देखने वाले देशों में सऊदी अरब (+91.3%), तुर्की (+38.2%), केन्या (+33.3%), कोलंबिया (+29.1%), और मिस्र (+22.9%) शामिल हैं।

आज के समय में जहां हर देश की पहली जरूरत अर्थव्यवस्था को मजबूत करना हैं वहीं आज पर्यटन के कारण कई देशों की अर्थव्यवस्था पर्यटन उद्योग के इर्द-गिर्द घूमती है। यूरोपिय देश, तटीय अफ्रीकी देश, पूर्वी एशियाई देश, कनाड़ा, आस्ट्रेलिया आदि ऐसे देश है। जहां पर पर्यटन उद्योग से प्राप्त आय वहां की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करता है। पर्यटन विश्व का सबसे बड़ा क्षेत्र है। जो वैश्विक स्तर पर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 11 प्रतिशत योगदान देता है।

देश की अर्थव्यवस्था के विभिन्न पहलुओं पर नजर रखने वाले अर्थशास्त्रियों और नीति निर्धारकों ने लगभग एकमत से स्वीकार किया है कि देश में उपलब्ध पर्यटन क्षमता का समुचित रूप से इस्तेमाल नहीं किया जा रहा है। इस दिशा में अधिक प्रभावी व कारगर कदम उठाए जाने की आवश्यकता है। इसी नीति के तहत विभिन्न पर्यटन केंद्रों को प्रमुख छोटे-बड़े शहरों से जोड़ने के लिए दूरसंचार, सड़क और वायु परिवहन की अधिकाधिक सुविधा उपलब्ध कराने के लिए भारी निवेश की व्यवस्था की जा रही है। इसके अलावा परंपरागत पर्यटक केंद्रों के आसपास बुनियादी सुविधाएं व नए पर्यटन केंद्रों को विकसित करने पर जोर दिया जा रहा है। इस पूरे परिदृश्य से स्पष्ट होता है कि आगामी वर्षों में पर्यटन प्रबंधन तथा पर्यटक से जुड़े अन्य क्षेत्रों के विशेषज्ञों की बड़ी संख्या में मांग होगी। यह अवसर सरकारी से ज्यादा निजी क्षेत्रों में होने की अधिक संभावना जताई जा रही है।

विशेषज्ञों का मानना है कि आगामी दस वर्षों में पर्यटन आधारित अर्थव्यवस्था में भारत का स्थान विश्व में तीसरा हो जाएगा। देश में इस दौरान लगभग एक करोड़ नये रोजगार का इस क्षेत्र में सृजन होने की उम्मीद है। वर्ल्ड ट्रेवल एंड टूरिज्म कौंसिल द्वारा जारी रिपोर्ट में इस आशय की संभावनाओं की ओर इशारा किया गया है। अभी देश में लगभग चार करोड़ लोग टूर एंड टूरिज्म इंडस्ट्री के माध्यम से प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष तौर पर आजीविका हासिल कर रहे हैं।

देश में पर्यटन से जुड़े लगभग सभी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम ग्रेजुएशन के बाद के स्तर के हैं। विश्वविद्यालयों में पर्यटन क्षेत्र के भावी विस्तार को भांपते हुए पर्यटन शिक्षा विभाग तेजी से विकसित हो रहे हैं। इनमें मास्टर आफ टूरिज्म एडमिनिस्ट्रेशन सरीखे स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन विश्वविद्यालयों के अतिरिक्त निजी प्रशिक्षण संस्थानों में भी अंशकालिक, पूर्णकालिक डिप्लोमा प्रशिक्षण उपलब्ध है। पर्यटन डिप्लोमा डिग्री हासिल करने के बाद स्वरोजगार के क्षेत्र में पदार्पण करने के लिए राहें भी खुलती है। इसीलिए जरूरी नहीं कि लंबे अरसे तक नौकरी के लिए आवेदन भेज कर हाथ पर हाथ रखकर खाली बैठा जाए। टूर ऑपरेटर और ट्रैवल एजेंट जैसे काम बहुत कम पूंजी से शुरू किए जा सकते हैं। जिनमें स्थानीय साइट सीन, पर्यटक भ्रमण कार्यक्रम से लेकर तीर्थ यात्रा टूर, दूरदराज के पर्यटक स्थलों तक आदि मुख्य है।

अब तो विदेशों में स्वीटजरलैंड, पेरिस, थाईलैंड, हॉन्गकांग, सिंगापुर, लंदन, अमेरिका, कनाडा, मालदीप, नेपाल जैसी जगहों के लिए भी पैकेज टूर बनाए जाने लगे हैं। इनमें स्थानीय भ्रमण से लेकर हवाई यात्रा और होटल में ठहरने तक का समस्त खर्च सम्मिलित होता है। तमाम हवाई कंपनियों के अधिकृत टिकट विक्रेता एजेंट के रूप में भी बेची गई टिकटों पर निर्धारित प्रतिशत कमीशन की कमाई की जा सकती है।

आज अधिकांश सरकारी व निजी विश्वविद्यालयों में पर्यटन प्रशिक्षण के कोर्स चलाए जा रहे हैं। इसके अलावा भी देशभर में अनेकों निजी संस्थान पर्यटन के विभिन्न क्षेत्रों का प्रशिक्षण देती है। प्रशिक्षण के पश्चात सर्टिफिकेट भी दिए जाते हैं। राजस्थान पर्यटन विभाग समय-समय पर प्रदेश में गाइडों के प्रशिक्षण शिविर आयोजित करता है। जिसमें प्रशिक्षण प्राप्त कर चयनित गाइडों को विभाग द्वारा गाइड का प्रमाण पत्र प्रदान किया जाता है। देश के अन्य राज्यों में भी इसी तरह के विभिन्न पाठ्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है। जहां अध्ययन व प्रशिक्षण प्राप्त कर व्यक्ति पर्यटन के क्षेत्र में अपना कैरियर बना सकता है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

ट्रंप-जिनपिंग वार्ता

वैसे तो चमक-दमक और जोरदार मेहमाननवाजी के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच वॉशिंगटन में हुई मुलाकात प्रथम द्दष्टया शानदार नजर आती है। लेकिन हकीकत में इस समिट का कोई ठोस परिणाम नजर नहीं आया। दिल मिलें न मिलें हाथ मिलाने की तर्ज पर एक बात तो स्पष्ट है कि दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं कितनी गहराई तक आपस में जुड़ी हुई हैं। उनमें गहरे मतभेद और मुखर प्रतिद्वंद्विता आज भी कायम है। वार्ता का स्पष्ट परिणाम उनके बीच व्यापारिक युद्ध विराम का आगे बढ़ना है। हालांकि, दोनों देशों के व्यापारिक मामलों को लेकर बुनियादी विवाद अभी खत्म नहीं हुए हैं। अमेरिका ने कई तरह के टैरिफ चीन पर थोपे हैं, अमेरिकी सामान का चीन द्वारा खरीदने का विवाद, रेयर-अर्थ सप्लाई और चीन को दी जाने वाली उन्नत तकनीकों पर अमेरिकी प्रतिबंध जारी हैं। लेकिन दोनों देशों के कारोबारियों के लिये थोड़े समय की राहत को स्थायी समझौता नहीं माना जा सकता। हालांकि इसके बावजूद इस शिखर सम्मेलन के संकेतिक महत्व को स्वीकार करना होगा। जिस तरह चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के लिए रेड कॉर्पेट बिछाया गया, राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप जिस तरह परंपरा को नजरअंदाज करके हवाई अड्डे पर शी जिनपिंग का स्वागत करने गए, उससे प्रतिस्पर्धी दौर में चीन के बढ़ते प्रभाव का ही पता चलता है। ट्रंप ने गर्व के साथ व्हाइट हाउस के नये रूप में तैयार परिसर को उन्हें दिखाया और शानदार राजकीय भोज का भी आयोजन किया। हालांकि, ताइवान के मामले में बहुत कुछ दांव पर लगा था। शी ने वाशिंगटन से ताइवान की आजादी का विरोध करने और इस मुद्दे को संवेदनशील ढंग से संभालने का भी आग्रह किया। जिसे चीन वक्त की समझदारी मानता है। हालांकि, अमेरिका ताइवान के मुद्दे पर एक अस्पष्ट नीति को अपनाए हुए है। एक ओर अमेरिका ताइवान की अपनी रक्षा करने की नीति का समर्थन तो करता है, लेकिन उसकी संप्रभुता को औपचारिक मान्यता भी नहीं देता। सही मायने में इस बहाने शी ने डोनॉल्ड ट्रंप को चीन की प्राथमिकताओं से अवगत कराया। उन्होंने अमेरिका को संकेत दिया कि चीन ताइवान के मुद्दे पर किसी भी तरह का समझौता करने को तैयार नहीं है। वास्तव में चीनी रणनीति का सिद्धांत उस अवधारणा पर केंद्रित है, जो टकराव के खतरे को बताती है।

चिंतन-मनन

प्रयत्न में ऊब नहीं

संसार में गति के जो नियम हैं, परमात्मा में गति के ठीक उनसे उलटे नियम काम आते हैं और यहीं बड़ी मुश्किल हो जाती है। संसार में ऊबना बाद में आता है, प्रयत्न में ऊब नहीं आती। इसलिए संसार में लोग गति करते चले जाते हैं। पर परमात्मा में प्रयत्न में ऊब आती है और प्रयत्न पहले ही उबा देगा, तो आप रुक जाएंगे। कितने लोग हैं जो प्रभु की यात्रा शुरू भर करते हैं, पर कभी पूरी नहीं कर पाते। कितनी बार तय किया कि स्मरण कर लेंगे प्रभु का घड़ीभर! एकाध दिन, दो दिन। फिर ऊब गए। फिर छूट गया। कितने संकल्प, कितने निर्णय, धूल होकर पड़े हैं चारों तरफ! लोग कहते हैं कि ध्यान से कुछ हो सकेगा? मैं कहता हूं जरूर हो सकेगा। कठिनाई सिर्फ एक है, सातत्य! कितने दिन कर सकोगे? मुश्किल से कोई मिलता है, जो तीन महीने भी सतत कर पाता है। दस-पांच दिन बाद ऊब जाता है! आश्चर्य है कि मनुष्य जिंदगी भर अखबार पढ़कर नहीं ऊबता, रेडियो सुनकर नहीं ऊबता, फिल्म देखकर नहीं ऊबता, रोज वही बातें करके नहीं ऊबता। ध्यान करके क्यों ऊब जाता है? आखिर ध्यान में ऐसी क्या कठिनाई है! कठिनाई एक ही है कि संसार की यात्रा पर प्रयत्न नहीं उबाता, प्राप्ति उबाती है और परमात्मा की यात्रा पर प्रयत्न उबाता है, प्राप्ति कभी नहीं उबाती। जो पा लेता है, वह फिर कभी नहीं ऊबता। बुद्ध ज्ञान के बाद चालीस साल जिंदा थे।

चालीस साल किसी ने एक बार उन्हें अपने ज्ञान से ऊबते हुए नहीं देखा। कोहनूर हीरा मिल जाता चालीस साल तो ऊब जाते। संसार का राज्य मिल जाता तो ऊब जाते। महावीर भी चालीस साल जिंदा रहे ज्ञान के बाद। निरंतर उसी ज्ञान में रमे रहे, कभी ऊबे नहीं! कभी चाहा नहीं कि कुछ और मिल जाए। परमात्मा की यात्रा पर प्राप्ति के बाद कोई ऊब नहीं है। इसलिए कृष्ण कहते हैं कि बिना ऊबे श्रम करना कर्त्तव्य है, करने योग्य है। अर्जुन कैसे माने और क्यों माने? अर्जुन तो जब प्रयास करेगा, तो ऊबेगा, थकेगा। कृष्ण कहते हैं, इसलिए धर्म में ट्रस्ट का, भरोसे का एक कीमती मूल्य है। श्रद्धा का अर्थ होता है, ट्रस्ट। उसका अर्थ होता है, कोई कह रहा है। अर्जुन भलीभांति कृष्ण को जानता है। कृष्ण को भी विचलित नहीं देखा है। कृष्ण को उदास नहीं देखा है। कृष्ण की बांसुरी से कभी दुख का स्वर निकलते नहीं देखा है। कृष्ण सदा ताजे हैं।

निर्वाचन आयोग की विश्वसनीयता कठघरे में

विनोद कुमार उपाध्याय

लोकतंत्र में चुनाव केवल मतदान की प्रक्रिया नहीं है। यह उस भरोसे का नाम है, जिसके आधार पर एक नागरिक यह मानता है कि उसका वोट सुरक्षित है, मतदाता सूची में उसका नाम निष्पक्ष तरीके से दर्ज है और चुनाव कराने वाली संस्था किसी दबाव, पक्षपात या मनमानेपन से मुक्त होकर काम कर रही है। इसलिए निर्वाचन आयोग की विश्वसनीयता पर उठने वाला हर सवाल महज राजनीतिक विवाद नहीं होता। वह लोकतांत्रिक व्यवस्था की बुनियाद से जुड़ा प्रश्न बन जाता है। हाल में निर्वाचन आयोग के भीतर मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार और निर्वाचन आयुक्त सुखबीर सिंह संधू तथा विवेक जोशी के बीच कथित मतभेदों को लेकर सामने आई रिपोर्टों ने इसी कारण असामान्य चिंता पैदा की है। इंडियन एक्सप्रेस की जांच रिपोर्ट के मुताबिक दोनों निर्वाचन आयुक्तों ने पिछले दस महीनों में आयोग के कामकाज से जुड़े मुद्दों पर कम से कम 14 बार औपचारिक आपत्तियां दर्ज कीं। इनमें नए मतदाताओं के पंजीयन, मतदाता सूची से नाम हटाने, चुनावी डेटा तक पहुंच और आईटी व्यवस्था जैसे गंभीर विषय शामिल बताए गए हैं। आयोग ने दूसरी ओर इन मतभेदों की व्याख्या अलग तरीके से की है और कहा है कि आयोग के फैसले सर्वसम्मति से हुए तथा ऐसी टिप्पणियां विचार-विमर्श की प्रक्रिया का हिस्सा थीं। यही वह बिंदु है जहां से असली सवाल पैदा होता है–यदि सब कुछ सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा है तो फिर उन आपत्तियों, उनके जवाब और अंतिम निर्णय की प्रक्रिया सार्वजनिक रूप से स्पष्ट क्यों न हो? यहां किसी रिपोर्ट में लगाए गए आरोपों को अंतिम सत्य मान लेना उचित नहीं होगा। लेकिन उन्हें केवल राजनीतिक आरोप कहकर खारिज कर देना भी पर्याप्त नहीं है। लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता का सबसे मजबूत आधार यही है कि वह कठिन सवालों का सामना तथ्यों और दस्तावेजों के साथ करें।

सबसे गंभीर प्रश्न मतदाता सूची से जुड़ा है। चुनाव में उम्मीदवार हार-जीत सकता है, राजनीतिक दल सत्ता में आ-जा सकते हैं, लेकिन मतदाता सूची में किसी योग्य नागरिक का नाम न होना सीधे उसके संवैधानिक अधिकार को प्रभावित करता है। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, दो निर्वाचन आयुक्तों ने मतदाता पंजीयन के फॉर्म-6 में किए गए बदलाव पर आपत्ति दर्ज की थी। उनका तर्क था कि वैधानिक प्रावधानों से जुड़े फॉर्म में बदलाव के लिए निर्धारित कानूनी प्रक्रिया का पालन जरूरी है। यह विवाद इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि तकनीक और डिजिटल व्यवस्था अब चुनावी प्रक्रिया का अभिन्न हिस्सा बन चुकी है। मतदाता सूची का डिजिटल प्रबंधन सुविधा बढ़ा सकता है, लेकिन इसके साथ जवाबदेही भी उतनी ही बढ ?ी चाहिए। यदि किसी स्तर पर सॉफ्टवेयर किसी अधिकारी के निर्णय को स्वीकार नहीं करता, किसी योग्य मतदाता का नाम अटक जाता है या केंद्रीय स्तर की तकनीकी व्यवस्था स्थानीय स्तर पर लिए गए वैधानिक निर्णय को प्रभावित करती है, तो उसके लिए स्पष्ट जवाबदेही तय होनी चाहिए। रिपोर्ट में गोवा के 97 मतदाताओं से जुड़ा ऐसा ही एक मामला सामने आया, जिसमें स्थानीय स्तर पर पात्रता स्वीकार किए जाने के बावजूद सॉफ्टवेयर संबंधी समस्या का उल्लेख किया गया। यही वजह है कि चुनावी प्रक्रिया में तकनीकी गलती जैसे शब्द भी हल्के में नहीं लिए जा सकते। बैंकिंग व्यवस्था में गलत खाते में पैसा चला जाए तो उसे तकनीकी त्रुटि कहा जा सकता है और सुधार की प्रक्रिया शुरू की जा सकती है। लेकिन चुनाव में किसी योग्य नागरिक का वोट देने का अवसर निकल जाए तो वह गलती अगले चुनाव तक सुधरने की प्रतीक्षा नहीं कर सकती। चुनावी अधिकार समयबद्ध होता है।

विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर भी यही कसौटी लागू होनी चाहिए। मतदाता सूची को साफ-सुथरा और अद्यतन रखना निर्वाचन आयोग की जिम्मेदारी है। मृत, स्थानांतरित, दोहराए गए या अपात्र नाम हटाना लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत करता है। लेकिन वैध मतदाता का नाम हटने की आशंका भी उतनी ही गंभीर है। पश्चिम बंगाल के मामले में आयोग ने सुप्रीम कोर्ट को बताया था कि एसआईआर के दौरान हटाए गए 27.16 लाख नामों में से 22 लाख से अधिक मतदाताओं ने बहाली के लिए अपील की। इस आंकड़े का अर्थ यह नहीं कि हर हटाया गया नाम सही था या हर अपील स्वीकार की जानी चाहिए। इसका सीधा अर्थ केवल इतना है कि मतदाता सूची के पुनरीक्षण के साथ एक मजबूत, आसान और समयबद्ध अपील व्यवस्था भी अनिवार्य है। नागरिक को यह पता होना चाहिए कि उसका नाम क्यों हटाया गया, निर्णय किस अधिकारी ने लिया, उसके पास कौन-से दस्तावेज होने चाहिए और उसकी शिकायत का अंतिम निपटारा कब तक होगा।

निर्वाचन आयोग के भीतर मतभेद का मुद्दा भी इसी व्यापक संदर्भ में देखा जाना चाहिए। तीन सदस्यीय आयोग में असहमति अपने आप में लोकतंत्र विरोधी बात नहीं है। बल्कि किसी भी संस्थागत व्यवस्था में असहमति स्वस्थ विचार-विमर्श का हिस्सा हो सकती है। कानून भी मतभेद की स्थिति में बहुमत से निर्णय की व्यवस्था करता है। 2023 के कानून की धारा 18 के अनुसार आयोग का काम जहां तक संभव हो सर्वसम्मति से होना चाहिए और मतभेद होने पर बहुमत का निर्णय लागू होता है। समस्या असहमति नहीं, बल्कि यह संदेह है कि क्या सभी सदस्यों को निर्णय प्रक्रिया में पर्याप्त जानकारी और अवसर मिल रहा है। यदि दो आयुक्त यह लिखित रूप से दर्ज कराते हैं कि कुछ फैसले उनकी जानकारी या स्वीकृति के बिना आयोग के नाम से जारी हुए, तो संस्था के लिए सबसे बेहतर रास्ता यही है कि वह रिकॉर्ड सामने रखे और प्रक्रिया स्पष्ट करे। इससे न केवल आरोपों का जवाब मिलेगा, बल्कि आयोग की अपनी प्रतिष्ठा भी मजबूत होगी। यह भी याद रखना चाहिए कि निर्वाचन आयोग कोई सामान्य सरकारी विभाग नहीं है। संविधान के अनुच्छेद 324 ने उसे चुनाव प्रक्रिया की निगरानी, निर्देशन और नियंत्रण की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी है। इसलिए उसकी विश्वसनीयता किसी एक सरकार, दल या चुनाव से बड़ी है। आज सत्ता पक्ष को आयोग पर भरोसा हो और कल विपक्ष को-ऐसी संस्थागत विश्वसनीयता ही उसकी असली पूंजी है।

राजनीतिक दलों के लिए भी यह समय आत्ममंथन का है। चुनाव आयोग पर आरोप लगाना आसान है, लेकिन हर आरोप को प्रमाण, दस्तावेज और तथ्य के साथ सामने रखना जरूरी है। दूसरी ओर आयोग के लिए भी केवल यह कहना पर्याप्त नहीं कि आरोप निराधार हैं। जनता को यह समझाना होगा कि प्रक्रिया क्या थी, निर्णय कैसे हुआ और आपत्तियों का निपटारा किस तरीके से किया गया। विश्वास मांगने से नहीं बनता, प्रक्रिया से बनता है। पारदर्शिता उसका सबसे मजबूत आधार है। इसलिए इस पूरे विवाद का रास्ता राजनीतिक बयानबाजी से नहीं, बल्कि संस्थागत स्पष्टता से निकलेगा। आयोग को महत्वपूर्ण निर्णयों, आंतरिक आपत्तियों और उनके निपटारे की प्रक्रिया के बारे में जितना कानून अनुमति देता है, उतनी जानकारी सार्वजनिक करनी चाहिए। मतदाता सूची से जुड़े मामलों में ऑडिट ट्रेल, जिम्मेदारी और अपील की व्यवस्था और स्पष्ट होनी चाहिए। तकनीकी प्रणालियों की स्वतंत्र सुरक्षा और प्रक्रिया संबंधी समीक्षा भी समय-समय पर होनी चाहिए। आखिर सवाल किसी एक व्यक्ति की प्रतिष्ठा का नहीं है। सवाल उस नागरिक के भरोसे का है, जो मतदान केंद्र पर पहुंचकर यह उम्मीद करता है कि लोकतंत्र की पूरी मशीनरी उसके एक वोट को ईमानदारी से दर्ज करेगी। निर्वाचन आयोग के सामने आज सबसे बड़ी चुनौती आलोचना से बचना नहीं, बल्कि आलोचना के बीच अपनी संस्थागत विश्वसनीयता को और मजबूत करना है। अगर आरोप गलत हैं तो तथ्यों से गलत साबित किए जाएं।

राजनीतिक क्षेत्र में दूर की कोड़ी है लैंगिक समानता

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

विश्व आर्थिक मंच डब्बूईएफ द्वारा इसी 16 सितंबर, 2026 को जारी 20 वीं ग्लोबल जेंडर लैंगिक गैप रिपोर्ट 2026 से एक बात तो साफ हो गई है कि राजनीति में अभी तो सत्ता में महिलाओं की पुरुषों के समान भागीदार दूर की कोड़ी ही है। जेंडर गैप की हालिया रिपोर्ट में सबसे रौचक और चिंताजनक जानकारी यह सामने आई है कि संसद में भले ही महिलाओं की हिस्सेदारी 16 प्रतिशत हो गई हो पर मंत्रिमंडल में महिलाओं की भागीदारी केवल 5.9 प्रतिशत रह गई है। सबसे मजे की बात यह है कि 2019 की तुलना में मंत्रिमंडल में महिलाओं की उच्चतम स्तर 30 प्रतिशत की भागीदारी की तुलना में बहुत कम हो गई है। यह सब तो तब है जब केन्द्र सरकार 2023 में महिला आरक्षण बिल लेकर आई है। हांलाकि यह भी अभी तो राजनीति की भेंट ही चढ़ा हुआ है। यह इसलिए भी एलार्मिंग हो जाती है कि लैंगिक समानता की बात दुनिया के देशों द्वारा विभिन्न मंचों पर बढ़-चढ़ कर कितनी भी की जाएं परिणाम अभी तक अधिक सकारात्मक प्राप्त नहीं हुए हैं। आइसलैंड, फिनलैंड, नार्वे आदि अवश्य लैंगिक गैप को कम करने में कुछ हद तक सफल रहे हैं। निराश होने की बात इसलिए नहीं है कि शिक्षा-स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में लैंगिक गैप में लगातार सुधार देखा जा रहा है। आर्थिक मोर्चे पर भी महिलाओं की हिस्सेदारी में सुधार देखा जा रहा है।

विश्व आर्थिक मंच या यों कहें कि वर्ल्ड इकोनोमिक फोरम की स्थापना 1971 में हुई और 2006 से डब्बूईएफ ने दुनिया के देशों में महिलाओं की भागीदारी को लेकर जेंडर लैंगिक गैप का सालाना सर्वे करना शुरू किया। 145 देशों में कराये गये हालिया सर्वे की रिपोर्ट में भारत की रेंक 131 वीं है। हांलाकि बीस सालों में रेंक में सुधार हुआ है। संस्था द्वारा जेंडर लैंगिक स्थिति का अध्ययन के लिए चार मानक बनाए हुए हैं। इनमें शिक्षा, स्वास्थ्य और सरवाइवल, आर्थिक गतिविधियों में महिलाओं भागीदारी और राजनीति सशक्तिकरण चार ऐसे क्षेत्र है जिनके माध्यम से दुनिया के देशों में महिलाओं की वैश्विक स्थिति का अध्ययन किया जाता है। जहां तक भारत की बात है देखा जाएं तो जेंडर लैंगिक गैप की रिपोर्ट के अनुसार शिक्षा और स्वास्थ्य व सरवाइवल के क्षेत्र में भारत में स्थिति बेहतर है। शिक्षा के क्षेत्र में यह 96.6 प्रतिशत और स्वास्थ्य और उत्तरजीवितता में 95.6 प्रतिशत का आंकड़ा है। इसे निश्चित रुप से सकारात्मक माना जाता है। इसका साफ साफ अर्थ यह हो जाता है कि शिक्षा और स्वास्थ्य व सरवाइवल क्षेत्र में लैंगिक गैप में सकारात्मकता है और महिलाओं और पुरुषों के बीच अंतर को लगभग पाट सा दिया है। जहां तक महिलाओं की आर्थिक क्षेत्र में भागीदारी की बात है तो इसमें समग्र रुप से 41.2 प्रतिशत महिलाओं की भागीदारी है। यानी अभी भी लैंगिक गैप का अंतर 50 फीसदी से भी अधिक बना हुआ है। हांलाकि आर्थिक क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी में लगातार सुधार देखा जा रहा है। कुल कामकाजी महिलाओं की हिस्सेदारी 39.9 प्रतिशत से बढ़कर लगभग 42 फीसदी हो गई है। आर्थिक मोर्चे पर लगभग सभी क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ रही है पर जिस तेजी से बढ़ोतरी होनी चाहिए थी या जिस तरह से लैंगिक गैप कम होना चाहिए था वह अभी नहीं हो पाया है। तस्वीर का सबसे निराशाजनक पहलू राजनीतिक भागीदारी को लेकर हैं। खासतौर से मंत्रीमण्डल में तो महिलाओं की हिस्सेदारी में बहुत अधिक कमी देखने को मिल रही है। यह सब तो तब है जब सरकार राजनीति में महिला आरक्षण की दिशा में कदम बढ़ाने की पक्षधर है। एक बात जो सबसे महत्वपूर्ण है वह यह कि पिछले कुछ सालों के चुनावों पर नजर ड़ाली जाएं चाहे वे विधानसभाओं के हो या लोकसभा के सभी में मतदान से लेकर सरकार बनवाने में महिलाओं की भागीदारी महत्वपूर्ण रही है। कम से कम आंकड़े तो यही कह रहे हैं। हांलाकि फ्री बीज जैसी लुभावनी योजनाओं में महिलाओं को अपने पक्ष में करने के वादे सभी राजनीतिक दलों के घोषणा पत्रों में देखने को मिल जाएगा।

संतोष की बात यह है कि 145 देशों की समग्र ग्लोबल जेंडर गैप 2026 का जेंडर गैप पेरिटी स्कोर 69.2 प्रतिशत है जबकि भारत की 131 वीं रेंक होने के बावजूद इस रिपोर्ट में भारत का ग्लोबल जेंडर लैंगिक गैप पेरिटी स्कोर 64.5 प्रतिशत रहा है। रिपोर्ट के समग्र अध्ययन से यह साफ हो जाता है कि भारत के सामने सबसे अधिक चुनौती राजनीतिक स्तर पर गैप को कम करना है तो आर्थिक मोर्चे पर भी अभी बहुत कुछ किया जाना जरुरी हो गया है। देश में बेटी बचाओं-बेटी पढ़ाओं जैसे अभियानों के सकारात्मक परिणाम प्राप्त हुए हैं। पंचायतों, निकाओं आदि में महिलाओं के आरक्षण से राजनीति में जो भागीदारी देखी जा रही है वह संभव हो पाई हैं। निर्णय के स्तर पर भी महिलाएं अधिक स्वतंत्र हुई है और चुनाव नतीजे इस बात को पुष्ट भी करते हैं। अब महिलाएं अपने मताधिकार का प्रयोग स्वविवेक से करने लगी है।

ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट में 93 प्रतिशत के स्कोर के साथ आइसलैंड भले ही शीर्ष पर हो पर दुनिया के अधिकांश इस दौड़ में अभी बहुत पीछे हैं। शत-प्रतिशत स्कोर की तो अभी कल्पना करना बेमानी ही होगा। पर सकारात्मक पक्ष यह है कि लैंगिक गैप में अब काफी बदलाव देखने को मिल रहा है। शिक्षा और स्वास्थ्य का क्षेत्र इसका बड़ा उदाहरण है। आर्थिक मोर्चों पर भी महिलाओं की भागीदारी भले ही कम हो पर शीर्ष स्तर पर भी महिलाओं की हिस्सेदारी देखी जा सकती है। इसलिए चुनौती अवश्य है पर हालात सकारात्मकता की और संकेत कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा पर फिर झड़प, बढ़ा तनाव; तालिबान के कई सदस्यों को मारने का दावा

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान की सीमा से लगे गुलिस्तान सेक्टर में अफगान तालिबान के कथित हमले को नाकाम करने का दावा किया है। समाचार एजेंसी रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान ने इस कार्रवाई में तालिबान के कई सदस्यों को मार गिराया। यह घटना दोनों पड़ोसी देशों के बीच करीब तीन महीने तक अपेक्षाकृत शांति रहने के बाद फिर बढ़े तनाव के बीच हुई है। पिछले सप्ताह पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी इलाके में एक पुलिस प्रतिष्ठान पर हमला हुआ था, जिसमें कम से कम 24 लोगों की मौत हुई थी। पाकिस्तान की वायुसेना ने गुरुवार को अफगानिस्तान में 10 ठिकानों पर हमला किया था। इस्लामाबाद का कहना था कि इन ठिकानों का इस्तेमाल ड्रोन लॉन्च करने और उन्हें रखने के लिए किया जा रहा था। दोनों देशों के बीच फरवरी में भी संघर्ष हुआ था। इसके बाद तनाव जारी रहने के दौरान मार्च में काबुल पर पाकिस्तानी हवाई हमले में 400 से अधिक लोगों के मारे जाने की खबर सामने आई थी। अफगान तालिबान ने कहा था कि मार्च में किया गया हवाई हमला एक मादक पदार्थ पुनर्वास केंद्र को निशाना बनाकर किया गया था।

बांग्लादेश 2024 में फासीवाद से मुक्त हुआ: संयुक्त राष्ट्र महासभा में प्रधानमंत्री तारीक रहमान

न्यूयार्क, एजेंसी। बांग्लादेश 2024 में फासीवाद से मुक्त हुआ और सरकार देश को 'ठीक' करने के लिए सुधार, पुनर्स्थापन और पुनर्निर्माण की रणनीति पर काम कर रही है। बांग्लादेशी प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में यह बात कही। रहमान ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपना भाषण बांग्ला में दिया। वह अपने परिवार के तीसरे सदस्य हैं, जिन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित किया है। उनसे पहले उनके पिता और पूर्व राष्ट्रपति जियाउर रहमान के साथ मां और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित कर चुकी हैं। उनके पिता जियाउर रहमान ने 1980 में संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित किया था, जबकि उनकी मां ने 1993 में विश्व नेताओं को संबोधित किया था। रहमान ने गुरुवार को अपने पहले संबोधन में कहा, 'डेढ़ दशक से अधिक समय के फासीवादी शासन और शोषण को खत्म करने के बाद बांग्लादेश 2024 में फासीवाद से मुक्त हुआ।

नेपाल-चीन सीमा पर बाढ़ के एक महीने बाद भी 50 से ज्यादा यूक्रेनी लापता, परिवारों को जवाब का इंतजार

काठमांडू, एजेंसी। ओलेना कलिनिचेंको चीन से खरीदी गई गुलदाउदी की चाय अपने साथी के साथ साझा करने का इंतजार कर रही थीं। उनके साथी ओलेस विसिच ने कहा, 'उन्होंने कहा था, जब मैं घर लौटूंगी तो हम चीनी फूलों से बनी चाय साथ में पिएंगे।' अब वह एक महीने से ओलेना की खबर का इंतजार कर रहे हैं। ओलेना और हजारों अन्य लोग नेपाल-चीन सीमा पर आई भीषण बाढ़ के दौरान लापता हो गए थे। ओलेना की आखिरी ज्ञात लोकेशन स्थानीय समयानुसार सुबह 10 बजकर 22 मिनट पर एक सीमा चौकी से चीन से बाहर निकलते समय दर्ज हुई थी। इसके 15 मिनट बाद बाढ़ आ गई थी। 36 वर्षीय कलिनिचेंको उन 56 लोगों के समूह का हिस्सा थीं, जिनमें ज्यादातर यूक्रेनी नागरिक थे। यह समूह आध्यात्मिक प्रवास के लिए तिब्बत स्थित कैलाश पर्वत गया था। इन परिवारों की स्थिति बताती है कि आपदा में लापता लोगों को बचाने, उनके शव बरामद करने और उनकी पहचान करने की प्रक्रिया कितनी जटिल और समय लेने वाली हो सकती है।

पोलैंड की कैथोलिक मोनेस्ट्री में चाकू से हमला, पादरी की दर्दनाक मौत, 4 लोग गंभीर घायल

जारोस्लाव , एजेंसी। दक्षिण पूर्वी पोलैंड के जारोस्लाव शहर स्थित ऐतिहासिक बेनेडिक्टिन सिस्टर्स मठ में चाकूबाजी की एक दर्दनाक घटना सामने आई है। गुरुवार सुबह प्रार्थना सभा के दौरान एक 31 वर्षीय सनकी युवक ने पादरियों और श्रद्धालुओं पर बड़े चाकू से अचानक ताबड़तोड़ हमला कर दिया। इस जानलेवा हमले में गंभीर रूप से घायल हुए पादरियों में से एक की अस्पताल में मौत हो गई, जबकि तीन पुरुषों सहित चार लोग गंभीर रूप से घायल हैं। स्थानीय पुलिस ने आरोपी नागरिक को हिरासत में ले लिया है तथा जारोस्लाव शहर में आपातकालीन क्राइसिस मैनेजमेंट प्रक्रिया लागू कर दी गई है।

व्हाइट हाउस में शी जिनपिंग के लिए ट्रम्प का भव्य स्टेट डिनर: मेलानिया ने तैयार किया खास मेन्यू

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार रात व्हाइट हाउस में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और उनकी पत्नी पेंग लियुआन के सम्मान में एक भव्य 'स्टेट डिनर' (राजकीय भोज) की मेज़बानी की। दोनों देशों के बीच कूटनीतिक गर्मजोशी के बीच आयोजित इस डिनर में न केवल राजनीतिक बल्कि वैश्विक व्यापार और टेक जगत के सबसे बड़े चेहरे एक छत के नीचे नज़र आए। मेलानिया ट्रम्प ने तैयार किया मेन्यू: अमेरिकी और चीनी स्वाद का संगमस्टेट डिनर का विशेष मेन्यू अमेरिका की प्रथम महिला मेलानिया ट्रम्प की देखरेख में तैयार किया गया।

सूपः डिनर की शुरुआत पीले स्क्वैश से बने गाढ़े सूप से हुई, जिसमें जंगली मशरूम, ताज़ी जड़ी-बूटियां, कुरकुरा पैनसेटा और हरे प्याज का तेल शामिल था। मुख्य व्यंजनः तिल की परत वाली खास 'सी-बास' मछली परोसी गई। इसके साथ चीन में बेहद लोकप्रिय हरी सब्जी 'बोक चॉय', भुना हुआ बैंगन और विशेष हरी चटनी दी गई।

मिठाई (डेज़र्ट): मीठे में वनीला फ्लेवर की नरम क्रीम, खट्टी चेरी और अखरोट से बनी मिठाई के साथ आइसक्रीम पेश की गई। इस आइसक्रीम में व्हाइट हाउस के बगीचों में तैयार किया गया प्राकृतिक शहद इस्तेमाल हुआ।

टेक दिग्गजों का महाजुटान : डिनर में अमेरिका के प्रमुख उद्योगपतियों और सिलिकॉन वैली के शीर्ष टेक दिग्गजों ने शिरकत कीः शामिल प्रमुख हस्तियांः टेस्ला और स्पेसएक्स के एलन मस्क, अमेज़न के जेफ बेजोस, गूगल (अल्फाबेट) के सीईओ सुंदर पिचाई, ओपन-एआई के सैम ऑल्टमैन व ग्रेग ब्रॉकमैन, एनवीडिया के सीईओ जेन्सेन हुआंग तथा डेल टेक्नोलॉजीज के माइकल डेल मौजूद रहे। चर्चा के केंद्रः ओपन-एआई के सैम ऑल्टमैन आयोजन स्थल के बाहर प्रशंसकों को ऑटोग्राफ देते दिखे, जबकि एनवीडिया के जेन्सेन हुआंग अपने चिर-परिचित काले लेदर जैकेट के स्थान पर ब्लैक टक्सीडो पहनकर पहुंचे।

अमेरिका-चीन रिश्ते पहले से बेहतर': तोहफे में दिया बाल्ड ईगल

डिनर के दौरान राष्ट्रपति ट्रम्प ने दोनों देशों के संबंधों की तारीफ करते हुए कहाः मजबूत जन-संबंधः 'भले ही हमारी राजनीतिक व्यवस्थाएं भिन्न हों, लेकिन दोनों देशों के नागरिकों के बीच रिश्ते बेहद प्रगाढ़ हैं। आज दोनों देशों के संबंध पहले से कहीं बेहतर स्थिति में हैं।' उन्होंने अपने बीजिंग दौरे के भव्य स्वागत को याद करते हुए जिनपिंग को वैसा ही सम्मान देने की बात कही। विशेष उपहारः ट्रम्प ने शी जिनपिंग को अमेरिका के राष्ट्रीय पक्षी 'बाल्ड ईगल' (Bald Eagle) की लगभग 3 फीट ऊंची भव्य प्रतिमा उपहार में दी और कहा कि यह अमेरिका की आजाद व ऊंची उड़ान भरने वाली चेतना का प्रतीक है।

डिनर से पहले 2 घंटे चली द्विपक्षीय वार्ता : स्टेट डिनर से ठीक पहले व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में दोनों नेताओं के बीच करीब दो घंटे तक गहन द्विपक्षीय बातचीत हुई, जो निर्धारित समय से एक घंटा अधिक चली। बंद कमरे में हुई इस उच्चस्तरीय बैठक में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस , व्यापार संतुलन, क्षेत्रीय सुरक्षा और रणनीतिक साझेदारी जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। मीडिया की एंट्री को लेकर हुए इस विवाद का असर ट्रम्प-जिनपिंग की मुलाकात की टीवी कवरेज पर भी पड़ा। अमेरिका के कई बड़े टीवी नेटवर्क ने दोनों नेताओं की शुरुआती मुलाकात का लाइव प्रसारण नहीं किया। इसी दौरान ओवल ऑफिस में ट्रम्प ने चीनी पत्रकारों को लेकर मजाक करते हुए कहा कि चीन की मीडिया सबसे दोस्ताना है। डिनर के दौरान ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका और चीन की राजनीतिक व्यवस्थाएं अलग हैं, लेकिन दोनों देशों के लोगों के बीच संबंध मजबूत हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के रिश्ते पहले से बेहतर हैं। ट्रम्प ने अपने बीजिंग दौरे को याद करते हुए कहा कि चीन में उनका जिस गर्मजोशी से स्वागत हुआ था, अब अमेरिका भी जिनपिंग को वैसा ही सम्मान देना चाहता है। इस दौरान ट्रम्प ने जिनपिंग को अमेरिका के राष्ट्रीय पक्षी बाल्ड ईगल का करीब 3 फीट ऊंचा स्टैच्यू भी तोहफे में दिया।

बलूचिस्तानः बलूच लड़ाकों ने 25 हमलों में मारे 18 पाकिस्तानी सैनिक

क्वेटा, एजेंसी। बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने गुरुवार को पिछले कुछ दिनों में पूरे बलूचिस्तान में 25 ऑपरेशनों की जिम्मेदारी ली है। स्थानीय मीडिया की ओर से साझा जानकारी के अनुसार, इस ऑपरेशन में पाकिस्तानी बलों को निशाना बनाया गया, जिसके परिणामस्वरूप 18 सुरक्षाकर्मियों की मौत हुई और कई अन्य घायल हुए।

द बलूचिस्तान पोस्ट को जारी एक बयान में बीएलए के प्रवक्ता जीयांद बलूच ने कहा कि उसके लड़ाकों ने 14 से 23 सितंबर के बीच प्रांत के कई हिस्सों में हमले किए, जिनमें पंजगुर, केच, खारान, खुजदार, मस्तुंग, वाशुक, नुश्की और अन्य क्षेत्र शामिल हैं। उन्होंने कहा कि अभियानों के दौरान बीएलए ने पाकिस्तानी सैन्य काफिलों और चौकियों, निगरानी ढांचे, आपूर्ति मार्गों और जिसे समूह ने 'डेथ स्क्वॉड' बताया, उस पर हमला किया। बयान के अनुसार, बीएलए ने 22 सितंबर को क्वेटा के पास दश्त के टेरा माइल इलाके में पैदल गश्त के दौरान सेना के बम निरोधक दस्ते के सदस्यों को एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) से निशाना बनाया। समूह ने दावा किया कि हमले में एक पाकिस्तानी जवान की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। बीएलए ने कहा कि उसी दिन लड़ाकों ने खुजदार में बागबाना पुलिस स्टेशन पर कब्जा कर लिया और वहां रखे हथियारों और उपकरणों को जब्त कर लिया। समूह ने कहा कि बाद में पुलिस एंटी-टेररिस्ट फोर्स (एटीएफ) के कर्मी, 'डेथ स्क्वॉड' के सदस्यों के साथ इलाके में घुसने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन उन पर हमला किया गया। उसने कहा कि कथित सशस्त्र समूह के कई सदस्य मारे गए और थानाध्यक्ष (एसएचओ) मुनीर आलम जट्टक सहित पुलिस कर्मी घायल हो गए। बीएलए के अनुसार, उसके लड़ाकों ने 20 सितंबर को नुश्की में बाईपास रोड पर शहीद बालाच खान स्टेडियम के पास पाकिस्तानी सैन्य बलों को भी निशाना बनाया, जिसमें दो जवान मारे गए और चार अन्य घायल हो गए। उसने आगे दावा किया कि बुलेदा के कोश्क इलाके में एक सैन्य चौकी पर ग्रेनेड-लॉन्चर से कई राउंड फायरिंग की गई। समूह ने कहा कि उसके लड़ाकों ने 21 सितंबर को मांड में रादिग पर कब्जा कर लिया, प्रमुख स्थानों पर नाकाबंदी की और भारी और स्वचालित हथियारों का उपयोग करके पाकिस्तानी सेना के मुख्य शिविर पर हमला किया। इससे पहले, 18 सितंबर को, उसने दावा किया था कि उसके लड़ाकों ने मांड में बलोचाबाद और बुल्लो पर कब्जा कर लिया, प्रमुख प्रवेश बिंदुओं को अवरुद्ध कर दिया, और ऑपरेशन के दौरान क्षेत्र में जनसभाओं को संबोधित किया। बीएलए ने आरोप लगाया कि बाद में पाकिस्तानी बलों ने नागरिक बस्तियों को निशाना बनाने के लिए क्वाडकॉप्टर का इस्तेमाल किया।

यूएन में बालेंद्र शाह का पहला भाषणः आपदा प्रबंधन पर दिया जोर

न्यूयॉर्क , एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र में नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह ने हिमालयी क्षेत्र में जलवायु संबंधी चुनौतियों से निपटने के लिए नेपाल, भारत और चीन के नेतृत्व में एक साझा तंत्र स्थापित करने का प्रस्ताव रखा। नेपाल के पीएम बालेंद्र शाह ने जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए वैश्विक सहयोग बढ़ाने की अपील की। बालेंद्र शाह ने कहा कि इस तंत्र के जरिए तीनों देश उपग्रह से मिले आंकड़े और विशेषज्ञता साझा कर सकते हैं। साथ ही खतरनाक ग्लेशियल झीलों की निगरानी और संयुक्त प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली को मजबूत किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि जब कोई आपदा आए तो सीमाओं के पार राहत और सहायता के लिए समन्वय किया जाना चाहिए।

बालेंद्र शाह ने भारत-चीन से की क्या अपील : नेपाल के पीएम शाह ने कहा, 'हम नेपाल, भारत और चीन के नेतृत्व में हिमालयी जलवायु के लिए तंत्र स्थापित करने का प्रस्ताव रखते हैं। इस तंत्र के जरिए उपग्रह डेटा और विशेषज्ञता साझा करें। खतरनाक ग्लेशियल झीलों की निगरानी करें। संयुक्त प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों को मजबूत करें। जब आपदा आए तो सीमाओं के पार सहायता का समन्वय करें। हिमालय खंडित सूचनाओं की सीमा के बजाय अंतरराष्ट्रीय सहयोग की प्रयोगशाला बने। नेपाल बाढ़ त्रासदी को लेकर क्या बोले बालेंद्र शाह? नेपाल के प्रधानमंत्री ने बाढ़ के बाद मदद के लिए विभिन्न देशों और संगठनों का आभार भी जताया। उन्होंने कहा, 'मैं बाढ़ के बाद हमारी सहायता के लिए आगे आने वाले सभी लोगों के प्रति नेपाल का आभार व्यक्त करना चाहता हूं। हमारे तत्काल पड़ोसी भारत और चीन ने तेजी से और उदार सहायता प्रदान की। अन्य मित्र देशों, संयुक्त राष्ट्र प्रणाली, मानवीय सहायता एजेंसियों, परोपकारी संगठनों और दुनिया भर के लोगों ने नेपाल का साथ दिया। उन सभी से मैं नेपाल की कृतज्ञ जनता की ओर से धन्यवाद कहता हूं।

उत्तर कोरिया ने किया उन्नत 240 मिमी मल्टीपल रॉकेट लॉन्चर का परीक्षण, क्षेत्र में बढ़ा तनाव

प्योंगयांग, एजेंसी। उत्तर कोरिया ने अपनी सैन्य तोपखाने क्षमताओं को आधुनिक बनाते हुए 240 मिमी क्षमता वाले उन्नत मल्टीपल रॉकेट लॉन्चर का सफल परीक्षण किया है। गुरुवार को केसीएनए और योनहाप न्यूज एजेंसी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार यह परीक्षण 22 सितंबर को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

नए रॉकेटों में ऑटोनॉमस पिनपॉइंट गाइड सिस्टम जोड़ा गया है, जिससे इनकी अधिकतम मारक क्षमता 115 किलोमीटर तक पहुंच गई है। इस परीक्षण के बाद उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया के साथ अपनी दक्षिणी सीमा पर सबसे घातक और विनाशकारी हमलावर बल तैनात करने पर जोर दिया है।

240 मिमी रॉकेट लॉन्चर का सफल परीक्षण, 115 किलोमीटर तक रेंज : उत्तर कोरिया ने 240 मिमी क्षमता वाले मल्टीपल रॉकेट लॉन्चर से उन्नत रॉकेटों का परीक्षण किया। योनहाप न्यूज एजेंसी ने सरकारी मीडिया केसीएनए के हवाले से बताया कि यह परीक्षण 22 सितंबर को किया गया था। उत्तर कोरिया के अनुसार नए रॉकेटों में ऑटोनॉमस पिनपॉइंट गाइड सिस्टम लगाया गया है, जिससे उनकी सटीकता बढ़ाने का दावा किया गया है। सामान्य बैलिस्टिक उड़ान मोड में इनकी मारक क्षमता करीब 100 किलोमीटर बताई गई है, जबकि ग्लाइड फ्लाइट वाले संयुक्त मोड में यह दूरी 115 किलोमीटर तक पहुंच सकती है। प्योंगयांग ने दावा किया कि परीक्षण के दौरान रॉकेटों की सटीकता और प्रदर्शन की पुष्टि हुई है। यह परीक्षण देश की आर्टिलरी और मिसाइल प्रणालियों के आधुनिकीकरण की योजना का हिस्सा बताया जा रहा है।

दक्षिणी सीमा पर सैन्य क्षमता बढ़ाने का दावा : उत्तर कोरिया के सैन्य नेतृत्व ने इस परीक्षण के बाद दक्षिणी सीमा पर अपनी मारक क्षमता को और मजबूत करने की बात कही है। वर्कर्स पार्टी के केंद्रीय सैन्य आयोग के उपाध्यक्ष पाक जोंग-चोन ने दक्षिणी सीमा पर आधुनिक और लंबी दूरी की सैन्य प्रणालियों को केंद्रित करने की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि उत्तर कोरिया चाहता है पिछले कुछ वर्षों में प्योंगयांग ने दक्षिण कोरिया की सीमा के नजदीक इस्तेमाल की जा सकने वाली कई आर्टिलरी और मिसाइल प्रणालियों को अपग्रेड किया है। उत्तर कोरिया ने 2023 में दक्षिण कोरिया के साथ अपने संबंधों को 'शत्रुतापूर्ण दो राज्य' के रूप में परिभाषित किया था।

यूएन में शहबाज शरीफ से हाफिज सईद पर सवाल, मुंह छिपाते नजर आए पाकिस्तान के प्रधानमंत्री

इस्लामाबाद , एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र के दौरान पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को हाफिज सईद के मुद्दे पर सीधे सवालों का सामना करना पड़ा। न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में प्रवेश करते समय पत्रकार ने उनसे पूछा कि पाकिस्तान आतंकियों को पनाह देना कब बंद करेगा। शहबाज शरीफ ने इस सवाल का कोई जवाब नहीं दिया और आगे बढ़ गए। बाद में जब वह यूएन मुख्यालय से बाहर निकले तो उनसे फिर पूछा गया कि लश्कर-ए-तैयबा प्रमुख हाफिज सईद पर मुकदमा कब चलाया जाएगा। इस सवाल पर भी वो मुंह छिपाते हुए चलते चले गए। हाफिज सईद पर शहबाज शरीफ से क्या-क्या पूछा गया?

शहबाज शरीफ से दोनों सवाल सीधे तौर पर पाकिस्तान में आतंकवाद और हाफिज सईद के खिलाफ कार्रवाई से जुड़े थे। सवाल था, 'प्रधानमंत्री, आप आतंकियों को पनाह देना कब बंद करेंगे?' लेकिन शहबाज ने इस पर प्रतिक्रिया नहीं दी। इसके बाद यूएन मुख्यालय से निकलते समय उनसे पूछा गया, 'लश्कर-ए-तैयबा प्रमुख हाफिज सईद पर मुकदमा कब चलाएंगे?' इस बार भी पाकिस्तानी प्रधानमंत्री बिना जवाब दिए आगे बढ़ गए। इस पूरे घटनाक्रम ने यूएन में पाकिस्तान के आतंकवाद संबंधी रिकॉर्ड और हाफिज सईद पर कार्रवाई के सवाल को फिर चर्चा में ला दिया। हाफिज मोहम्मद सईद पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के सरगोधा का रहने वाला है और प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा का संस्थापक और प्रमुख रहा है। भारत ने उसे गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम यानी यूएपीए के तहत आतंकवादी घोषित किया है। 26/11 मुंबई आतंकी हमले के मामले में भी उसका नाम आरोपी के तौर पर दर्ज है। इसके अलावा अप्रैल 2025 में पहलगाम में हुए आतंकी हमले की जांच में राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने हाफिज सईद को आरोपी बनाया है। एनआईए ने जुलाई 2026 में दाखिल पूरक आरोपपत्र में उस पर व्यक्तिगत रूप से और लश्कर-ए-तैयबा तथा उसके सक्रिय सहयोगी संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट के प्रमुख के तौर पर साजिश में शामिल होने का आरोप लगाया है। 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में आतंकियों ने पर्यटकों और एक स्थानीय नागरिक को निशाना बनाया था। इस हमले में 26 लोगों की मौत हुई थी। एनआईए की जांच के बाद दाखिल पूरक आरोपपत्र में पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा के प्रमुख हाफिज सईद को भी आरोपी बनाया गया। जांच एजेंसी ने उस पर हमले की व्यापक साजिश में भूमिका होने का आरोप लगाया है।

नेपाल के विदेश मंत्री ने भारत को लेकर खोले पत्तेः रिश्तों को बताया बेहतरीन, जयशंकर से मुलाकात का भी किया जिक्र

वॉशिंगटन , एजेंसी। न्यूयॉर्क में एशिया सोसाइटी के एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि दोनों देशों के राजनीतिक संबंधों में कभी-कभी उतार-चढ़ाव आता रहा है, लेकिन अभी नेपाल और भारत के बीच रिश्ते अच्छे दौर में हैं। उन्होंने कहा कि काठमांडो भारत के साथ संबंधों में मतभेदों के बजाय अवसरों पर ध्यान देते हुए व्यावहारिक तरीका अपना रहा है।

भारत के साथ रिश्तों पर नेपाल के विदेश मंत्री ने क्या कहा : शिशिर खनाल ने कहा कि नेपाल और भारत के संबंध बहुत मजबूत और कई स्तरों वाले हैं। उन्होंने बताया कि नेपाल के कुल व्यापार का करीब दो-तिहाई हिस्सा भारत के साथ होता है। दोनों देशों के बीच सामाजिक और सांस्कृतिक संबंध भी काफी मजबूत हैं। खनाल ने कहा कि राजनीतिक स्तर पर कभी-कभी रिश्तों में उतार-चढ़ाव देखने को मिलता है, लेकिन मौजूदा समय में दोनों देशों के संबंधों को वह बेहतरीन मानते हैं। उन्होंने यह बात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नेपाल की नई सरकार के बीच संबंधों से जुड़े सवाल के जवाब में कही।

जयशंकर से मुलाकात में किन मुद्दों पर हुई बात : खनाल ने बताया कि उन्होंने न्यूयॉर्क में भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर से भी मुलाकात की है। दोनों नेताओं के बीच भारत-नेपाल संबंधों और आपसी हित के मुद्दों पर बातचीत हुई। इसमें विकास साझेदारी और ऊर्जा सहयोग की प्रगति पर चर्चा हुई। नेपाल के विदेश मंत्री ने भारत के साथ संबंधों को और मजबूत करने की जरूरत पर भी जोर दिया। यह बातचीत संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र से इतर हुई। भारत और चीन के बीच संतुलन को लेकर पूछे गए सवाल पर खनाल ने कहा कि नेपाल अब रिश्तों को केवल वैचारिक नजरिए से देखने के बजाय व्यावहारिक सहयोग पर ध्यान दे रहा है। उन्होंने कहा कि पड़ोसी देशों के साथ सीमा जैसे विवादित मुद्दे हो सकते हैं, लेकिन नेपाल का मौजूदा तरीका यह देखने का है कि सहयोग के कौन-कौन से अवसर मौजूद हैं।

भारत के साथ ऊर्जा व्यापार को उन्होंने इसी व्यावहारिक नीति का उदाहरण बताया। खनाल ने कहा कि नेपाल की अर्थव्यवस्था आयात पर काफी निर्भर है, इसलिए ऊर्जा और व्यापार में सहयोग उसके लिए महत्वपूर्ण है। खनाल ने कहा कि नेपाल की भौगोलिक स्थिति उसके लिए बड़ी आर्थिक संभावना बन सकती है। उन्होंने भारत के साथ 1,700 किलोमीटर से अधिक लंबी खुली सीमा का जिक्र किया। यह सीमा उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल और सिक्किम से जुड़ती है। उन्होंने बताया कि नेपाल के पास आर्थिक रूप से उपयोगी करीब 43 गीगावाट जलविद्युत क्षमता है और देश 2035 तक 28,000 मेगावाट तक पहुंचने की दिशा में काम करना चाहता है। इससे भारत और आगे बांग्लादेश को स्वच्छ बिजली निर्यात करने की संभावना है।

यूएन में 75 देशों ने नेतन्याहू का बायकॉट कियाः हूटिंग हुई तो 3 मिनट चुप खड़े रहे, फिर बोले- कायर बाहर चले जाएं

न्यूयॉर्क, एजेंसी। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गुरुवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा में भाषण दिया। जैसे ही वो मंच पर आए तो 75 देशों के प्रतिनिधियों ने हूटिंग करके उनका विरोध किया, फिर बाहर चले गए। इस घटनाक्रम के बाद नेतन्याहू करीब 3 मिनट तक चुपचाप खड़े रहे। फिर उन्होंने कहा, भाषण शुरू करने से पहले मैं कहना चाहता हूं कि अगर यहां कोई और कायर है तो बाहर चला जाए। हालांकि, इस दौरान गैलरी नेतन्याहू के समर्थकों से भरी हुई थी। उन्होंने तालियां बजाकर नेतन्याहू का स्वागत किया और 'अम यिसराइल चाई' यानि 'इजराइल की जनता जिंदा है' के नारे लगाए। नेतन्याहू ने अपने भाषण में गाजा, ईरान, लेबनान पर इजराइली कार्रवाई का जिक्र किया। ट्रम्प की तारीफ, न्यूयॉर्क मेयर ममदानी और यूरोप के नेताओं की आलोचना की।

गाजा- इजराइली सेना के हमले का बचाव : नेतन्याहू ने 7 अक्टूबर 2023 के हमले का जिक्र करते हुए इजराइल की सैन्य कार्रवाई का बचाव किया। उन्होंने कहा कि हमास के आतंकियों ने जिस तरह इजराइलियों को मारा, वह बेहद भयावह था। ऐसी भयावहता की कल्पना भी नहीं की जा सकती।

नेतन्याहू ने आगे कहा, दुश्मनों को लगा था कि इजराइल टूट जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

हम उठे और शेरों की तरह लड़े। नेतन्याहू ने गाजा में इजराइल पर नरसंहार करने के आरोप को खारिज किया। उन्होंने इसे 21वीं सदी का सबसे बड़ा झूठ बताया। नेतन्याहू ने कहा, 'इजराइल ने नरसंहार नहीं किया। इजराइल ने नरसंहार को रोका। अगर हमास के समर्थकों को मौका मिलता तो वे हर यहूदी को मार देते।'

लेबनान- हिजबुल्लाह को पेजर अटैक की याद दिलाई : नेतन्याहू ने हिजबुल्लाह के खिलाफ की गई उस कार्रवाई का भी जिक्र किया, जिसमें संगठन के सदस्यों के पास मौजूद पेजर में धमाके हुए थे। उन्होंने कहा, क्या आपको पेजर याद हैं? हिजबुल्लाह को तो जरूर याद होंगे। 17 सितंबर 2024 को लेबनान और सीरिया में हजारों पेजर एक साथ फटे थे, जिससे 3,000 से अधिक लोग घायल हुए और कई लोगों की मौत हो गई थी। ईरान- डेलीगेशन को स्टारलिंक गिफ्ट करने बात कही नेतन्याहू ने ईरान की मिसाइलों के खतरे का जिक्र करते हुए संयुक्त राष्ट्र में मौजूद लोगों से सवाल किया कि अगर एक टन की ईरानी बैलिस्टिक मिसाइल इस इमारत पर गिर जाए तो क्या होगा। इससे पूरा इलाका तबाह हो सकता है। उन्होंने ईरान के नेताओं को 'तेहरान का तानाशाह' बताया और कहा कि वे अपने ही लोगों से डरते हैं। उन्होंने इलॉन मस्क की कंपनी स्टारलिंक का एक डिवाइस दिखाया और कहा कि इससे ईरान के लोग खुलकर अपनी बात कह सकते हैं। नेतन्याहू ने आगे कहा कि वे यह डिवाइस ईरानी डेलीगेशन के लिए छोड़कर जाएंगे। अगर वे अपनी सरकार के खिलाफ हो जाएं या उसका साथ छोड़ दें, तो स्टारलिंक के जरिए इंटरनेट चला सकेंगे और सोशल मीडिया पर अपनी बात दुनिया को बता सकेंगे। नेतन्याहू के हॉल से जाने के बाद जब ईरानी अधिकारी वहां पहुंचे, तो एक इजराइली अधिकारी उनके पास गया। उसने ईरानी अधिकारियों से स्टारलिंक डिवाइस लेने की अपील की और कहा कि यह उनके लिए काफी उपयोगी हो सकता है। हालांकि, ईरानी अधिकारियों ने इसमें कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई और स्वीकार करने से इनकार कर दिया। नेतन्याहू के हॉल से जाने के बाद जब ईरानी अधिकारी वहां पहुंचे, तो एक इजराइली अधिकारी उनके पास गया।

जानकारी

अगर तनाव को रखना है दूर तो डाइट में शामिल करें ये पांच सुपर फूड

आज हर दूसरा व्यक्ति किसी न किसी बात को लेकर तनाव में रहता है। अगर कहा जाए कि व्यक्ति के तनाव के पीछे समस्याओं से ज्यादा उसका खान-पान जिम्मेदार है तो शायद कुछ गलत नहीं होगा। जी हां, आजकल लोग पोषण से ज्यादा स्वाद के लिए भोजन करते हैं। जबकि व्यक्ति का आहार ऐसा होना चाहिए, जो उसके शारीरिक विकास के साथ-साथ उसके मानसिक पोषण का भी ध्यान रखें। ऐसा इसलिए, क्योंकि आप जिस तरह का भोजन करेंगे, वैसी ही आपकी दिमागी सेहत होगी। तो आइए आपको बताते हैं, 5 ऐसे सुपर फूड जो आपकी दिमागी सेहत का ध्यान रखते हुए आपको स्ट्रेस से रखेंगे कोसों दूर।

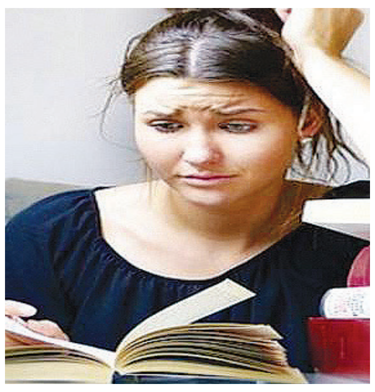

खूब पानी पीएं

आपको तनाव दूर करने के लिए सबसे पहले पानी पीने की आदत डालनी होगी। व्यक्ति को दिनभर में कम से कम 8 गिलास पानी पीना चाहिए। ऐसा करने से शरीर में डिहाइड्रेशन की समस्या नहीं होती है। हाल ही में हुए एक शोध में भी यह पाया गया कि डिहाइड्रेशन व्यक्ति के मेंटल कॉन्सेंट्रेशन लेवल को बिगाड़ देता है।

सुबह का नाश्ता न भूलें

सुबह का नाश्ता शरीर के मेटाबॉलिज्म को बनाए रखने का काम करता है। सेहत से जुड़े एक शोध में बताया गया है कि जो लोग सुबह का नाश्ता किसी भी वजह से मिस नहीं करते हैं उनमें न करने वालों की तुलना में डिप्रेशन की संभावना 30 प्रतिशत तक कम होती है।

विटामिन डी

विटामिन डी दिमाग और शरीर दोनों को पोषण देने का काम करता है। जिसकी वजह से व्यक्ति को डिप्रेशन यानि मानसिक परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ता। मनोविशेषज्ञों ने पाया है कि विटामिन डी जिन लोगों में कम होता है, उनमें डिप्रेशन ज्यादा पाया जाता है। जबकि इसकी जरुरतभर भर मात्रा लेने वाले लोगों में डिप्रेशन कम होता है। विटामिन डी का सबसे अच्छा स्रोत सूरज की किरणें हैं। हफ्ते में दो बार 30 मिनट सूरज के सामने खड़े रहने से आपको इसका लाभ मिल सकेगा।

ओमेगा 3

मूड लिफ्टिंग से परेशान लोगों को अपनी डाइट में ऐसी चीजों को शामिल करना चाहिए, जिसमें ओमेगा 3 फैटी एसिड पाया जाता हो। ओमेगा 3 फैटी एसिड अवसाद के इलाज के लिए कारगर है। ये न व्यक्ति का अवसाद दूर करता है बल्कि अस्थमा और गठिया को भी ठीक करने का काम करता है। मछली, अखरोट, अलसी के बीज, ऑलिव ऑयल और गाढ़े हरे रंग की पत्तेदार सब्जियों में ओमेगा 3 फैटी एसिड काफी मात्रा में पाया जाता हैं।

कैफीन की मात्रा कम करें

तनाव को लाइफ से दूर भगाने के लिए आपको कैफिन से दोस्ती तोड़नी होगी, जी हां कैफीन उन लोगों में पैनिक अटैक की संभावना को बढ़ा देती है, जिनको ऐंग्जाइटी डिसऑर्डर है।

जल्दी मोटे कैसे हों?

हम बताएंगे उपाय

आप में से कई ऐसे लोग होंगे, जिनका ऐसा मानना है कि वह कितना भी भोजन कर लें, लेकिन उनका शरीर पतला का पतला ही है। दुबले-पतले शरीर को मोटा बनाने के लिए कई तरह के उपाय करने के बाद भी अगर आप इसमें सफल नहीं हो पा रहे हैं, तो आपके लिए आज कुछ आसान उपाय बताने जा रहे है, जिसके नियमित प्रयोग से आपका वजन जरूर बढ़ेगा और आपको दुबले पतले शरीर से छुटकारा भी मिलेगा।

कैलोरी के साथ उच्च मात्रा में प्रोटीन भी लें

सिर्फ कैलोरी ही आपके वजन को बढ़ाने में मदद नहीं करती। वजन को बढ़ाने के लिए सही मात्रा में प्रोटीन लेना भी बेहद जरूरी है। अंडा, मीट, मछली, चिकन, दाल, अंकुरित अनाज और डेरी उत्पाद की प्रोटीन से शरीर समृद्ध होता हैं। प्रोटीन में एमिनो एसिड होता है, जो आपकी मांसपेशियों के लिए बेहद फायदेमंद है। ये आहार आपकी मांसपेशियों को टोन और बढ़ाने के लिए बेहद लाभदायक हैं।

स्वस्थ वसा

अच्छा वसा मांसपेशियों के विकास और हॉर्मोन्स के उत्पादन के लिए बेहद जरूरी है, जैसे टेस्टोस्टेरोन। ये मांसपेशियों के विकास और मजबूती के लिए बेहद आवश्यक है। ये मेटाबोलिक के स्तर को बढ़ाती है और इससे शरीर में बेकार वसा निकलने लगता है और अच्छा वसा जमा होता जाता है। अच्छा वसा नट्स, हरी सब्जियों, सल्मोन, अलसी के तेल, एवोकाडो के तेल और अन्य बीज से मिलता है।

वजन बढ़ाने वाले सप्लीमेंट्स

कुछ मामलों में, डाइट और व्यायाम आपकी उम्मीदों को पूरा नहीं कर पाते और इस तरह आपका वजन वहीं का वहीं रह जाता है। इसलिए वजन को बढ़ाने के लिए दूसरा विकल्प आप चुन सकते हैं - अपने आहार के साथ साथ सप्लीमेंट्स का भी सेवन करें, जैसे प्रोटीन पाउडर जिसे आप अपने दूध में मिलाकर पी सकते हैं। ये सप्लीमेंट्स मांसपेशियों और वजन को बढ़ाने में मदद करते हैं।

योगः योग कई समस्याओं का इलाज करता है, जैसे तनाव, बेकार मेटाबोलिज्म और स्टामिना की कमी आदि। ये आपके वजन को बढ़ाने में भी बेहद फायदेमंद है। कई योगासन को करने से आपकी भूख बढ़ती है जैसे सर्वांगासन और पवनमुक्तासन। ये आपके पेट से संबंधित समस्याओं को ठीक करते हैं और भूख को बढ़ाते हैं।

व्यायामः कमजोर मांसपेशियों में वसा जमा होने से न ही ये मजबूत होती है, बल्कि इनमे मॉस भी बढ़ता है। इसके अलावा कुछ व्यायाम भी हैं जो आपकी मांसपेशियों को बढ़ाने में मदद करेंगे।

- हर दिन दो चम्मच च्यवनप्राश खाने से आपके शरिर को रोगों से लड़ने की क्षमता बढ़ती है, तब आप जो भी भोजन करेंगे उसका सार्थक असर आपके शरिर पर पड़ेगा।
- पाचन तंत्र को बेहत बनाने के लिए मुलेठी का प्रयोग लाभदायक होता है, अगर आपका पाचन तंत्र बेहतर होगा तब आप जो भी भोजन करेंगे वो बेहतर तरीके से पचगेगा और आपके शरिर पर इसका सार्थक असर होगा।
- इसके अलावा शतावरी का प्रयोग भी पाचन तंत्र के लिए बेहतर होता, जो आपको जल्दी मोटा होने भी मदद करेगा।
- अशवगंधा का दो चम्मच चूर्ण एक चम्मच मक्खन के साथ मिलाकर रात को सोने से पहले लेने से बेहद फायदा होता है। इसका इस्तेमाल लंबाई बढ़ाने में भी फायदेमंद साबित होता है।
- सुखी अंजीर और किशमिश को शाम में पानी में डालकर छोड़ दें और इसका सेवन सुबह करें, कुछ ही दिनों के नियमित प्रयोग से आपको जरूर लाभ होगा।
- एक गिलास दूध के साथ एक आम खाएं, अगर दिन में ऐसा दो-तीन बार करते हैं तो आपको इसका सार्थक असर सप्ताह भर में ही देखने को मिलेगा।

हालांकि, ध्यान रखें कि बीएमआई स्केल के साथ कई समस्याएं भी होती हैं, जो केवल वजन और ऊंचाई पर आधारित होती हैं। यह मांसपेशियों से संबंधित नहीं होता है। कुछ लोग स्वाभाविक रूप से बहुत पतले होते हैं, लेकिन फिर भी स्वस्थ होते हैं। इस पैमाने के अनुसार वजन कम होने का मतलब यह नहीं है कि आपको स्वास्थ्य समस्या है।

कम वजन की समस्या 2-3 गुना लड़कियों और महिलाओं में होना अधिक आम है।

सामान्य से कम वजन होने के कारण

कई चिकित्सकीय स्थितियां हैं जो अस्वास्थ्यकर वजन घटाने का कारण होती हैं। उनमें से कुछ इस प्रकार हैं-

आहार-संबंधी विकारः इसमें एनोरेक्सिया नर्वोसा की स्थिति हो सकती है, जो गंभीर मानसिक बीमारी है। इसमें व्यक्ति की अपने शरीर, भोजन और खाने की आदतों के बारे में सोचने-समझने की क्षमता बदल जाती है।

थायराइड संबंधी समस्याएंः हाइपर थायरायडिज्म (थाइरोइड हार्मोन की अधिक मात्रा) होने से चयापचय को बढ़ावा मिलता है और अस्वास्थ्यकर वजन घटने का कारण बन सकता है।

सीलिएक रोगः सीलिएक रोग में ग्लूटन गेहूं में पायी जाने वाली प्रोटीन) खाने से छोटी आंतों को नुकसान होता है। इस बीमारी से ग्रस्त अधिकांश लोग यह नहीं जानते कि उन्हें ये बीमारी है।

डायबिटीज अनियंत्रितः डायबिटीज (मुख्य रूप से टाइप 1) से भी वजन कम हो जाता है।

कैंसर : कैंसर ट्यूमर अक्सर बड़ी मात्रा में कैलोरी बर्न करते हैं और इसके कारण बहुत अधिक वजन कम हो जाता है।

संक्रमणः कुछ संक्रमण बहुत अधिक वजन कम कर सकते हैं। इनमें परजीवी, टीबी और एचआईवी-एड्स संक्रमण प्रमुख हैं। यदि आपका भी वजन कम है, तो आपको डॉक्टर के पास जाना चाहिए। यदि आपने हाल ही में बिना कोशिश किए काफी वजन कम किया है तो उपर्युक्त स्थितियां गौर करने योग्य हैं।

सुझाव

आईलाइनर लगाना भी एक कला है

रखें इन बातों का ध्यान

खूबसूरत दिखने के लिए हल्का सा काजल ही यूं तो काफी होता है, मगर अवसर और पहनावे को देखते हुए कई बार आंखों को आकर्षक दिखाने के लिए अतिरिक्त मेकअप करने की जरूरत होती है। ऐसे में काजल के बाद याद आता है आईलाइनर। मगर इसे इस्तेमाल करना इतना आसान नहीं है। इसके लिए कुछ बातों का ध्यान रखें-

- आंखों का मेकअप चेहरे का लुक बदल देता है। काजल के बाद अगर आईलाइनर लगा लिया जाए तो आंखें बोल उठती हैं। आजकल आईलाइनर के कई ट्रेंड्स हैं, जो लड़कियों और महिलाओं के बीच पसंद किए जा रहे हैं। रोजाना भले ही ब्लैक आईलाइनर लगाती हों, मगर बात जब पार्टी या फंक्शन की आती है तो ज्यादातर लड़कियां कलर आईलाइनर ही लगाना पसंद करती हैं। हालांकि रंग कोई भी हो इसमें सबसे ज्यादा जरूरी है कि आईलाइनर लगाया कैसे गया है। इसलिए कुछ बातों का ध्यान रखें-
- **पलकों के कोने से लगाएंः** आईलाइनर लगाते समय उसे पलकों के बाहरी कोने से लगाना शुरू करें, क्योंकि अंदर के कोने से लाइनर लगाते समय वह मोटी बन सकती है, जिससे चेहरे का लुक बिगड़ सकता है।
- **पेंसिल है बेहतरः** लिक्विड के बजाय कलर या ब्लैक आईलाइनर लगाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है। इससे भी आपको पार्टी या फंक्शन में ग्लैमरस लुक मिल सकेगा। ग्लिटर हो तो ऐसा हल्के पेस्टल शेड्स गहरी और लाइट स्किन टोन के साथ मिक्स हो जाते हैं। इसलिए लाइट शेड वाले ग्लिटरी आईलाइनर का ही चुनाव करें।
- ब्लैक या रंग-बिरंगे आईलाइनर हमेशा स्किन टोन के हिसाब से लगाएं। इससे रंगत और निखर जाती है। ब्रश का ध्यान रखें आईलाइनर के लिए ब्रश के इस्तेमाल में सावधानी बरतनी चाहिए। इसके लिए एंगल्ड या पतले लाइनर ब्रश सही रहते हैं। ब्लैक और कलर्ड लाइनर, दोनों के लिए ऐसे ब्रश ठीक रहते हैं।

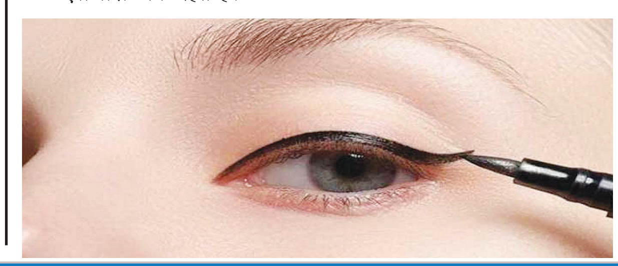

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-1-3-5

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी के कारण तनाव पैदा हो सकता है। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। उतावलेपन से बचें। प्रेमभाव बढ़ेगा। शुभांक-3-6-9

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। मनोरथ सिद्धि का योग है। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-5-6-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। प्रेमभाव बढ़ेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-3-5-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। दुर्लभ स्वप्न साकार होंग। शुभांक-3-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। स्त्री पक्ष का सहयोग मिलेगा शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। मेल-मिलाप से कोशिश सफल होगी। शुभांक-2-4-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें क्योंकि आगे कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-3-6-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-4-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। आय के अच्छे योग बनेंगे। सफलता मिलेगी। शुभांक-3-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। सफलता मिलेगी। शुभांक-3-6-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। इच्छित कार्य सफल होंगें। सुख-आनंद कारक समय है। शुभांक-2-4-6

काकुरो पहेली - 2599

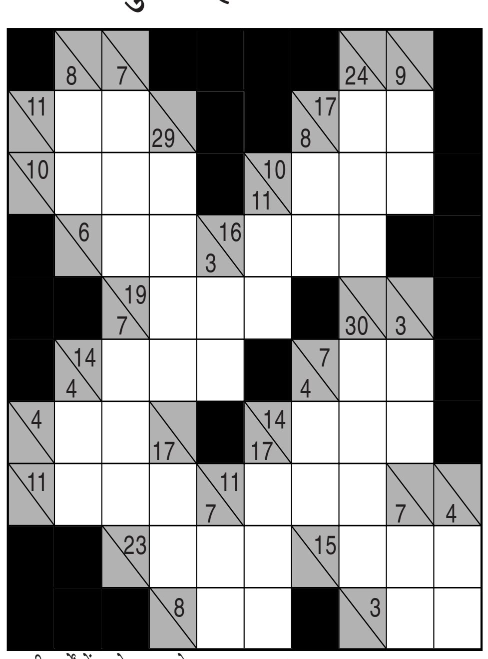

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

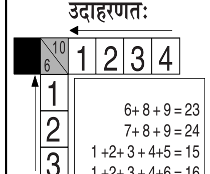

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 2598 का हल

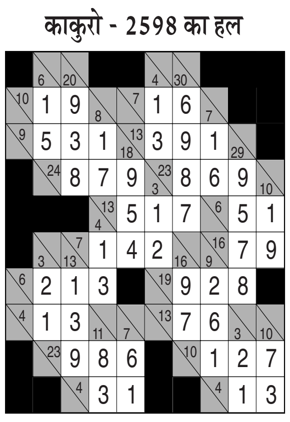

लॉफिंग जोन

एक घर से पति-पत्नी के हँसने की कुछ ज्यादा ही आवाजें आती रहती थीं। मोहल्ले के कई लोग एकत्र होकर उनके यहाँ खुशहाली का राज जानने को पहुँचे।

मोहल्ले वालों की जिज्ञासा को शांत करते हुए पति बोला- बहुत सरल है, हमारे यहाँ मेरी बीबी बेलन, चिमटा आदि फेंककर मारती है। हम लट्ठमार होली खेलते हैं...! अगर मुझे लग जाता है तो वो हँसती और नहीं लगता है तो मैं हँसता हूँ।

एक बार रीमा बन-ठनकर पिक्चर देखने जा रही थी। तभी एक सहेली मिल गई। रीमा का ठाठ-बाट देखकर बोली- 'अ...हा...आ हाथों में हीरों की चूड़ियाँ, कानों में हीरे के टॉप्स, गले में हीरों का हार, यह बनारसी साड़ी क्यों, क्या तुम्हारे पति ने नौकरी कर ली है?'

रीमा बोली- 'नहीं गीता, मैंने पति बदल लिया है।'

चमन (नरेश से)- सुना है तुमने एक उपन्यास लिखा है?

नरेश- हाँ! एक बहुत अच्छा उपन्यास लिखा तो है।

चमन- कुछ बिके भी है?

नरेश- हाँ, बिके है न..। इस उपन्यास को प्रकाशित करने में मेरी अँगूठी, स्कूटर, बीवी की चूड़ियाँ और मंगलसूत्र जैसी कई चीजें बिक गई है।

फिल्म वर्ग पहेली- 2599

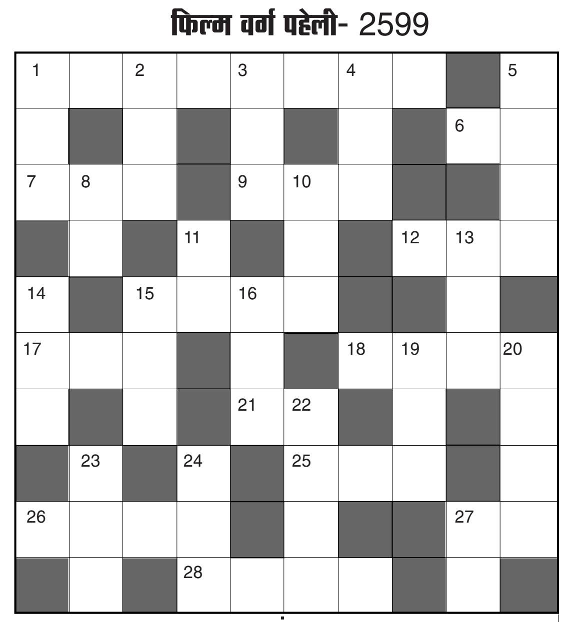

बायें से दायें:-

१. 'तुम्हें और क्या' गीत वाली राजेंद्र कुमार, सायरा की फिल्म-२,३,१,२
६. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'मैं ने कहा फूलों से' गीत वाली फिल्म-२
७. 'दिल्ली की सर्दी' गीत वाली अजय देवगन, अभिषेक बच्चन, बिपाशा बसु की फिल्म-३
९. संजयदत्त, विवेक मुशरान, मनीषा कोइराला की 'आँखों में नींदें ना' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'मार ओडारी नी कुकिए' गीत वाली मनोज बाजवेयी, उर्मिला की फिल्म-३
१५. अजय देवगन, अमीषा की 'जो पल्लू गिरा दिया' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'मैं निकला गड्डी लेके' गीत वाली सनी देओल, अमीषा पटेल की फिल्म-३
१८. मनोजकुमार, आशा की 'लो आ गई उनकी' गीत वाली फिल्म-१,३
२१. 'कमसिन कली हूँ' गीत वाली नाना पाटेकर, पुरू राजकुमार, अनुपमा वर्मा की फिल्म-२
२५. 'पाप दी ग्रेट' में किशनकुमार के साथ नायिका कौन थी?-३
२६. 'छोड़ दे जवानी में' गीत वाली राजेश खन्ना, राखी की फिल्म-४
२७. कमल सदाना, दिव्या की 'दिल चीर के देख' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'एक लड़की दिल से गई' गीत वाली शरदकुमार, नंदा की फिल्म-२,२

ऊपर से नीचे:-

१. सुनील, सुष्मिता, नम्रता की 'दोस्ती हो गई रे' गीत वाली फिल्म-३
२. 'बोल गोरी बोल' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
३. फिल्म 'बाबुल' में दिलीपकुमार के साथ नायिका कौन थी-३
४. 'यारा ओ यारा इश्क ने मारा' गीत वाली अमिताभ, मौसमी की फिल्म-३
५. धर्मेन्द्र, जीनत अमान की 'हम बेवफा हरगिज न थे' गीत वाली फिल्म-४
८. फिल्म 'शारदा' में राज कपूर के साथ नायिका कौंन थी?-२
१०. ऋषिकपूर, श्रीदेवी की फिल्म-३
११. 'खोया है तूने जो' गीत वाली लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२
१३. 'चिनाई चुन चुन' गीत वाली फिल्म-३
१४. फरदीन खान, उर्मिला की फिल्म-३
१५. वसंत चौधरी, मोतीलाल, साधना की 'ओ सजना बरखा बहार' गीत वाली फिल्म-३
१६. संजयदत्त, नम्रता शिरोडकर की 'मेरी दुनिया है' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'जीने की तमन्ना हो' गीत वाली फिल्म-३
२०. वी. शांताराम की 'आधा है चंद्रमा रात आधी' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'नाजुक सी कली थी' गीत वाली अजय, मनीषा, करिशमा की फिल्म-४
२३. 'दिल जंगली कबूतर' गीतवाली फिल्म-३
२४. नवीन निश्चल, आशा की फिल्म-३
२७. फिल्म 'क्रोध' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2598

ह	म	तु	म	■	बं	दि	श	■	जं
स्ती	■	म	हा	रा	जा	■	रा	जा	जी
■	दी	■	न		र	■	बी	■	र
दी	वा	ना	■	जी	न	त	■	क	
■	र	■	अं	त	■	ला	वा	रि	स
आ	■	दा	दा	■	जो	श	■	श्मा	■
क्रो	ध	■	ज	मी	र	■	अ	■	इं
श	■	आ	■	रा	■	ज	मा	न	त
■	म	ह	ल	■	जीं	■	न	■	का
दो	स्त	■	क्ष्य	■	स	पू	त	■	म

सूडोकु -2599

				1			6	
					5			
2		3	9			8		
6							5	
			8		3			
	1							4
		7			1	3		9
			2					
	5			6				

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2598 का हल

7	6	8	2	1	9	3	4	5
2	1	5	6	3	4	8	7	9
3	4	9	5	7	8	6	1	2
5	7	4	8	6	1	9	2	3
9	2	1	3	4	5	7	8	6
8	3	6	7	9	2	1	5	4
1	5	3	4	8	5	2	9	7
4	9	7	1	2	3	5	6	8
6	8	2	9	5	7	4	3	1

शब्द पहेली - 2599

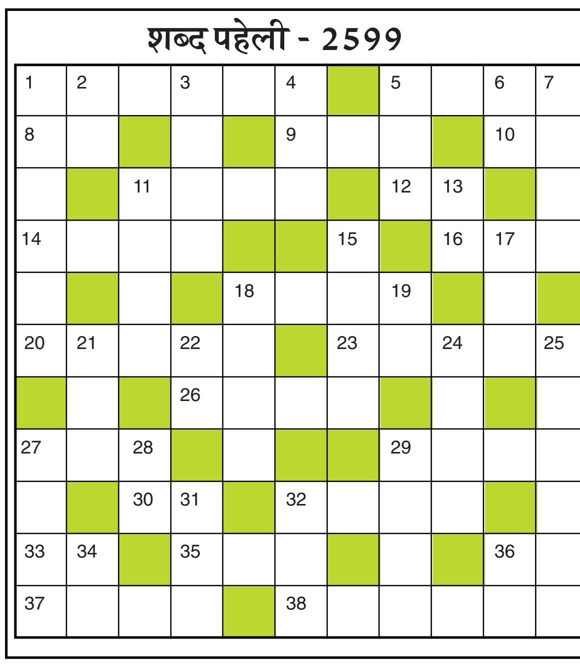

बाएँ से दाएँ

1.पवनपुत्र,हनुमान-3,3
5.मजार-4
8.बगीचा (अंग्रेजी में-2)
9.तहजीब,तमीज-3
10.सत्य,तेज-2
11.पतंगा-4
12.ईसाई साध्वी-2
14.इंकार करना-4
16.उत्तम,आदर्शवादी-3
18.रोमांच,उद्वेग-4
20.पागलपन,सनक-5
23.पालन-पोषण-5
26.आनंद लेना-2,2
27.बेईमानी,अमानत में खयानत-3
29.अप्रधान,गौण-4
30.ठाठ-बाट-2
32.अति काला,एक प्रकार की लकड़ी-4
33.रहस्य-2
35.गरुड़ जो रावण से लड़ा था-3
36.कमरा,रूम-2
37.जल में रहने वाला-4
38.धर्म के उपदेश देनेवाला-6

ऊपर से नीचे

1.पलायन करने वाला-6
2.जंगल-2
3.दांत से छोटे टुकड़े करना-4
4.जिव्हा,जीभ-3
5.घर,भवन-3
6.यात्री गाड़ी-2
7.चौबीस घंटे का समय-4
11.परीक्षण करना-4
13.भीगा हुआ-2
15.खीजना-4
17.उपस्थिती-3
18.रोमांच,उद्वेग-4
19.संपत्ति-2
21.उचित,सही-3
22.पंख,पराया-2
24.देश निर्वासन-4
25.अंगरक्षक-3,3
27.हाथी-4
28.मद,सरूर-2
29.अनुसार,समान-4
31.निगाह,दृष्टि-3
32.हथियार-3
34.पानी,नीर-2
36.सिगरेट का धुआं खींचना,सुट्टा-2

शब्द पहेली -2598 का हल

उ	प	चा	र		नि		वि	रा	स	त
	र		घु		ग	द	र		ही	न
क			व	रा	ह		ह			हा
म	हा	वी	र		बा	ल		क	मा	ई
जो		रा		ना	न		श		ख	
र	म	णी	य	ता		भा	व	ही	न	ता
	न		म		ज	ल		ट		र
अ	का	ल		शू	ल		नी	र	व	ता
प			न		प्र	ख	र			र
रा	ल		म	हु	वा		स		मी	
ध	ड़	क	न		ह		ता	र	त	म्य

क्षति का आकलन कर प्रभावित परिवारों को 24 घंटे के भीतर हर संभव सहायता कराएं उपलब्धः मुख्यमंत्री

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश प्रदेश में बदलते मौसम, भारी बारिश और आंधी-वज्रपात की चेतावनी को देखते हुए योगी सरकार पूरी तरह अलर्ट हो गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में भारी बारिश और आकस्मिक बाढ़ की स्थिति को देखते हुए सभी संबंधित जिलों के जिलाधिकारियों को विशेष सतर्कता बरतने और क्षेत्र में जाने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने रेड अलर्ट और आकस्मिक बाढ़ की आशंका वाले जिलों में स्कूल बंद रखने को कहा है। वहीं वरिष्ठ अधिकारियों को पूरी सतर्कता बरतने व आकाशीय बिजली एवं अतिवृष्टि से हुई क्षति का तत्काल आकलन कर प्रभावित परिवारों को 24 घंटे के भीतर हर संभव सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। सभी से अपील की गई है कि आकाशीय बिजली एवं अतिवृष्टि के दौरान अनावश्यक रूप से घर से बाहर न निकलें। नदियों एवं जलाशयों में स्नान करने से बचें और विशेष सावधानी बरतें। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार हर परिस्थिति में पूरी प्रतिबद्धता के साथ प्रदेश वासियों के साथ खड़ी है।

केन्द्रीय मंत्री गडकरी ने की मध्य प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की समीक्षा

भोपाल। केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मध्य प्रदेश के दौरान के दौरान भोपाल में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ मुख्यमंत्री निवास में राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की समीक्षा की। बैठक में प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल उपस्थित थे। बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी की पहल से प्रदेश में सड़क परियोजनाओं का क्रियान्वयन तेजी से हो रहा हैं। इससे औद्योगिक गतिविधियों के साथ ही धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने में मदद मिली है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केन्द्रीय मंत्री गडकरी को प्रदेश की प्रमुख परियोजनाओं और भविष्य के सड़क विस्तार योजनाओं की जानकारी भी दीं। केन्द्रीय मंत्री गडकरी ने कहा कि सड़क परियोजनाओं के निर्माण में गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। हर प्रोजेक्ट का डिजाइन सड़क सुरक्षा की दृष्टि से भी तकनीकी मानकों के अनुरूप हों।

समानुभूति से ही साकार होगा अंत्योदय का संकल्प : कश्मीरी लाल

झांसी। पं. दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय एवं स्वदेशी जागरण मंच, कानपुर प्रांत के संयुक्त तत्वावधान में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के अवसर पर गांधी सभागार में आयोजित 'विकास चेतना पर्व एवं सम्मान समारोह 2026' में स्वदेशी जागरण मंच के अखिल भारतीय संगठक कश्मीरी लाल ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय को सही अर्थों में समझने के लिए समाज के अंतिम व्यक्ति की सेवा के प्रति संकल्पित होना होगा। इसके लिए केवल सहानुभूति से आगे बढ़कर समानुभूति को अपनाना होगा, तभी अंत्योदय की अवधारणा साकार हो सकेगी। उन्होंने कहा कि विकेंद्रीकरण और स्वदेशी के दो मंत्र भारत को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मुकेश पाण्डेय ने की। समारोह में दीनदयाल शोध संस्थान, चित्रकूट के संगठन सचिव अभय महाजन को 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय सेवा सम्मान' से सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि कश्मीरी लाल ने युवाओं से पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान करते हुए कहा कि उनका संपूर्ण जीवन एकाग्रता, समर्पण और विपरीत परिस्थितियों में दृढ़ संकल्प का उदाहरण रहा।

डिजिटल मीडिया के इस्तेमाल पर राष्ट्रीय नीति बनाने की जरूरत

नई दिल्ली। बच्चों को ऑनलाइन दुनिया के बढ़ते खतरों से बचाने के लिए डिजिटल मीडिया के इस्तेमाल पर राष्ट्रीय नीति बनाने की जरूरत बताई गई है। सेंटर फॉर लीगल एक्शन एंड बिहेवियर चेंज (सी-लैब) की रिपोर्ट 'प्रिवेंशन बाय डिजाइनः फ्रॉम वॉलंटरी सेल्फ-रेगुलेशन टू अ स्टेट ड्यूटी ऑफ केयर' में स्कूलों में स्मार्टफोन के इस्तेमाल पर स्पष्ट पाबंदी लगाने और बच्चों के लिए उम्र के आधार पर ऑनलाइन प्लेटफॉर्म तक पहुंच तय करने की सिफारिश की गई है। न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान आयोजित एक कार्यक्रम में जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा की जिम्मेदारी डिजिटल प्लेटफॉर्म की होनी चाहिए।

महाराष्ट्र के 265 तालुकों को सीएम फडणवीस ने किया सूखा घोषित

सूखे से निपटने के कई उपायों की घोषणा

एजेंसी

मुंबई । महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सूखे से प्रभावित किसानों और नागरिकों के लिए एक बड़ा फैसला लिया है। राज्य के 358 तालुकों (तहसील) में से 265 में सूखा घोषित किया गया है। जिन 265 तालुकों में 'ट्रिगर-1' के मानक पूरे हुए हैं, उन्हें सूखा-प्रभावित घोषित किया गया है। इससे पता चलता है कि राज्य के लगभग 75 प्रतिशत तालुकों में अब सूखे जैसे हालात हैं। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने सूखे से निपटने के कई उपायों की घोषणा की है। इसके तहत लैंड रेवेन्यू में छूट, फसल लोन का रीस्ट्रक्चर, खेती से जुड़े लोन की रिकवरी पर

रोक, खेती के पंपों के मौजूदा बिजली बिल में छूट (7.5 हॉर्सपावर कैपेसिटी वाले इलेक्ट्रिक पंपों का बिजली बिल पहले ही माफ है, अब उससे ज़्यादा कैपेसिटी वाले इलेक्ट्रिक पंपों को भी छूट), स्कूल-कॉलेज के छात्रों की परीक्षा शुल्क में छूट, एम्प्लॉयमेंट गारंटी स्कीम के तहत नियमों में ढील देकर अधिक से अधिक काम शुरू किए जाएंगे। इसके अलावा, जहां जरूरी होगा वहां पीने के टैंकर पहुंचाए जाएंगे। किसानों के खेती के पंपों का बिजली कनेक्शन नहीं काटा जाएगा, खेती पर निर्भर किसानों-खेती मजदूरों को अनाज मिलेगा, जानवरों के लिए चारे का इंतजाम, बड़े पैमाने पर पानी बचाने का काम किया जाएगा। पिछले आदेश के मुताबिक, पेयजल और जानवरों के लिए पानी की प्लानिंग जारी रहेगी। सभी डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर को पंचनामा प्रक्रिया तुरंत पूरा करने के आदेश दिए गए हैं। इसके साथ ही फसलों की हालत दिखाने वाली तस्वीरें और जीपीएस से डेटा इकट्ठा करने के आदेश जारी किए गए हैं।

इसके पहले 24 सितंबर वाशिम दौरे पर पहुंचे देवेंद्र फडणवीस ने घोषणा की थी कि राज्य सरकार जल्द ही प्रभावित इलाकों में गंभीर सूखा घोषित करने के लिए एक सरकारी आदेश (जीआर) जारी करेगी। साथ ही, खेती-किसानी के बढ़ते संकट से जूझ रहे राज्य में उन सभी पात्र किसानों को फसल कर्ज माफी का लाभ दिया जाएगा।

ग्रेटर नोएडा बस हादसाः मां को बचाने में इंजीनियर बेटे ने गंवा दी जान, अग्निकांड में मरने वाले सभी नौ की पहचान

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के यमुना एक्सप्रेसवे पर 23 सितंबर की देर रात चलती स्लीपर बस में लगी आग के हादसे में जान गंवाने वाले सभी नौ यात्रियों की पहचान हो गई है। महोबा निवासी सुनीता गुप्ता (50) और बेटे शशांक गुप्ता तथा नोएडा निवासी ओमप्रकाश के शव की शिनाख्त हुई। गुरुग्राम में इंडिगो एयरलाइंस में सॉफ्टवेयर इंजीनियर शशांक अपनी मां संग गुरुग्राम से महोबा लौट रहे थे। हादसे के बाद दोनों लापता थे। परिजनों के अनुसार, चलने-फिरने में असमर्थ मां को बचाने के

प्रयास में शशांक भी बस से बाहर नहीं निकल सके और दोनों की आग की चपेट में आने से मौत हो गई। वहीं, ओमप्रकाश की पहचान उनके गले में पहनी चेन के आधार पर की गई। परिजनों के मुताबिक, सुनीता गुप्ता करीब एक महीने से अपने बेटे शशांक के साथ गुरुग्राम में रह रही थीं। पैरों और घुटनों की बीमारी के कारण वह चलने-फिरने में असमर्थ थीं और उनका इलाज चल रहा था। परिवार के एक रिश्तेदार को हार्ट अटैक आने के बाद शशांक अपनी मां को लेकर महोबा लौट रहे थे।

भारत और जापान ने वन प्रबंधन क्षमता को मजबूत करने के लिए शुरू किया प्रोजेक्ट

यह प्रोजेक्ट सभी राज्यों को कवर करेगा, जिसमें नए भाग लेने वाले राज्यों को प्राथमिकता दी जाएगी।

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी (जेआईसीए) के सहयोग से मंत्रालय द्वारा आयोजित 'प्रभावी वन प्रबंधन प्रोजेक्ट के लिए क्षमता वृद्धि' पर एक वर्कशॉप का उद्घाटन किया। 2025-26 से 2031-32 तक लागू होने वाले इस प्रोजेक्ट का मकसद वन और वन्यजीव प्रबंधन की बदलती जरूरतों, जलवायु चुनौतियों और पर्यावरण से जुड़ी नई चिंताओं से निपटने के लिए फ्रंटलाइन वन कर्मियों की क्षमता को बढ़ाना है। वर्कशॉप को संबोधित करते हुए यादव ने कहा कि जलवायु कार्रवाई, जैव विविधता संरक्षण और वनों पर निर्भर समुदायों की आजीविका के लिए जंगल बहुत ज़रूरी हैं। उन्होंने वन कर्मियों की तकनीकी और फील्ड-लेवल क्षमताओं को मजबूत करने की जरूरत पर जोर दिया, खासकर जंगल की आग के प्रबंधन, जैव विविधता संरक्षण और जलवायु कार्रवाई जैसे क्षेत्रों में। मंत्री ने क्षेत्र-विशिष्ट ट्रेनिंग मॉड्यूल की मांग की, जिनमें पारंपरिक ज्ञान, वैज्ञानिक तरीकों और आधुनिक तकनीकों का मेल हो। उन्होंने रिसर्च और डेवलपमेंट, पायलट प्रोजेक्ट और वानिकी ट्रेनिंग संस्थानों को मज़बूत

करने को भी इस पहल के अहम हिस्से बताया। जेआईसीए इंडिया के सीनियर प्रतिनिधि ईजी वाकामात्सु ने कहा कि यह प्रोजेक्ट वैश्विक चुनौतियों के समाधान विकसित करने के लिए भारतीय और जापानी रिसर्च संस्थानों के बीच सहयोग को बढ़ावा देगा। उन्होंने कहा कि भारत के साथ जेआईसीए की वानिकी साझेदारी लगभग तीन दशकों से चल रही है और इससे सात लाख से ज्यादा लोगों को फायदा हुआ है। प्रोजेक्ट का दूसरा चरण लकड़ी के ट्रांसफॉर्मेशन और आजीविका पैदा करने, बेहतर वन प्रबंधन के लिए डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन और मिलकर किए जाने वाले एकेडमिक रिसर्च पर केंद्रित होगा। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के एडीजी (वन्यजीव) रमेश पांडे के अनुसार, इस प्रोजेक्ट का कुल बजट 537.10 करोड़ रुपये है, जिसमें जेआईसीए से 440.42 करोड़ रुपये और भारत सरकार से 96.68 करोड़ रुपये शामिल हैं। यह प्रोजेक्ट सभी राज्यों को कवर करेगा, जिसमें नए भाग लेने वाले राज्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। मंत्री भूपेंद्र यादव ने एक्स पर पोस्ट में कहा, 'दिल्ली में जेआईसीए की मदद से चल रहे 'कैपेसिटी एनहांसमेंट फॉर इफेक्टिव फॉरेस्ट मैनेजमेंट' (प्रभावी वन प्रबंधन के लिए क्षमता वृद्धि) प्रोजेक्ट की लॉन्च वर्कशॉप को संबोधित किया। इस बात पर ज़ोर दिया कि फ्रंट-लाइन कर्मचारियों की क्षमता बढ़ाना सिर्फ़ समय-समय पर क्लासरूम में दी जाने वाली ट्रेनिंग तक ही सीमित नहीं है, बल्कि उन्हें इस तरह तैयार किया जाना चाहिए कि वे फील्ड में वैज्ञानिक जानकारी, नई टेक्नोलॉजी और व्यावहारिक कौशल का इस्तेमाल कर सकें। साथ ही, स्थानीय समुदायों व अन्य संबंधित लोगों के साथ मिलकर काम करने की अपनी क्षमता को भी मजबूत कर सकें।' उन्होंने कहा, 'यह प्रोजेक्ट वन क्षेत्र में पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय और जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी (जेआईसीए) के बीच लंबे समय से चले आ रहे सहयोग में एक और अहम पड़ाव है।'

झारखंड में लगातार हो रही बारिश से जनजीवन प्रभावित

रांची और जमशेदपुर में स्कूल बंद

एजेंसी

रांची । तीन दिनों से राजधानी रांची सहित झारखंड के अन्य जिलों में हो रही बारिश से कई जगहों पर बाढ़ जैसे हालात हो गए हैं। शहर और गांवों में पानी भरने से आम जनजीवन प्रभावित है। बारिश को देखते हुए रांची और जमशेदपुर में प्रशासन ने शनिवार स्कूलों को बंद करने का निर्देश दिया है। मूसलाधार बारिश ने जमशेदपुर और आसपास के इलाकों में जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। लगातार वर्षा के कारण शहर की प्रमुख नदियां स्वर्णरिखा और खरकई खतरे के निशान को पार कर चुकी हैं, जिससे निचले क्षेत्रों में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। कई इलाकों में नदी का पानी प्रवेश कर गया है और लोगों के सामने सुरक्षित स्थानों पर जाने की नौबत आ गई है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए जिला प्रशासन ने एहतियातन सभी सरकारी और निजी स्कूलों को बंद रखने का निर्देश जारी किया है। प्रशासन लगातार हालात पर नजर बनाए हुए है और संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी बढ़ा दी गई है। मानगो, बागबेड़ा,

शास्त्रीनगर समेत नदी किनारे और निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह दी गई है। प्रशासन की ओर से लोगों को सतर्क रहने और अनावश्यक रूप से घरों से बाहर नहीं निकलने की अपील की गई है। शनिवार को बारिश की तीव्रता में कुछ कमी जरूर आई है, लेकिन खतरा अभी टला नहीं है। नदियों का जलस्तर लगातार ऊंचा बना हुआ है, जिससे प्रशासन अलर्ट मोड पर है। संभावित बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए राहत एवं बचाव दलों को तैयार रखा गया है। लगातार बारिश के कारण कई सड़कों पर जलजमाव की स्थिति उत्पन्न हो गई है, जिससे यातायात भी प्रभावित हुआ है। प्रशासन ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने तथा किसी भी आपात स्थिति में जिला नियंत्रण कक्ष और प्रशासनिक अधिकारियों से संपर्क करने की अपील की है। फिलहाल पूरे जिले में बाढ़ और बारिश को लेकर हाई अलर्ट जारी है।

राहुल गांधी के आरोपों पर सत्ता पक्ष का पलटवार, चिराग बोले-

मजबूती से अपना पक्ष रखे चुनाव आयोग

एजेंसी

नई दिल्ली । चुनाव आयोग और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर चल रहे विवाद के बीच राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। राहुल गांधी द्वारा दिए गए बयान ने इसे और हवा दे दी। अब सत्ता पक्ष और सहयोगी दलों ने इस पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। दरअसल, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा था कि वोट चोरी, कानून की चोरी है। ऐसे में चोरी के वोटों से चुने गए लोगों द्वारा बनाए गए कानून और संस्थागत बदलाव भी गैरकानूनी होंगे। उन्होंने कहा था कि ज्ञानेश कुमार को सरकारी गवाह बन जाना चाहिए। पटना में केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने मीडिया से कहा, 'अगर चुनाव आयोग पर सवाल उठाए जा रहे हैं, तो यह चुनाव आयोग और विशेष रूप से मुख्य चुनाव आयुक्त की भी जिम्मेदारी बनती है कि वे मजबूती से अपना पक्ष रखें। विपक्ष क्या कहता है, इसकी मुझे ज्यादा चिंता नहीं है। राजनीति करना विपक्ष का काम है। अगर वे आरोप नहीं लगाएंगे तो राजनीति कैसे करेंगे।'

उन्होंने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त को विपक्ष को खुश करने के लिए नहीं बल्कि जनता के मन में किसी भी तरह का संदेह न रहे, इसलिए अपनी बात मजबूती से रखनी चाहिए। चुनाव आयोग को लोगों का भरोसा बनाए रखना बेहद जरूरी है क्योंकि यदि चुनाव प्रक्रिया को लेकर ही आम जनता के मन में शक पैदा हो जाएगा, तो यह लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं होगा। वहीं, दिल्ली में भाजपा सांसद गुलाम अली खटाना ने राहुल गांधी के आरोपों को बेबुनियाद बताया। उन्होंने कहा, 'राहुल गांधी के आरोप पूरी तरह निराधार हैं। वे नहीं चाहते कि देश में पारदर्शिता आए। एक नागरिक का वोट एक ही जगह होना चाहिए और अवैध प्रवासियों के लिए देश में कोई जगह नहीं होनी चाहिए। इस दिशा में भारत निर्वाचन आयोग ने बहुत सराहनीय काम किया है। देश के संसाधनों पर हक केवल देश के नागरिकों का ही है।' जम्मू-कश्मीर में भाजपा विधायक विक्रम रंधावा ने कहा, 'राहुल गांधी क्या कहते हैं या क्या नहीं, इस पर मैं क्या टिप्पणी कर सकता हूं? हालांकि, उनकी अपनी कांग्रेस पार्टी के लोग ही उनके बयानों को गंभीरता से नहीं लेते हैं।'

फिरोजाबाद में गूंजी युवाओं की आवाज़, 'युवा नीति संवाद'

होप संस्था के आयोजन में शिक्षा, रोजगार और कौशल विकास पर हुआ गहरा मंथन

800 से अधिक युवाओं ने की सशक्त भागीदारी

एजेंसी

फिरोजाबाद। 'होप संस्था' (हाउस ऑफ पॉलिटिकल एम्पावरमेंट) के द्वारा शिकोहाबाद स्थित आराध्या गार्डन में 'युवा नीति संवाद- उत्तर प्रदेश (डिकोडिंग द ग्रासरूट्स)' का भव्य आयोजन किया गया। 'चर्चा, विचार-विमर्श और विकास' की थीम पर आधारित इस महासंवाद में 800 से अधिक युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। 'ज़मीनी स्तर की बातचीत से एक मज़बूत उत्तर प्रदेश की ओर' की मूल भावना के साथ आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं को नीति, विकास और लोकतांत्रिक चर्चा के केंद्र में लाना था। संवाद के दौरान शिक्षा, रोज़गार, कौशल विकास, उद्यमिता, तकनीक, सामाजिक सुरक्षा और स्थानीय विकास जैसे अहम विषयों पर

युवाओं ने अपनी नीतिगत प्राथमिकताओं पर खुलकर मंथन किया। कार्यक्रम में प्रमुख वक्ता के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रवक्ता होप संस्था के संस्थापक डॉ. दिग्विजय सिंह, हंसराज कॉलेज दिल्ली में प्रवक्ता डॉ. प्रभांशु ओझा, आदर्श कृष्ण कॉलेज, शिकोहाबाद के पूर्व प्राचार्य प्रो. मौकम सिंह, शिकोहाबाद के पालीवाल कॉलेज में प्रवक्ता डॉ. एमपी सिंह, अधिवक्ता राहुल यादव और पर्यावरणविद् दीपक गौरी ने शिरकत की।वक्ताओं ने स्पष्ट किया कि युवाओं को केवल सरकारी योजनाओं के लाभार्थी तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि नीति-निर्माण में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित होनी चाहिए। विविध सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि से आए युवाओं को विभिन्न सरकारी नीतियों, योजनाओं और विकास कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी गई। इसके साथ ही इन योजनाओं के प्रभाव और जमीनी स्तर पर इन्हें लागू करने में आ रही चुनौतियों की पहचान की गई। आयोजकों ने आश्वस्त किया कि इस संवाद से प्राप्त सुझावों को नीति-निर्माण से जुड़े संबंधित मंचों और सरकार तक पहुंचाया जाएगा। प्रवक्ता डॉ. प्रभांशु ओझा ने कहा कि समाज में कोई भी नई क्रांति और रचनात्मकता युवाओं की ही देन है। राजनैतिक जागरूकता के बिना अन्य सभी जागरूकताएं अधूरी हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नए भारत के निर्माण के सपने में युवाओं की अहम भूमिका है। सरकार की मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना का लाभ उठाकर गांव-देहात के युवा भी यूपीएससी जैसी परीक्षाएं पास कर रहे हैं।

योगी सरकार की पुलिस की संवेदनशील पहल

अनाथ हुए बच्चों को जिले के सभी पुलिसकर्मी अपने वेतन से देंगे सहायता

एजेंसी

लखनऊ/आजमगढ़। योगी सरकार में उत्तर प्रदेश पुलिस की पेशेवर दक्षता के साथ उसका मानवीय चेहरा भी सामने आया। आजमगढ़ के बड़े रेस्क्यू मिशन में पुलिस ने करीब 7-8 घंटे चले संवेदनशील ऑपरेशन के बाद दो मासूम बच्चियों की जान बचाई। अब पुलिस परिवार उनके सुरक्षित भविष्य के लिए भी आगे आया है। एसएसपी डॉ. अनिल कुमार ने अपने एक महीने और पुलिसकर्मी ने एक दिन का वेतन बच्चियों के भविष्य के लिए देने का एलान किया है। यह राशि दोनों बच्चियों के नाम एफडी के रूप में जमा कराई जाएगी। वहीं डीजीपी राजीव कृष्ण ने आजमगढ़ पुलिस की सूझबूझ भरी कार्रवाई और मानवीय पहलू की सराहना की है। यूपी पुलिस के मुताबिक, घटना में अरविंद, उनकी पत्नी और 9 वर्षीय पुत्र की मृत्यु के बाद परिवार में वृद्ध माता और दो बच्चियां रह गई हैं। दोनों बच्चियां फिलहाल अपने परिजनों के साथ स्वस्थ और सकुशल हैं। पुलिस उनके शिक्षा और पालन-पोषण में हरसंभव सहयोग कर रही है। घटना से हुए मानसिक आघात को देखते हुए 11 वर्षीय बच्ची के लिए चाइल्ड साइकेट्रिस्ट से परामर्श और आवश्यक मनोवैज्ञानिक सहयोग की व्यवस्था भी की जा रही है।

पुलिस के मुताबिक घटना में जान गंवाने वाले धर्मेंद्र पाठक और अखिलेश मिश्रा के परिजनों को पात्रतानुसार सरकारी सहायता दिलाने के लिए एसएसपी ने जिलाधिकारी से बात की। पुलिस आवश्यक जानकारी और बैंक खातों का विवरण लेकर जिला प्रशासन के माध्यम से सहायता दिलाने में सहयोग करेगी। दोनों परिवारों को राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना के तहत पात्रतानुसार आर्थिक सहायता दिलाने की कार्रवाई भी की जा रही है। इसके साथ ही दोनों बच्चियों को मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के तहत पात्रतानुसार सहायता दिलाने व वृद्ध माता को वृद्धावस्था पेंशन और अन्य पात्र सदस्यों को संबंधित कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए जिला प्रशासन से समन्वय किया गया है।

हत्याओं के बाद करीब 8 घंटे तक बच्चों के कैद कर बैठा था अरविंद

यूपी पुलिस के मुताबिक 22/23 सितंबर 2026 की रात आजमगढ़ के थाना आहरौला क्षेत्रांतर्गत ग्राम शम्भूपुर में तीन व्यक्तियों की हत्या के बाद आरोपी अरविंद अपने तीन बच्चों एवं लाइसेंसी रिवॉल्वर के साथ एक कमरे में बंद हो गया था। बच्चों की जान को खतरा देखते हुए पुलिस ने रेस्क्यू ऑपरेशन की रणनीति तैयार की। करीब 7-8 घंटे तक लगातार बातचीत के बाद आरोपी को आत्मसमर्पण करने व बच्चों को सुरक्षित बाहर भेजने के लिए कहा गया। इस दौरान आपात स्थिति के लिए एटीएस भी मौके पर मौजूद थी। इसी बीच देर रात कमरे के अंदर गोली चलने की आवाज आई, जिसे सुनते ही बच्चों की जान पर बचाने के लिए एसएसपी आजमगढ़ डॉ. अनिल कुमार, एसओजी प्रभारी संजय सिंह एवं आरक्षी प्रदीप दरवाजा तोड़कर कमरे में गए। पुलिस को देखते ही आरोपी ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने दोनों बच्चियों को किसी तरह सकुशल बाहर निकाला। हालांकि 9 वर्षीय शौर्य को उसके पिता द्वारा चलाई गई गोली गई थी।

यूपी सरकार ने लॉन्च किया 'वन डिस्ट्रिक्ट वन कुज़ीन' का आधिकारिक पोर्टल

एजेंसी

नोएडा। उत्तर प्रदेश की समृद्ध पाक विरासत को देश-दुनिया तक पहुंचाने और स्थानीय स्वाद को वैश्विक पहचान दिलाने की दिशा में यूपी सरकार ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। 'वन डिस्ट्रिक्ट वन कुज़ीन' (ओडीओसी) के आधिकारिक डिजिटल पोर्टल 222.श्रस्रश्ष्-ह्वश्च.द्दश्0 का शुभारंभ किया गया। यह पोर्टल प्रदेश के सभी 75 जनपदों की विशिष्ट पाक परंपराओं, स्थानीय व्यंजनों, खाद्य उत्पादों और इससे जुड़े उद्यमियों को एक साझा डिजिटल मंच उपलब्ध कराएगा। उत्तर प्रदेश सूचना विभाग ने जारी एक प्रेस विज्ञप्ति मे बताया कि योगी सरकार की 'स्थानीय से वैश्विक' की सोच के अनुरूप तैयार किए गए इस प्लेटफॉर्म का उद्देश्य उत्तर प्रदेश की खान-पान की विविधता को केवल सांस्कृतिक पहचान तक सीमित न रखते हुए उसे पर्यटन, उद्यमिता, रोजगार, खाद्य प्रसंस्करण, ब्रांडिंग और बाजार विस्तार से जोड़ना है। इससे प्रदेश के स्थानीय खाद्य उद्यमियों, फूड वेंडर्स, खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों और निर्यातकों को नए बाजारों तक पहुंच बनाने में मदद मिलेगी। योगी सरकार की महत्वाकांक्षी वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट पहल ने प्रदेश के स्थानीय उत्पादों को देश और दुनिया में पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसी अनुभव को आगे बढ़ाते हुए ओडीओसी के माध्यम से अब प्रदेश की पारंपरिक पाक विरासत को भी व्यवस्थित पहचान और बाजार उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश में हर क्षेत्र की अपनी विशिष्ट खान-पान परंपरा है। ब्रज, अवध, बुंदेलखंड, पूर्वांचल, रुहेलखंड और पश्चिमी उत्तर प्रदेश की पाक विविधता प्रदेश की सांस्कृतिक समृद्धि को दर्शाती है। ओडीओसी इन स्थानीय स्वादों को डिजिटल माध्यम से व्यापक दर्शक वर्ग तक पहुंचाने का काम करेगा। ओडीओसी पोर्टल पर प्रदेश के विभिन्न जनपदों की विशिष्ट पाक परंपराओं और व्यंजनों से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराई गई है। नागरिकों के साथ-साथ देश-विदेश से आने वाले पर्यटक, खाद्य प्रेमी, खरीदार और कारोबारी भी इस मंच के माध्यम से उत्तर प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों के पारंपरिक स्वाद से परिचित हो सकेंगे। पोर्टल पर डिस्ट्रिक्ट कुज़ीन, स्टेकहोल्डर डायरेक्टरी, स्कीम्स एंड पॉलिसीज, इवेंट्स, गैलरी, वीडियो, सक्सेस स्टोरीज, प्रोडक्ट वीडियो और प्रोडक्ट डीएसआर जैसे विभिन्न सेक्शन उपलब्ध हैं।

भारत को एक दिन में कबड्डी के दो गोल्ड

एशियन गेम्स में महिला और पुरुष टीमें चैंपियन, दोनों ने फाइनल में ईरान को हराया

नागोया (एजेंसी)। भारत ने एशियन गेम्स में एक ही दिन कबड्डी के दोनों गोल्ड जीत लिए। महिला टीम ने फाइनल में ईरान को 37-34 से हराया। इसके बाद पुरुष टीम ने भी ईरान को 40-34 से हराकर गोल्ड अपने नाम किया। शनिवार को पुरुष टीम ने एशियन गेम्स में लगातार 10वीं बार मेडल जीता। महिला टीम ने लगातार 5वें एशियाड में मेडल हासिल किया।

ईरान ने पहले हाफ के आखिर में बढ़त बना ली और ब्रेक तक स्कोर 18-17 उसके पक्ष में था। दूसरे हाफ की शुरुआत में भी ईरान ने दबाव बनाए रखा, लेकिन भारत ने धीरे-धीरे मैच का रुख बदल दिया। सुमित ने डिफेंस में लगातार अहम टैकल किए, जबकि अर्जुन देशवाल ने रेडिंग में अंक जुटाए। भारत ने 21-21 की बराबरी के बाद बढ़त बनानी शुरू की।आखिर में भारत ने 40-34 से

जीत दर्ज कर गोल्ड मेडल अपने नाम कर लिया।

महिला टीम ने भी ईरान को हराया

महिला कबड्डी टीम ने ईरान को 37-34 से हराकर गोल्ड जीता था। भारत ने मुकाबले में कई मौकों पर बढ़त बनाई, लेकिन ईरान ने वापसी की कोशिश जारी रखी। आखिरी मिनटों में भारतीय डिफेंस ने बढ़त बनाए रखी और मैच 37-34 से अपने नाम किया।

पांड्या चोटिल होने के कारण न्यूजीलैंड दौरे से बाहर हुए

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या चोटिल होने के कारण 22 अक्टूबर से शुरु हो रहे न्यूजीलैंड दौरे से बाहर हो गये हैं। पांड्या जैसे अनुभवी खिलाड़ी का बाहर होना भारतीय टीम के लिए करारा झटका है। पांड्या के बाहर होने से टीम संयोजन पर भी विपरीत प्रभाव पड़ता है। प्राप्त मिली जानकारी के अनुसार, हार्दिक को ट्रेनिंग के दौरान दाहिनी पिंडली में चोट लगी थी। बीसीसीआई के अनुसार ताजा स्कैन में इस चोट की पुष्टि हुई है इसके कारण उन्हें कम से कम दो सप्ताह के पूर्ण आराम की सलाह दी गई है। बीसीसीआई की मेडिकल पैनल के प्रमुख, डॉक्टर दिनशॉ परदीवाला ने उनकी रिपोर्ट का आंकलन करते हुए कहा है कि अब वह रिहैबिलिटेशन कार्यक्रम में भाग लेंगे।

इस ऑलराउंडर को ये चोट ऐसे समय आई है जब वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की तैयारी कर रहे थे। उन्हें न्यूजीलैंड दौरे से ठीक पहले ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ छह अक्टूबर से शुरू होने वाली एकदिवसीय सीरीज के लिए भारत ए टीम में शामिल किया गया था, जिससे उनकी वापसी की उम्मीदें जग गई थीं। हालांकि, अब न्यूजीलैंड का दौरा इस ऑलराउंडर के बिना ही होगा। है।

गौरतलब है कि पंड्या लगातार चोट से जूझ रहे हैं, जिसने उनके अंतरराष्ट्रीय करियर पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। उन्हें एशियाई खेलों के लिए भी भेजा जाना था पर अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज से ठीक पहले फील्डिंग अभ्यास के दौरान उनके घुटने में दर्द उठा, जिसके बाद से ही वह मैदान से बाहर है। ताजा स्कैन में पिंडली की चोट का पता चला जिससे अब वह उबर रहे हैं। मार्च 2023 में अंतिम बार किसी भी फॉर्मेट में टीम इंडिया के लिए मैदान पर उतरने के बाद से से हार्दिक चोटों के कारण लगातार खेल से बाहर रहे हैं।

भारतीय एथलीट सावन ने मैराथन में रजत जीतकर बनाया रिकार्ड

–चार दशक के बाद इस स्पर्धा में पदक मिला

आइची (एजेंसी)। यहां जारी एशियाई खेलों में भारतीय एथलीट सावन बरवाल ने मैराथन दौड़ में पदक जीतने के साथ ही एक नया रिकार्ड बनाया है। इस स्पर्धा में सावन ने 2 घंटे 11 मिनट 36 सेकंड का समय निकालते हुए रजत पदक जीता। यह न केवल उनके व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को दर्शाता है, बल्कि इससे 44 साल के लंबे इंतजार के बाद भारत को मैराथन में पहला पदक मिला है। इससे पहले 1982 में भारत ने मैराथन में पदक जीता था। सावन ने 2:11:36 का सबसे कम समय निकालकर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी बनाया। इसी साल रॉटरडैम मैराथन में उन्होंने 2 घंटे 12 मिनट से कम समय में दौड़ पूरी कर शिवनाथ सिंह के 48 साल पुराने राष्ट्रीय रिकॉर्ड को तोड़ा था। यह सावन के करियर की केवल दूसरी मैराथन थी पर उन्होंने जापान के इचिताका यामाशिता के बाद दूसरा स्थान हासिल कर सभी को हैरान कर दिया।

एशियाई खेल 2026: निशानेबाजी में तिलोत्तमा, विदर्सा और आशी ने रजत पदक जीता

–50 मीटर राइफल थ्री पोजीशंस टीम स्पर्धा

नागोया (एजेंसी)। भारतीय महिला निशानेबाजों तिलोत्तमा सेन, विदर्सा विनोद और आशी चौकसी की तिकड़ी ने यहां जारी एशियाई खेलों में शानदर प्रदर्शन करते हुए 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशंस टीम स्पर्धा में रजत पदक जीता है। तिलोत्तमा, विदर्सा और आशी ने इस सफलता के साथ ही भारत की पदक तालिका में एक और पदक जोड़ा है। इस शानदार प्रदर्शन के साथ ही, तिलोत्तमा सेन और विदर्सा विनोद ने व्यक्तिगत स्पर्धा के फाइनल में भी प्रवेश किया है।

भारतीय निशानेबाज टीम ने कुल 1763 अंक हासिल कर दूसरा स्थान प्राप्त किया। इस स्पर्धा में चीन ने 1773 अंकों के साथ ही नया रिकॉर्ड बनाते हुए स्वर्ण पदक जीत जबकि कजाकिस्तान ने कांस्य पदक जीता। भारतीय तिकड़ी पूरे क्वालिफिकेशन राउंड के दौरान अपने प्रदर्शन से छायी रही। अलग-अलग पोजीशन में उनके द्वारा बनाए गए संयुक्त स्कोर से टीम को अच्छे स्कोर तक पहुंचाया। शुरुआती चरणों में तिलोत्तमा और आशी सबसे आगे के निशानेबाजों में शामिल थीं, वहीं विदर्सा ने मुश्किल शुरुआत के बाद शानदार वापसी करते हुए टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई।

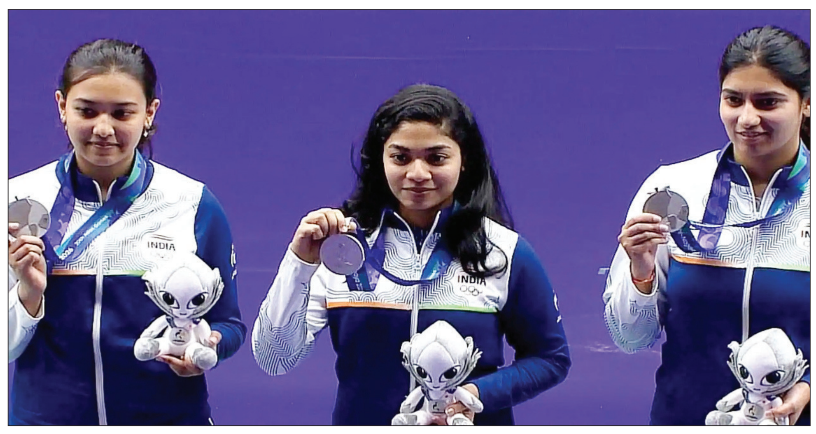

वहीं व्यक्तिगत प्रदर्शन की बात करें तो, विश्व में 107वीं रैंकिंग पर कायम तिलोत्तमा सेन ने कुल 590 अंक लेकर क्वालिफिकेशन में तीसरा स्थान हासिल किया। उन्होंने अपनी निरंतरता का अद्भुत प्रदर्शन करते हुए नीलिंग और प्रोन चरणों के बाद शीर्ष तीन में जगह बनाई। वहीं, विदर्सा विनोद ने 588 अंकों के साथ छठे स्थान पर रहते हुए व्यक्तिगत फाइनल में अपनी जगह बनायी। इसके अलावा आशी चौकसी ने भी टीम के लिए 585 अंक हासिल किये। ये टीम के रजत पदक जीतने में निर्णायक साबित हुए।

गौरतलब है कि क्वालिफिकेशन प्रारूप के अनुसार, निशानेबाजों को नीलिंग, प्रोन और स्टैंडिंग प्रत्येक पोजीशन में 20-20 शॉट लगाने होते हैं। तीनों खिलाड़ियों के संयुक्त स्कोर से टीम पदक तय होता है, जबकि व्यक्तिगत स्पर्धा में शीर्ष आठ खिलाड़ी फाइनल में पहुंचते हैं, जिसमें प्रत्येक देश से अधिकतम दो निशानेबाजों को ही क्वालिफाई करने की अनुमति होती है। व्यक्तिगत क्वालिफिकेशन में चीन की हान जियायू 594 अंकों के साथ शीर्ष पर रहीं, जबकि तिलोत्तमा के 590 अंकों ने उन्हें तीसरे स्थान पर रखा। टीम स्पर्धा में रजत पदक जीतने के बाद, अब सभी की निगाहें तिलोत्तमा और विदर्सा के व्यक्तिगत फाइनल पर टिकी हैं, जहां वे देश के लिए एक और पदक जीतने का प्रयास करेंगी।

एशियाई खेलों में गुलवीर ने रजत पदक जीता

आइची । भारतीय एथलीट गुलवीर सिंह ने एशियाई खेलों में पुरुषों की 10,000 मीटर स्पर्धा में रजत पदक जीता है। गुलवीर ने 28:29.38 का समय निकालकर पोडियम पर अपनी जगह पक्की करने के साथ ही भारत की पदक तालिका में एक रजत और जोड़ दिया। गुलवीर ने पिछले एशियाई खेलों में इसी स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था। पिछले संस्करण में उन्होंने इसी स्पर्धा में कांस्य पदक जीता है। पुरुषों की 10,000 मीटर दौड़ में गुलवीर ने 28:29.38 के समय के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। वहीं इस स्पर्धा का स्वर्ण पदक बहरीन के बिरहानु बालेव ने 28:27.51 के समय के साथ जीता, जबकि अल्बर्ट किप्टू ने 28:34.38 का समय निकालकर कांस्य पदक जीता।

एशियाई खेलों में वैभव को अंतिम ग्यारह में जगह मिलना तय : कैफ

-तिलक और शिवम को बाहर बैठा सकता है टीम प्रबंधन

मुम्बई । भारतीय टीम 28 सितंबर से एशियाई खेलों में अपना अभियान शुरु करेगी। भारतीय टीम को रैंकिंग के आधार पर सीधे क्वार्टर फाइनल में जगह दी गयी हे। वहीं पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ का मानना है कि इन खेलों में भारतीय टीम उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को जरुर अवसर देगी। इसके लिए भले ही उसे तिलका वर्मा या शिवम दूबे के बाहर बिठाना पड़े। कैफ ने टीम संयोजन को लेकर दिये बयान में कहा है युवा प्रतिभाशाली बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को लंबे समय तक अंतिम ग्यारह से बाहर नहीं रखा जा सकता। साथ ही कहा कि उन्हें टीम में जगह देने के लिए तिलक या शिवम जैसे खिलाड़ियों को भी बाहर किया जा सकता है। कैफ के अनुसार वैभव ने अब तक अपने करियर में जिस प्रकार का प्रदर्शन किया है उसे देखते हुए टीम प्रबंधन के लिए उन्हें लंबे समय तक बाहर रखना असंभव होगा। कैफ के अनुसार, टीम प्रबंधन का ध्यान इस बात पर नहीं होना चाहिए कि वैभव सूर्यवंशी के लिए अंतिम इलेवन में जगह है या नहीं, बल्कि इस पर होना चाहिए कि उन्हें टीम में कैसे फिट किया जाए। कैफ का मानना है कि इस बल्लेबाज को अंतिम ग्याहर में शामिल करने से भारतीय टीम को ही फायदा होगा। उन्होंने अगले छह महीनों में एक ऐसे संयोजनप की संभावना जताई जिसमें वैभव सूर्यवंशी, संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा तीनों एक साथ भारतीय टीम का हिस्सा हों। कैफ ने कहा कि अगर टीम प्रबंधन इस उभरते हुए खिलाड़ी को अंतिम ग्यारह में शामिल करना चाहता है, तो तिलक या शिवम में से किसी एक की जगह पर विचार किया जा सकता है। उन्होंने साथ ही कहा कि तिलक भले ही टीम के उप-कप्तान हों, भारतीय क्रिकेट में ऐसा कोई नियम नहीं है कि उप-कप्तान को अंतिम ग्याहर से बाहर नहीं किया जा सकता। टीम की जरूरत के हिसाब से यह फैसला लिया जा सकता है। वहीं, शिवम दुबे को लेकर कैफ का कहना था कि उनका उपयोग मुख्य रूप से बल्लेबाज के तौर पर हो रहा है, उनसे ज्यादा गेंदबाजी नहीं कराई जा रही और फील्डिंग भी उनकी कमजोर है। ऐसे में वैभव के लिए जगह बनाने की स्थिति में शिवम को बाहर बैठना पड़ सकता है।

अगले माह अज़रबैजान में खेला जाएगा पहला फीफा अंडर-15 विश्व कप फुटबॉल

भारतीय टीम भी भाग लेगी

बाकू (एजेंसी)। विश्व फुटबॉल की उभरती हुई प्रतिभाएं अब अज़रबैजान के बाकू में अगले माह होने होने वाले पहले फीफा अंडर-15 विश्व कप और फेस्टिवल अज़रबैजान 2026 में खेलती दिखेंगी। इसमें कुल 191 टीमें भाग लेंगी। भारतीय टीम भी इसमें भाग लेगी। भारतीय टीम ग्रुप के में रखा गया है। इसमें भारतीय टीम 24 से 26 अक्टूबर के बीच लाओस, कैमरून, ग्रेनाडा, बहरीन और सेनेगल से पांच मैच खेलेगी। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के अनुसार इस टूर्नामेंट से युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी पहचान बनाने का अवसर मिलेगा।भारतीय टीम 24 अक्टूबर को सुबह लाओस से खेलेग। इसके बाद, 25 अक्टूबर को भारत का मुकाबला कैमरून से और फिर ग्रेनाडा से होगा। योग्यता चरण 26 अक्टूबर

को दो मैचों के साथ समाप्त होगा। इसके बाद वह बहरीन और सेनेगल से खेलेगी। यह व्यस्त कार्यक्रम युवा खिलाड़ियों के लिए शारीरिक और मानसिक दोनों स्तरों पर एक बड़ी चुनौती पेश करेगा। ,

इस ऐतिहासिक टूर्नामेंट में कुल 191 राष्ट्रीय टीमें भाग ले रही हैं। ये 32 अलग-अलग ग्रुपों में बंटी हुई हैं। छह दिनों तक चलने वाले इस विशाल आयोजन में 20 पिचों पर कुल 943 रोमांचक मैच खेले जाएंगे। मैच 8वी8 (आठ बनाम आठ) फॉर्मेट में खेले जाएंगे, जिसमें 20-20 मिनट के दो हाफ होंगे और बीच में पांच मिनट का हाफ-टाइम ब्रेक होगा। पिच का आकार 68 मीटर गुणा 50 मीटर निर्धारित किया गया है, और पूरे मैच के दौरान रोलिंग सब्स्टिट्यूशन (लगातार खिलाड़ी बदलने की अनुमति) की सुविधा होगी, जिससे कोच अपनी रणनीति में लचीलापन रख सकेंगे और खिलाड़ियों को अधिकतम अवसर दे पाएंगे।। भारतीय दल 22 अक्टूबर को बाकू पहुंचेगा, जिसके बाद 23 अक्टूबर को आधिकारिक प्रशिक्षण सत्र होगा, जहां टीम अपनी रणनीति को अंतिम रूप देगी। योग्यता दौर 24 से 26 अक्टूबर तक चलेगा। 27 अक्टूबर को खिलाड़ियों को आराम का दिन मिलेगा, जिसके बाद टूर्नामेंट चरण 28 और 29 अक्टूबर को होगा। इस उद्घाटन समारोह का समापन 30 अक्टूबर को टियर फाइनल के साथ होगा, जहाँ युवा फुटबॉलरों का यह महाकुंभ अपने चरम पर पहुंचेगा।

अभी संन्यास नहीं लेंगे रोनाल्डो, पुर्तगाल के लिए खेलते रहेंगे

लिस्बन । फीफ विश्वकप फुटबॉल में पुर्तगाल टीम के खराब प्रदर्शन के बाद से ही अटकलें लगायी जा रही थीं कि टीम के कप्तान और स्टार खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो अब किसी भी समय संन्यास ले सकते हैं पर रोनाल्डो ने इससे इंकार किया है। इस फुटबॉलर का कहना है कि अभी उनका संन्यास लेने का कोई ईरादा नहीं है।

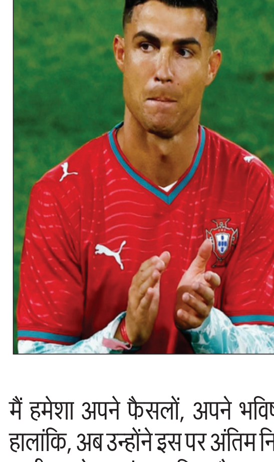

साथ ही कहा कि वह तब तक खेलते रहेंगे जब तक मैदान पर अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। रोनाल्डो ने हालांकि माना है कि विश्व कप में टीम की हार के बाद उन्होंने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लेने के बारे में गंभीरता से सोचा था, पर अब उनका पूरा ध्यान आगामी मुकाबलों में पुर्तगाल को जीत दिलाने और टीम के लक्ष्यों को हासिल करने पर केंद्रित है।रोनाल्डो ने बताया कि विश्व कप के अंतिम-16 में स्पेन के खिलाफ मिली हार के बाद उनके मन में अपने अंतरराष्ट्रीय करियर को खत्म करने का विचार आया था। उन्होंने कहा, हां, मैंने ऐसा सोचा था। मैं हमेशा अपने फैसलों, अपने भविष्य और वर्तमान के बारे में सोचता रहता हूं। हालांकि, अब उन्होंने इस पर अंतिम निर्णय ले लिया है और अपने देश के लिए खेलना जारी रखने का संकल्प लिया है।

इस 39 वर्षीय दिग्गज खिलाड़ी ने बताया कि उन्होंने इस महत्वपूर्ण निर्णय के बारे में देश के फुटबॉल संघ के अध्यक्ष और अपने पूर्व क्लब अल-नासर के कोच जॉर्ज जीसस से विस्तार से बातचीत के बाद फैसला किया है। जीसस, जिन्होंने हाल ही में मई में अल-नासर को सऊदी लीग का प्रतिष्ठित खिताब दिलाया था और रोनाल्डो की क्षमताओं से भली-भांति परिचित हैं, ने भी इस चर्चा में भाग लिया। रोनाल्डो ने कहा, मुझे अब भी पूरा विश्वास है कि मैं राष्ट्रीय टीम की मदद कर सकता हूं और उसे उसके निर्धारित लक्ष्य तक पहुंचा सकता हूं। मैं तब ही संन्यास लूंगा, जब मुझे यह महसूस होगा कि मैं टीम के लिए अब कुछ भी कर पाने में सक्षम नहीं हूं।अपने करियर में 1,000 गोल पूरे करने के बेहद करीब पहुंच चुके रोनाल्डो ने आगे कहा कि भले ही टीम में एक नई और युवा पीढ़ी का उदय हो रहा है, लेकिन उनके लिए सबसे महत्वपूर्ण बात मैदान पर उतरकर अपना शत-प्रतिशत देना, गोल दागना और अपनी टीम को मैच जिताने में हर संभव मदद करना है।वह 2025 में नेशंस लीग का खिताब दिलाने में भी अपनी अहम भूमिका निभाना चाहते हैं।

महिला क्रिकेटर फातिमा अब बाबर आजम से भी आगे निकली: वसीम

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद वसीम ने महिला क्रिकेट टीम के कप्तान फातिमा सना की जमकर तारीफ की है। वसीम ने कहा कि आज के समय में फातिमा पुरुष टीम के अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम से भी बेहतर है। साथ ही कहा कि अपने प्रदर्शन से उसने लोकप्रियता में बाकर को भी पीछे छोड़ दिया है। महिला टीम के कोच रहे वसीम ने कहा कि अगर क्रिकेट को गहराई से समझने वाले और जानकार दर्शकों के बीच फातिमा और बाबर की तुलना की जाए, तो फातिमा कहीं आगे खड़ी नज़र आती हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या बाबर पुरुष टीम में फातिमा के समकक्ष हैं, तो वसीम ने बिना किसी झिझक के फातिमा को इन सबसे ऊपर रखा। उन्होंने इस बात पर गर्व और दुख दोनों जताया कि फातिमा कई बार असाधारण प्रदर्शन करने के बावजूद हारने वाली टीम का हिस्सा बन जाती हैं। वसीम ने बताया कि हाल ही में उन्होंने एक टीवी एंकर को फातिमा को पाकिस्तान का सबसे लोकप्रिय क्रिकेटर बताते हुए सुना था, और वह इस बात से पूरी तरह सहमत हैं।

मोहम्मद वसीम के अनुसार, लोकप्रियता केवल नाम या पहचान से नहीं मिलती, बल्कि निरंतर और प्रभावी प्रदर्शन से बनती है। उन्होंने कहा कि फातिमा बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं, और अब जब पुरुष और महिला क्रिकेटरों को एक साथ देखा जा रहा है, तो अंतरराष्ट्रीय मीडिया में भी उनकी खूब तारीफ होती है। वहीं दूसरी ओर, पाकिस्तान के पुरुष क्रिकेट के कई बड़े नामों को मौजूदा समय में इस तरह की लगातार प्रशंसा नहीं मिल रही है, जिसके पीछे उनका मौजूदा प्रदर्शन भी एक बड़ी वजह है।

गौरतलब है कि फातिमा सना पाकिस्तान महिला टीम की कप्तान हैं और उन्हें दुनिया की बेहतरीन महिला हरफनमौला खिलाड़ियों में शामिल किया जाता है। उन्होंने अब तक 134 एकदिवसीय और टी20 अंतरराष्ट्रीय

मुकाबलों में कुल 157 विकेट अपने नाम किए हैं, जबकि निचले क्रम में बल्लेबाजी करते हुए 1500 से ज्यादा रन भी बनाए हैं। खास बात यह है कि पाकिस्तान महिला टीम को बड़े टूर्नामेंटों में भले ही लगातार सफलता न मिली हो, लेकिन फातिमा अपने गेंद और बल्ले दोनों से कई मौकों पर टीम के लिए सबसे प्रभावी खिलाड़ियों में से एक रही हैं।

स्क्वाश में जोशना और सेंथिलकुमार ने कांस्य जीता

नगोया। भारत की जोशना चिनप्पा और वेलवन सेंथिलकुमार की जोड़ी को एशियाई खेलों के मिश्रित युगल स्क्वाश के सेमीफाइनल में हांगकांग के तांग मिंग हांग और ली का यी से हारने के बाद कांस्य पदक ही मिल पाया। जोशना और सेंथिलकुमार की जोड़ी को तीन गेम के रोमांचक मुकाबले में (1-2) 10-11, 11-2, 10-11 से हार का सामना करना पड़ा है। .मिश्रित युगल के सेमीफाइनल में जोशना और सेंथिलकुमार की भारतीय जोड़ी ने पहले गेम में ली का यी और तांग मिंग हांग को कड़ी टक्कर दी पर अंत में उन्हें मामूली अंतर से हार का सामना करना पड़। इसके बाद जोशना और सेंथिलकुमार ने शानदार वापसी करते हुए दूसरा गेम जीत लिया. तीसरे गेम में भी कड़ी टक्कर देखने को मिली पर अंत में हांगकांग के खिलाड़ियों ने संयम से खेलते हुए जीत हासिल की। भारतीय जोड़ी ने इससे पहले फिलीपींस के डेविड पेलिनो और जेमिका अरिबाडो पर जीत हासिल करके सेमीफाइनल में प्रवेश कर अपना पदक पक्का किया है। जोशना का यह एशियाई खेलों में छठा पदक है।

वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले ही एकदिवसीय में रिकार्ड बना सकते हैं विराट और जडेजा

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। भारत और वेस्टइंडीज के बीच रविवार को यहां होने पहले एकदिवसीय क्रिकेट मैच में तीन बड़े रिकार्ड टूटने की संभावना है। इस मैच में भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और रवींद्र जडेजा बड़ी उपलब्धि हासिल कर सकते हैं। एकदिवसीय इतिहास में वेस्टइंडीज के खिलाफ सबसे ज्यादा शतक विराट कोहली ने लगाए हैं। उनके नाम 41 पारियों में 9 शतक हैं। वहीं 5 शतक के साथ बाबर आजम दूसरे स्थान पर हैं। अगर विराट पहले एकदिवसीय में 100 रन बना लेते हैं, तो वह वेस्टइंडीज के खिलाफ 10 शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बन जाएंगे। भारत और वेस्टइंडीज के बीच आज तक 142 एकदिवसीय मैच खेले गए हैं। दोनों देशों के आंकड़ों को मिलाकर देखा जाए, तो सबसे ज्यादा विकेट रवींद्र जडेजा और कोर्टनी वॉल्श ने लिए हैं। दोनों अभी 44 विकेट के साथ बराबरी पर हैं। ऐसे में जडेजा पहले एकदिवसीय मैच में एक विकेट लेते ही इस इंडीज टीम के खिलाफ सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले खिलाड़ी बन जाएंगे। जडेजा इसी सीरीज में वेस्टइंडीज के खिलाफ 50 एकदिवसीय विकेट पूरे करने वाले सबसे पहले भारतीय गेंदबाज बन सकते हैं। इसके लिए उन्हें 6 विकेट की जरुरत है।

वहीं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट इतिहास में कुल 20 खिलाड़ी 2000 या उससे ज्यादा चौके लगा चुके हैं। इसमें पांच भारतीय भी शामिली है। ऐसे में अगर रोहि इस सीरीज में 18 चौके और लगाने में सफल होते हैं तो 2000 चौके लगाने वाले छठे भारतीय बल्लेबाज बन जाएंगे। रोहित ने अभी तक 1982 चौके लगाये हैं।

पैन-इंडिया टैग हिंदी और बाकी भाषा की फिल्मों में फर्क पैदा करता है

तेलुगू सुपरस्टार घंटा नवीन बाबू उर्फ नानी जहां इन दिनों अपनी फिल्म 'द पैराडाइज' की रिलीज की तैयारी कर रहे हैं, वहीं उन्होंने भारतीय सिनेमा में सिर्फ साउथ इंडियन फिल्मों के लिए ही 'पैन-इंडिया' शब्द के इस्तेमाल पर आपत्ति जताई है। 42 साल के एक्टर ने इसे 'डबल स्टैंडर्ड' कहा है और सीधा सा तर्क दिया है कि यह दोहरा मापदंड है, जो हिंदी सिनेमा को फायदा पहुंचाता है। नानी ने चेन्नई में एक इवेंट में कहा कि साउथ इंडियन फिल्मों को एक ऐसे टैग में सीमित कर दिया गया है, जिससे लगता है कि उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर अपनी जगह साबित करने की जरूरत है।

नानी ग'द पैराडाइज' के प्रमोशन के लिए चेन्नई में थे। दो बार पोस्टपोन होने के बाद उनकी यह फिल्म अब 24 सितंबर को रिलीज हो गई है। इवेंट में प्रेस मीट के दौरान एक्टर ने कहा, 'जब कोई हिंदी फिल्म साउथ में सफल होती है, तो हम उसे हिंदी फिल्म ही कहते हैं। लेकिन जब कोई साउथ इंडियन फिल्म पूरे देश में सफल होती है, तो हम उसे पैन-इंडिया फिल्म कहते हैं। मैं अपनी फिल्मों को पैन-इंडिया फिल्म का लेबल नहीं देना चाहता।' 'दसारा' मूवी फेम एक्टर नानी ने आगे कहा कि उनके लिए मुद्दा सिर्फ एक शब्दावली का नहीं है। उनका मानना है कि यह टैग हिंदी सिनेमा और साउथ की फिल्मों के बीच अनजाने में ही एक फर्क पैदा करता है। जबकि भले ही दोनों फिल्में पूरे देश के दर्शकों तक पहुंचती हों। नानी ने कहा कि उन्हें 'पैन-इंडिया फिल्म' वाले टैग से चिढ़ है। वह बोले, 'मैं फिल्मों पर उसकी कहानी के दम पर चर्चा होते देखना पसंद करूंगा, न कि किसी ऐसे टैग के जरिए जो यह संकेत दे कि किसी क्षेत्रीय फिल्म ने अपनी मूल भाषा से बाहर दर्शक पाकर कुछ असाधारण हासिल किया है।'

नानी की यह बात ऐसे समय में आई है, जब बड़े बजट की तेलुगू, तमिल, कन्नड़ और मलयालम फिल्में डब वर्जन में एकसाथ कई भाषाओं में रिलीज हो रही हैं। खुद उनकी नई रिलीज 'द पैराडाइज' की सभी 5 भाषाओं में रिलीज की तैयारी कर रही है।

तमिल सिनेमा मेरे लिए बाइबिल की तरह

एक्टर नानी ने इवेंट बताया कि एक बड़े तेलुगू स्टार बनने से बहुत पहले ही, तमिल सिनेमा का उन पर कितना गहरा असर पड़ा था। उन्होंने कहा, 'तमिल सिनेमा मेरे लिए बाइबिल की तरह है। सिनेमा के प्रति मेरी जानकारी, प्यार और दिलचस्पी यहीं से शुरू हुई। कमल हासन सर, मणि सर, भारतीराजा सर, भाग्यराज सर और ऐसे ही कई दिग्गजों को देखकर, जिन्होंने सिनेमा को देखने का मेरा नजरिया बनाया।'

नानी की दो तमिल फिल्में, दोनों फ्लॉप

नानी ने अपने करियर में अब तक दो तमिल फिल्मों, 'वेप्पम' और 'आहा कल्याणम' में काम किया है। हालांकि, दोनों ही फ्लॉप रही हैं। एक्टर ने कहा, 'मैंने दो तमिल फिल्में की हैं, लेकिन बदकिस्मती से दोनों ही नहीं चलीं। हालांकि, मेरी जो भी तेलुगू फिल्में तमिल में डब होती हैं, उन्हें तमिल दर्शक बहुत पसंद करते हैं। मैं सच में तमिल सिनेमा में एक अच्छी फिल्म बनाना चाहता हूं। और मणि रत्नम के साथ काम करना मेरा सपना है।'

बिना ट्रेलर के ही सिनेमाघरों में रिलीज हुई 'द पैराडाइज'

'द पैराडाइज' फिल्म का रनटाइम 2 घंटे 49 मिनट है। लेकिन सबसे दिलचस्प बात यह है कि मेकर्स ने फिल्म का ट्रेलर नहीं रिलीज करने का फैसला किया है। यानी बिना ट्रेलर के ही यह फिल्म सीधे 24 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। असल में फिल्म के पोस्ट-प्रोडक्शन का कुछ काम अभी भी बाकी है। ऐसे में मेकर्स रिलीज की डेडलाइन मिस नहीं करना चाहते और ट्रेलर एडिट में अपना समय खर्चने से बच रहे हैं।

सभी भाषाओं को अपनी भाषा मानती हूं

भाषा मेरे करियर में कभी रुकावट नहीं बनी

एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना ने अलग-अलग फिल्म इंडस्ट्री में काम करने के दौरान अपने एक्सेंट और भाषा को लेकर होने वाली ट्रोलिंग पर जवाब दिया। उन्होंने कहा कि वह किसी एक भाषा में जरूरी नहीं कि बहुत अच्छी हों। उनका सफर अलग-अलग भाषाओं और किरदारों के हिसाब से लगातार ढलने का रहा है। इंटरव्यू में रश्मिका ने कहा कि वह हर भाषा को अपनी भाषा मानती हैं। रश्मिका ने कहा, 'मैं कोडवा हूं और कोडवा तक्क बोलती हूं। मेरी मातृभाषा के लिए कोई फिल्म इंडस्ट्री नहीं है। इसलिए भाषा मेरे करियर में कभी रुकावट नहीं बनी।' उन्होंने कहा, 'मैं सभी भाषाओं को अपनी भाषा मानती हूं। मेरे फैंस, जिन्हें मैं अपना परिवार कहती हूं, उन्होंने सबसे पहले मुझसे तेलुगु फिल्म करने को कहा था।' रश्मिका ने बताया कि हिंदी को लेकर भी ऐसा ही हुआ। इसी तरह उनका करियर अलग-अलग भाषाओं में आगे बढ़ता गया। जब उनसे एक्सेंट को लेकर लोगों की प्रतिक्रियाओं के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि अलग तरह से बोलने को लेकर लोगों की राय सुनने की अब उन्हें आदत हो गई है। रश्मिका ने कहा, 'जब तक मैं किसी भाषा में पूछे गए सवालों का जवाब दे सकती हूं, तब तक ठीक है। इसी तरह मैं दुनिया के अलग-अलग हिस्सों से आए अपने दर्शकों का सम्मान करती हूं।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं हर काम में हाथ आजमाने वाली हूं, लेकिन किसी एक काम में मास्टर नहीं हूं।

रश्मिका फिल्मों पर फोकस रखती हैं

रश्मिका ने कहा कि फिल्मों में अपने एक्सेंट को लेकर होने वाली बेवजह की चर्चाओं पर वह ज्यादा ध्यान नहीं देतीं। इसके बजाय, वह अपने किरदार को पूरी क्षमता से निभाने पर ध्यान देती हैं। उन्होंने कहा, 'एक्ट्रेस के तौर पर मेरा काम सेट पर अच्छी कहानियां सुनाना और फिर वापस आना है। हर फिल्म के साथ मेरा मानना है कि हममें से सबसे अच्छा हिस्सा कुछ जादुई बनाने के लिए साथ आता है।' रश्मिका ने कहा, 'मैं अपने काम पर ध्यान देती हूं। फिल्म का नतीजा इन सभी लोगों की ऊर्जा के साथ आने का परिणाम होता है।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं किसी के काम में दखल नहीं देना चाहती। मैं सिर्फ एक एक्ट्रेस के तौर पर अपना सबसे अच्छा प्रदर्शन देने पर ध्यान देती हूं।'

इन फिल्मों में नजर आएंगी

वर्कफ्रंट की बात करें तो वह आखिरी बार हिंदी फिल्म 'कॉकटेल 2' में नजर आई थीं। वहीं, रश्मिका की साल 2025 में पांच फिल्में रिलीज हुईं। उन्होंने हिंदी फिल्म 'छावा' में महारानी येसूबाई का किरदार निभाया। इसके बाद वह 'सिकंदर' में सैसरी राजकोट की भूमिका में नजर आईं। वहीं, रश्मिका ने तेलुगु-तमिल द्विभाषी फिल्म 'कुबेरा' और हिंदी फिल्म 'थामा' में भी काम किया। इसके अलावा वह तेलुगु फिल्म 'द गर्लफ्रेंड' में भी नजर आईं। रश्मिका मंदाना जल्द अपने पति विजय देवरकोंडा के साथ फिल्म 'रणबाली' में दिखाई देंगी। यह फिल्म 16 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

संजय लीला भंसाली के साथ काम कर सकते हैं महेश बाबू

महेश बाबू अपनी अपकमिंग फिल्म 'वाराणसी' को लेकर चर्चा में हैं। इसके निर्देशक एसएस राजामौली हैं। अब खबर आ रही है कि वह बॉलीवुड के मशहूर फिल्ममेकर संजय लीला भंसाली के साथ काम कर सकते हैं। उम्मीद है कि उनकी अगली फिल्म भंसाली के साथ होगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक संजय लीला भंसाली और महेश बाबू हाल ही में मिले और एक फिल्म की कहानी पर चर्चा की। बताया जाता है कि इस प्रोजेक्ट में शानदार सेट और संजय की फिल्मों वाली खास विजुअलाइजेशन देखने को मिलेगी। हालांकि, इस बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। न ही निर्देशक और न ही अभिनेता ने इस पर कुछ कहा है।

अभी क्या कर रहे हैं संजय लीला भंसाली?

संजय लीला भंसाली फिलहाल अपनी अपकमिंग फिल्म 'लव एंड वॉर' में व्यस्त हैं। इसमें आलिया भट्ट, रणबीर कपूर और विक्की कौशल हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक यह फिल्म एक पीरियड ड्रामा है। 'लव एंड वॉर' 2027 में रिलीज होने वाली है।

महेश बाबू ने शुरू की डबिंग

इस बीच महेश बाबू अभी 'वाराणसी' की शूटिंग पर ध्यान दे रहे हैं। यह फिल्म 2027 में रिलीज होगी। खबरों के मुताबिक अभिनेता ने फिल्म में अपने ज्यादातर हिस्से की शूटिंग पूरी कर ली है और बाकी हिस्सा, जो उनका इंट्रोडक्शन सीन है, बाद में शूट करेंगे। खबर है कि उन्होंने अपने किरदार के लिए डबिंग भी शुरू कर दी है।

प्रियंका और पृथ्वीराज ने कितनी शूटिंग पूरी की?

रिपोर्ट्स में यह भी कहा गया है कि प्रियंका चोपड़ा ने भी अपने ज्यादातर हिस्से की शूटिंग पूरी कर ली है। जबकि पृथ्वीराज सुकुमारन ने भी इस साल की शुरुआत में एक शेड्यूल की शूटिंग पूरी कर ली थी।

'वाइब' के बाद कुणाल खेमू का इमोशनल पोस्ट

अभिनेता कुणाल खेमू की कॉमेडी, एक्शन और जासूसी थ्रिलर फिल्म 'वाइब' सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। इस फिल्म के जरिए अभिनेता ने एक्टिंग, राइटिंग, डायरेक्टिंग और प्रोड्यूसिंग में हाथ आजमाया है। अभिनेता का मानना है कि इस फिल्म के जरिए उन्होंने अलग दिशा में सभी को एंटरटेन करने की कोशिश की है। अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर फिल्म के सीन्स को शेयर किया है, जिसमें फिल्म का गाना वाइब ऐड किया है। कुणाल खेमू ने वीडियो शेयर कर लिखा, 'हार्दिक (कुणाम खेमू किरदार का नाम) की शुभकामनाएं। अपनी पूरी टीम के साथ आने और माहौल बनाने के लिए दिल से शुक्रिया। अगर अभी तक किसी ने फिल्म नहीं देखी है, तो अपने प्लान में इसे जरूर शामिल करें और 'साथ मिलकर हम करेंगे और कर सकते हैं' (थोड़ा मेटा है, समझने वाले समझ जाएंगे)।' अभिनेता ने बताया कि उन्होंने इस फिल्म के जरिए कुछ अलग करने की कोशिश की है। उन्होंने लिखा, 'कुछ अलग और नया करने की ये एक जर्नी रही है। एक्टिंग, राइटिंग, डायरेक्टिंग, प्रोड्यूसिंग। यकीन मानिए, मुझे आगे बढ़ाने वाली सिर्फ एक चीज है- फिल्मों के लिए मेरा कभी न खत्म होने वाला प्यार और आप सभी का शानदार प्यार और सपोर्ट जो आप हमेशा दिखाते आए हैं। मैं बस आपको एंटरटेन करना चाहता हूं और आपको गर्व महसूस कराना चाहता हूं, तो ये जान लीजिए, मैं आपका सारा प्यार देखता हूं और आपके सारे फीडबैक सुनता हूं।'

आईएमडीबी की मोस्ट पॉपुलर इंडियन सेलिब्रिटीज में शामिल संदीपा धर

अभिनेत्री संदीपा धर ने आईएएमडीबी की टॉप 10 मोस्ट पॉपुलर इंडियन सेलिब्रिटीज लिस्ट में जगह बनाई है। वह इस सूची में नौवें स्थान पर हैं, जो उनके लिए एक और बड़ी उपलब्धि है। इस खास मौके को संदीपा ने अपने मजेदार अंदाज में सेलिब्रेट किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर आईएएमडीबी की इस उपलब्धि को शेयर करते हुए लिखा है, 'चुंबक अपना जादू चला रहा है.' यह रैंकिंग ऐसे समय में आई है, जब संदीपा का नया प्रोजेक्ट 'चुंबक' दर्शकों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। फिलहाल इस प्रोजेक्ट में उनके काम को काफी सराहा जा रहा है, जिससे उन्हें और ज्यादा पहचान मिल रही है। वर्कफ्रंट की बात करें तो संदीपा लगातार अलग-अलग तरह के किरदारों और प्रोजेक्ट्स के साथ प्रयोग कर रही हैं। फिलहाल 'चुंबक' को मिल रहे शानदार रिस्पॉन्स के बीच आईएमडीबी की टॉप 10 लिस्ट में उनकी एंट्री उनके काम को मिल रहे बढ़ते प्यार और इंडस्ट्री में उनकी मजबूत मौजूदगी को दर्शा रही है।

अफेयर की खबरों पर एल्विश यादव ने तोड़ी चुप्पी

यूट्यूबर एल्विश यादव पिछले काफी समय से अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। दरअसल, उन्हें अपने हालिया बर्थडे सेलिब्रेशन के बाद एक मिस्ट्री गर्ल के साथ निकलते हुए देखा गया। ऐसे में दोनों के रिश्ते को लेकर अटकलें शुरू हो गईं। अब इस पर रियलिटी टीवी स्टार एल्विश ने चुप्पी तोड़ी है और साथ ही यह भी कहा कि एक वायरल क्लिप के आधार पर उनका नाम उस लड़की के साथ जोड़ना बंद करें। इसके अलावा यूट्यूबर ने दोनों का रिश्ता भी अब खुद ही बता दिया है।

अफवाहों पर सफाई देते हुए एल्विश ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर एक पोस्ट शेयर किया। उन्होंने लड़की के साथ अपना नाम जोड़े जाने पर नाराजगी जताई और साफ किया कि वह उनकी सिर्फ एक कॉमन फ्रेंड हैं। उन्होंने लोगों से एक छोटी सी वीडियो क्लिप देखकर किसी नतीजे पर न पहुंचने की अपील भी की। एल्विश ने पोस्ट में लिखा, 'बस साफ कर दूं कि वह लड़की मेरी एक कॉमन दोस्त है। अलग एंगल से लिए गए क्लिप के आधार पर मेरा नाम उसके साथ जोड़ना बंद करें। लोग सच जाने बिना ही बहुत जल्दी राय बना लेते हैं। प्लीज हमारी पर्सनल जिंदगी का सम्मान करें और कयास लगाना बंद करें।' सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें एल्विश अपनी बर्थडे पार्टी से एक लड़की के साथ बाहर निकलते नजर आए थे। लड़की ने कैजुअल ब्लैक आउटफिट पहना हुआ था। यूट्यूबर के साथ बाहर निकलने के दौरान वह पैपराजी से अपना चेहरा छिपाती हुई नजर आई थीं। एल्विश ने अपनी पहचान यूट्यूबर के तौर पर बनाई थी। फिर उन्हें साल 2023 में 'बिग बॉस ओटीटी' सीजन 2 में देखा गया। एल्विश ने इस सीजन का खिताब भी अपने नाम किया, जिसके बाद उन्हें बड़ी पहचान मिली। वह इस रियलिटी शो को जीतने वाले पहले वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट बने थे। इसके अलावा एल्विश 'प्लेग्राउंड' और 'लाफ्टर शेफ्स' जैसे शोज में भी नजर आ चुके हैं।

क्या आप अपने नए घर को पेंट करवाने का सोच रहे हैं?

क्या आप अपने नए घर को पेंट करवाने का सोच रहे हैं? या अपने पुराने आशियाने को ही नई रंगत देकर नया लुक देना चाहते हैं? यदि हां, तो आपकी घर की दीवारों को पेंट करवाने से पहले ये जरूर जान लीजिए कि किन रंगों से महकेगा आपका आशियाना। घर की साज-सज्जा एवं रंग-रोगन के लिए दिशा के अनुसार चुनें इन 5 समृद्धिदायक रंगों को, और पाएं वर्ष भर खुशहाली व सुख-समृद्धि। जानें कैसे करें रंगों का चुनाव...

हिन्दू धर्म के सबसे बड़े त्योहार दीपावली के लिए कई दिन पहले से घर में साफ–सफाई और रंग–रोगन का दौर शुरू हो जाता है। घर में सुख शांति और प्रसन्नता का वातावरण बना रहे इसलिए कई लोग घर की साज–सज्जा व रंगाई के लिए वास्तु और फेंगशुई के टिप्स भी आजमाते हैं।

- घर का बैठक कक्ष सबसे अहम होता है, इसलिए यहां की दीवारों पर विशेष तौर पर ध्यान देने की जरूरत होती है। यहां पर भूरा, गुलाबी, सफेद या क्रीम कलर सबसे अच्छा माना जाता है। यहां पर इन रंगों के परदे या तकिए कवर का इस्तेमाल भी शुभ फल देता है।
- भोजन कक्ष को रंगवाते समय आसमानी, हल्का हरा व गुलाबी रंग करवा सकते हैं। इससे हमेशा ऊर्जा व ताजगी का संचार होता है और सकारात्मकता बनी रहती है।
- रसोईघर में सफेद रंग हमेशा अच्छा माना जाता है। हांलांकि यह गंदा भी बहुत जल्दी होता है, लेकिन अगर आप नियमित तौर पर सफाई बनाएं रखें तो यह बहुत ही सकारात्मक प्रभाव छोड़ता है।
- बाथरूम या शौचालय के लिए हल्का गुलाबी या फिर सफेद रंग ही सबसे बेहतर होते हैं। खास तौर से बाथरूम में गुलाबी रंग का प्रयोग ताजगी बनाए रखता है और आप आंतरिक खुशी महसूस करते हैं।
- शयन कक्ष भी काफी महत्वपूर्ण होता है, यहां पर भी आप हल्का हरा, आसमानी, गुलाबी जैसे रंगों को इस्तेमाल कर सकते हैं, जिन्हें देखकर मन हमेशा प्रसन्न रहे। इससे आपके रिश्तों में भी मधुरता आती है।
- पीला रंग सुकून व रोशनी देने वाला रंग होता है। घर के ड्राइंग रूम, ऑफिस आदि की दीवारों पर यदि आप पीला रंग करवाते हैं तो वास्तु के अनुसार यह शुभ होता है।
- अपनी आर्थिक स्थिति में सुधार लाने के लिए आपको अपने कमरे की उत्तरी दीवार पर हरा रंग करना चाहिए।
- आसमानी रंग जल तत्व को इंगित करता है। घर की उत्तरी दीवार को इस रंग से रंगवाना चाहिए।
- घर के खिड़की दरवाजे हमेशा गहरे रंगों से रंगवाएं। बेहतर होगा कि आप इन्हें डार्क ब्राउन रंग से रंगवाएं।
- जहां तक संभव हो सके घर को रंगवाने हेतु हमेशा हल्के रंगों का प्रयोग करें।

क्या है बच्चों की मालिश का परफेक्ट तरीका

कोरोनाकाल में घर से लेकर ऑफिस तक के काम का दबाव बढ़ गया है। ऐसे में रात में बच्चों को सुलाने में मशक्कत करनी पड़े तो मन में खीज पैदा होना लाजिमी है। अगर काफी देर तक घुमाने-टहलाने और लोरी सुनाने के बाद भी आपके लाडले की आंखों में नींद नहीं भरती तो परेशान मत होइए। लंदन के मशहूर मसाज विशेषज्ञ ने मालिश की ऐसी विधि सुझाई है, जिससे आपका बच्चा मिनटों में नींद के आगोश में चला जाएगा।

मां–बाप की मशक्कत

- मां–बाप को बच्चे के जन्म के शुरुआती एक साल में 04 घंटे 44 मिनट की औसत नींद मिलती है
- 50 रातों की नींद गंवाने के बराबर है यह आंकड़ा, स्वस्थ वयस्कों को आठ घंटे रोजाना सोना चाहिए
- 54 मिनट औसतन रोजाना बच्चे को सुलाने में लगते हैं, तीन बार औसतन रात में उठता है बच्चा
- 02 मील रोजाना चलना–फिरना होता है मां–बाप का बच्चे को बहलाने, फुसलाने, सुलाने की प्रक्रिया में।

पूरे शरीर में लगाएं तेल

- सरसों, नारियल या जैतून का तेल लें, सिर से लेकर पांव तक हल्के हाथों से हर एक अंग में लगाएं
- अब ऊपर से नीचे की तरफ धीमी गति से हाथ फिराते हुए 10 से 15 मिनट तक बच्चे की मालिश करें

बातों में उलझाए रखें

- साज करते समय चेहरे पर मुस्कराहट जरूर बनाए रखें
- बच्चे से धीमे स्वर और तुतलाती भाषा में प्यार–भरी बातें करें
- तेज मालिश करने से बचें, बच्चा रोए तो उस पर चिल्लाएं नहीं

खास जगहों पर मसाज जरूरी

- नाक का ऊपरी हिस्सा – दोनों भौहों के बीच नाक के शुरुआती हिस्से पर अंगूठे और तर्जनी उंगली से हल्की मालिश करें। बच्चे का मन शांत करने में मदद मिलती है।
- हथेली – दोनों हथेलियों पर धीमे–धीमे से हाथ फिराएं। पांचों उंगलियों के बीच के स्थान पर कम से कम 30 सेकेंड तक हल्की मसाज दें। दांत दर्द की समस्या दूर होगी।
- पेट – दर्द, गैस, कब्ज की समस्या से राहत दिलाने और पाचन तंत्र को मजबूत बनाने के लिए पेट पर बाईं से दाईं ओर गोलाई में हल्के हाथ से पांच मिनट तक मसाज करें।
- पंजे – अंत में बच्चे के दोनों पैरों के पंजे अपने हाथों में लें। अब पंजे के बीच के हिस्से को अंगुठे से 10 से 15 सेकेंड के लिए दबाएं। उसका मस्तिष्क पूरी तरह से शांत हो जाएगा।

मन शांत करने में मददगार

- हल्के हाथों की मालिश लव हार्मोन 'ऑक्सिटोसिन' का स्तर बढ़ाने के साथ ही स्ट्रेस हार्मोन 'कॉर्टिसोल' का उत्पादन घटाने में कारगर
- इससे बच्चे के मस्तिष्क में मौजूद अतिरिक्त ऊर्जा के शांत पड़ने से तन–मन को सुकून महसूस होता है, शरीर में सुस्ती भी छाती है

गुनगुना दूध पिलाना भी फायदेमंद

- सोने–जगने का समय तय करें, उसे रोज अमल में भी लाएं
- रात में बिस्तर पर आने के बाद बच्चे को गुनगुना दूध पिलाएं
- कमरा हल्का ठंडा रखें, मुलायम गद्दे पर सुलाएं, लोरी सुनाएं

बढ़ते बचपन के साथ व्यावहारिक समझ विकसित करती हैं बेटियां

बेटियां कैसे अपने बढ़ते बचपन के साथ-साथ घर की जिम्मेदारियों और व्यावहारिक समझ को विकसित करती हैं, इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है एक पिता के द्वारा लिखा गया ये लेख।

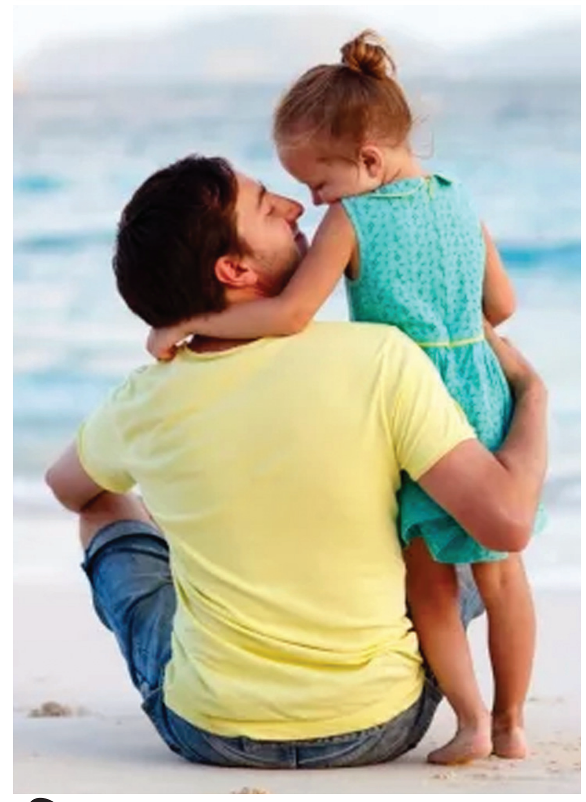

सिर्फ ग्यारह साल की है मेरी बिटिया। पांचवी में पढ़ती है। यूनिटरी फैमिली में एक बच्चे को क्या–क्या झेलना पड़ता है, इसका ज्वलंत उदाहरण है वह। मैं और मेरी पत्नी दोनों ही कामकाजी हैं। हमने खुद से जद्दोजहद करते, बिना किसी के सपोर्ट के जीवन जीना सीखा है और परिवार के बुजुर्गों की परवरिश से दूर मेरी बेटी ने भी खुद ही सबकुछ सीख लिया। जब वह डेढ़ साल की थी, तभी से मछली का कांटा निकाल कर खुद खाती थी। हम कामकाज में व्यस्त रहते और वह कांटा निकालने की तरकीब ढूंढ़ती रहती। यह उसने अंतत: सीख ही लिया। किसी दिन उसकी मां को एक्जाम ड्यूटी के लिए रविवार के दिन सुबह आठ बजे ही निकलना होता। कभी–कभी मुझे भी कालेज में कक्षाएं लेने पत्नी के साथ ही आठ बजे निकलना होता है। उस वक्त बेटी की आंखों में यह सवाल होता है कि तुम दोनों शाम तक लौटोगे, तो मैं दिनभर क्या करूंगी, अकेली कैसे रहूंगी। पर वह बोलती कुछ नहीं। उसकी आंखों में हठात एक सूनापन सा आता है और आकर चला जाता है। वह तपाक से कहती है। तुमलोग जाओ। दरवाजे में बाहर से ताला लगा देना। मैं अंदर से कुंडी बंद कर दूंगी और टीवी देखती रहूंगी। ऐसा कई बार हुआ है कि हम दोनों आठ–दस घंटे बाहर होते हैं और बेटी ने दिनभर टीवी देखते हुए, बाहर से ताला लगे बंद कमरे में खुद को अकेली बिताया है। जाते वक्त हम उसका खाना, बिस्किट वगैरह रख देते हैं। हिदायत देते हैं– बेटा आग के पास मत जाना, गैस मत खोलना। बिजली कट जाये, तो बिजली आने का इंतजार करना–माचिस मत जलाना। बेटी ठीक वैसा ही करती है। आज तक उसने वैसा ही किया है। यह सिलसिला पिछले चार–पांच सालों से चल रहा है। जब वह पांच–छह साल की थी, तब से। हम दिनभर अपने काम के साथ बेटी की चिंताओं में घुलते रहते हैं कि पता नहीं वह कैसी होगी। शाम को जब दरवाजे का ताला आकर खोलते हैं, तो कभी वह अपना होंमवर्क कर रही होती है। उसने घर के अंदर, बंद ताले में खुद को सेफ रखने के लिए सभी उपाय सीख लिए हैं। जैसे ही वह बाहर कोई आहट सुनती है, टीवी धीमा कर देती है। कोई आवाज नहीं निकालती। वह धीरे–धीरे बड़ी हो रही है। फिजिकली। मेंटली वह समय से पहले ही बड़ी हो गयी है। यह सब उसे कुछ हमने सिखाया है, तो कुछ परिस्थितियों ने। अपनी कई मुश्किलें वह अपनी मां के साथ शेयर करती है, तो लगता है कि इसने अपना बचपना थोड़ा खोया, थोड़ा झटका है। महज ग्यारह साल की उम्र में उसे परिस्थितियों ने परिपक्व बना दिया है। पर, वह अकेली बिटिया है। उसे जीना इसी समाज में है।

...तो रिश्ता हो जाएगा मजबूत

दुनिया में रिश्ते के बिना प्यार का अहसास ही नहीं हो सकता। रिश्ता चाहे कोई भी हो खास होता है। इसे निभाने के लिए शुरुआत भी अलग तरीके की होना चाहिए। फिर चाहे वो दोस्ती हो या फिर रिश्तेदारी।

खुशियों का अहसास अपनो से ही होता है। इसे हमेशा के लिए गहरा करने के लिए कुछ खास बातों की तरफ ध्यान देना बहुत जरूरी है ताकि आने वाला हर पल हसीन रहे। अगर किसी कारण रिश्तों में गलतफहमियां आ भी जाए तो एक दूसरे पर यकीन इतना गहरा हो कि कोई दूसरा आपमें अपनी जगह बना न सके। लेकिन इसके लिए कुछ बातों का खास ख्याल रखना भी बहुत जरूरी है ताकि प्यार से संजो कर रखा गया यह रिश्ता जिंदगी की जरूरत बन जाए।

एक दूसरे को जानना जरूरी

आप किसी से प्यार करते हैं तो इसके लिए एक बात को जान लेना बहुत जरूरी है आपको उसकी आदतों के बारे में जानना होगा। इससे आप खुद को और अपने बढ़ते रिलेशनशिप को कुछ समय दे पाएंगे। जो भविष्य में आपके लिए परेशानी नहीं बनेगा।

रिलेशनशिप से बनें पहचान

दोस्ती को आगे बढ़ाने के लिए कुछ बातों को समझना बहुत जरूरी है। जैसे दोस्ती इस तरह की हो जो आपकी पहचान बनें। इस बात का ध्यान रखें कि कहीं ऐसा तो नहीं कि आप दोस्ती में खोते जा रहे हैं। यह बदलाव आपके लिए खतरनाक हो सकता है।

कभी शक भी जायज

जहां यकीन है वहां शक होना भी कभी कभी जायज होता है। पार्टनर पर जरूरत से भी ज्यादा यकीन कर लेने से भी कई बार रिश्ता खराब होने का डर रहता है। थोड़ा बहुत शक करना या फिर पजेसिव होने से पार्टनर को भी पता चलता है कि आप उनके लिए कितने जरूरी हैं।

एक–दूसरे को दें वक्त

एक–दूसरे के साथ समय बिता कर उसके बारे में बहुत कुछ जानने को मिलता है। कई बार ज्यादा देर तक बनाई गई दूरी भी रिश्ते में खट्टास पैदा कर सकती है। ऐसे में समय की कमी के कारण अगर पार्टनर के साथ नराजगी है तो एक–दूसरे को समय जरूर दें। कहीं न कहीं आपके रिश्ते में मजबूती आनी शुरू हो जाएगी। कोशिश करें एक– दूसरे के साथ समय बिताएं।

वॉर्डरोब में नए–पुराने कपड़ों को इस तरह से करें टिमअप और रखें वॉर्डरोब को अपडेट

हमसे से अधिकतर लोग ऐसे हैं, जो समय की कमी के कारण अपने वॉर्डरोब पर ध्यान नहीं दें पाते। जिसके कारण वॉर्डरोब में नए-पुराने कपड़ों का ढ़ेर लग जाता है। वक्त है, कोरोना काल का जिसमें सोशल डिस्टेंसिग का हम सभी पालन कर रहे है। जिस वजह से हम अपना ज्यादातर समय घर पर ही बिता रहे है। तो क्यों न इस समय का सही इस्तेमाल करते हुए अपने वॉर्डरोब को अपडेट किया जाएं। आइए जानते कुछ टिप्स-

- डार्क कलर के 1–2 पैंट्स अगर आपके वॉर्डरोब में हैं, तो नए लुक के लिए कुछ कलरफुल शॉर्ट कुर्ते खरीदें। कलमकारी, इकत या लखनवी चिकन के शॉर्ट कुर्ते अच्छे लगते है। साथ ही रूटीन में पहनें जानेवाले टॉप और पैंट स्टाइल को भी ब्रेक मिलता है।
- प्लेन टाइट टीशर्ट यदि आपके वॉर्डरोब में है तो इसको आप कलरफुल धोती पैंट के साथ आप टीमअप कर सकते है।
- यदि वॉर्डरोब में पुरानी प्रिंटेंड सलवारों ने काफी जगह घेर रखी है, तो इनके उपर पहनने के लिए 1 से 2 कुर्ती खरीदें।
- यदि पेन्सिल जींस आपके पास हैंतो 1 से 2 फ्लोरल लॉन्ग लाइन शर्ट खरीदें।
- पुराने शॉटर्स अलनारी में है तो फिल नेक ब्लाउज टॉप या कॉन्ट्रास्ट बाइंजिंग नॉट टॉप खरीदें। नया टॉप पहनने पर पुराने शॉटर्स भी नए लुक में नजर आते है।
- अगर आपके पास कलरफुल लॉन्ग स्कर्ट है, तो उसके साथ शॉर्ट कुर्ती, टीशर्ट या लॉन्ग कुर्ते भी पहने जा सकते है।
- ए लाइन फुल लेंथ स्कर्ट पहले से है, तो उसके साथ लॉन्ग कुर्ते पहनें, हील्स पहनें। इससे हाइट अच्छी दिखगी।
- शॉर्ट स्कर्ट के साथ जैगिंग्स पहनना ट्रेंडी लुक देगा। साथ में एक्सेसरी के तौर पर स्कार्फ भी लें।

वॉर्डरोब में इन बातों का रखें ख्याल

- पैंट, जींस के लिए मल्टीपर्पस 5 लेअर हैंगर का इस्तेमाल करें। यह वॉर्डरोब की जगब को कम घेरेगा और वॉर्डरोब संवरा दिखेगा।
- सॉक्स और अंडरगारमेंट्स आर्गेनाइजर भी वॉर्डरोब को क्लीन लुक देते हैं। इसमें ब्रा का ळभी सेक्शन होना चाहिए। सिंगल पैडेड ब्रा, स्पोस्टर्स, ब्रा, टीशर्ट ब्रा, रेगलुर यूज के लिए 5 से 6 अलग–अलग ब्रा रखें। आयरन की हुई शर्ट या कुर्ते हैंगर में लटकाने से अगर जगह ज्यादा घिरती है, तो उसके लिए शर्ट ऑर्गनाइजर अच्छा रहेगा।
- होम स्ट्रेप हैगिंग ज्वेलरी ऑर्गेनाइजर वॉर्डरोब के अंदर की ओर किसी हुक पर लगाएं। इस पर अपनी चंकी ज्वेलरी, ब्रेसलेट, नेक पीस जैसी चीजें टांग सकती हैं, जिससे जरूरत के समय सामने नजर आए।